हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

पीवी सिंधु जापान ओपन के दूसरे दौर में, चोट...

www.naisochlive.com | पटना, बुधवार, 15 जुलाई 2026, वर्ष- 09, अंक- 141, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

होर्मुज पर अमेरिकी नियंत्रण के बाद अब नाकाबंदी की तैयारी

भारत ने ईरान दूतावास के उप मिशन प्रमुख को तलब किया, नाविकों को निशाना बनाने की कड़ी निंदा

एजेंसी। तेहरान/वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में नियंत्रण का दावा करते हुए कहा कि अब वहां नाकाबंदी शुरू की जाएगी। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने घोषणा कि ईरान में हमलों का तीसरा चरण पूरा कर लिया गया। ईरान ने बंदर अब्बास बंदरगाह शहर, किश, केशम और अबू मूसा द्वीपों पर धमाकों की पुष्टि की है। ट्रंप ने कांग्रेस को बताया कि ईरान में सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू हो गई है। तेहरान ने अमेरिका के क्षेत्रीय सहयोगियों पर हमले किए और कहा कि उसने दो टैंकरों पर हमला कर उन्हें बेकार कर दिया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा कि ईरानी मिसाइलों ने ओमान के समुद्री इलाके में उसके टैंकरों को निशाना बनाया। हमले में एक क्रू मेंबर की मौत हो गई। हताहत नाविक की पहचान भारतीय नागरिक की मौत हो गई। उधर, होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने देश के नाविक की मौत पर भारत ने ईरान के उप राजदूत (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब किया। सीएनन, सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सेंटकॉम ने कहा कि यह हमलों की तीसरी रात रही। अमेरिकी सेना ने ईरान के कई इलाकों में हमले किए। हमलों में ईरान के तटीय रक्षा सिस्टम के साथ-साथ मिसाइल और ड्रोन साइटों को भी निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया ने बंदर अब्बास बंदरगाह शहर और किश, केशम और अबू मूसा द्वीपों पर धमाकों की खबर दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम टूट गया है। ट्रंप ने कांग्रेस को बताया कि ईरान में सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू हो गई है। सेंटकॉम ने कहा कि मंगलवार को शाम चार बजे (पूर्वी समय) ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी फिर से शुरू हो जाएगी। अमेरिका-ईरान के सैन्य टकराव से क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। सऊदी अरब और यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच ताजा हमले हुए हैं। ट्रंप ने न्यूजमैक्स को दिए साक्षात्कार कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का नियंत्रण है। ईरान इस जलमार्ग पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है और उन जहाजों पर हमले कर रहा है जो उसकी बात नहीं मानते। राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य का "गार्जियन एंजेल" (रक्षक) बनेगा और वहां से गुजरने के लिए पैसे लेगा। लेकिन ईरान ने खुद टोल वसूलने की संभावना से इनकार नहीं किया है और इस साल की शुरुआत में कई शिपिंग कंपनियों ने ईरान को टोल दिया था। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि वह ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी फिर से शुरू करने की योजना को अंजाम देना बाकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका सिर्फ ईरान और उसके साथ व्यापार करने वाले देशों के जहाजों के गुजरने पर पाबंदी लगाएगा। इस बीच यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने कहा है कि ओमान के लिमाह इलाके के दक्षिण-पूर्व से गुजरते समय एक टैंकर पर मिसाइल से हमला होने की खबर है।

5 बड़े अपडेट्स

अमेरिका की ईरान पर 5 घंटे बमबारी: अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के शहरों पर 5 घंटे तक बमबारी की और बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ट्रम्प बोले- होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्स: अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा करेगा। इसके बदले हर कार्गो पर 20% शुल्क वसूलेगा। ईरानी जहाजों और उसके ग्राहकों पर नई पाबंदियां लागू कीं।

ईरान का जवाब- सुरक्षा हम देते हैं, लेकिन 20% ज्यादा: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ट्रम्प के बयान का जवाब देते हुए कहा कि सुरक्षित समुद्री रास्ता उपलब्ध कराने वाले को भुगतान मिलना चाहिए और यह जिम्मेदारी हमेशा से ईरान निभाता आया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 20 प्रतिशत तो बहुत ज्यादा है। हम उचित शुल्क लेंगे।

अमेरिका ने ईरान के सबमरीन और नेवल बेस पर हमला किया: CENTCOM ने बंदर अब्बास स्थित सबमरीन और नेवल मेंटेनेंस फैसिलिटी पर सी-ड्रोन से हमला किया। अईरान की नौसैनिक क्षमता को निशाना बनाया।

दावा- रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट तेहरान पहुंचा: अमेरिका-ईरान तनाव के बीच रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट Tu-214PU तेहरान पहुंचा। यह विमान परमाणु या बड़े युद्ध के दौरान राष्ट्रपति और सेना के कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

रेलवे में संरचनात्मक सुधारों का ऐलान

'रेल भूमि' पोर्टल से तेज होगी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए मंगलवार को कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि रेलवे भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया के डिजिटलीकरण के लिए 'रेल भूमि' पोर्टल शुरू करेगा। यह वेब-आधारित प्लेटफॉर्म भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाएगा तथा विभिन्न रेलवे प्रणालियों को एकीकृत कर परियोजनाओं की निगरानी, मुआवजा वितरण और वैधानिक प्रक्रियाओं को ऑनलाइन संचालित करेगा। वैष्णव ने रेल भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रेलवे में व्यापक सुधारों का अभियान चलाया जा रहा है और इसी क्रम में वर्ष 2026 के दौरान 52 सुधार लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण, माल परिवहन, कौशल विकास, वैगन डिजाइन और कंटेनर नीति सहित कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव किए गए हैं। रेल मंत्री ने बताया कि फ्लाई ऐश का परिवहन अब खुले वैगनों के बजाय कंटेनरों में किया जाएगा। इससे परिवहन, भंडारण और अनलोडिंग के दौरान धूल से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण पर रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि देश में प्रतिवर्ष लगभग 340 मिलियन मीट्रिक टन फ्लाई ऐश उत्पन्न होती है, जिसमें से 96 मिलियन मीट्रिक टन सीमेंट उद्योग में उपयोग होती है, जबकि रेलमार्ग से केवल 13 मिलियन मीट्रिक टन यानी लगभग चार प्रतिशत फ्लाई ऐश का परिवहन होता है। कंटेनर आधारित प्रणाली से प्रदूषण कम होगा तथा सामग्री का सुरक्षित भंडारण और आसान हैंडलिंग संभव होगी। उन्होंने कहा कि रेलवे ने कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर (सीटीओ) नीति में भी व्यापक बदलाव किए हैं। अब पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क के लिए एकीकृत अखिल भारतीय लाइसेंस की व्यवस्था होगी। सभी मार्गों के लिए 25 करोड़ रुपये का समान पंजीकरण शुल्क लागू किया गया है तथा 20 वर्ष सफल संचालन के बाद लाइसेंस के नवीनीकरण पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। इससे कंटेनर परिवहन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स अधिक सरल एवं किफायती होंगी। रेल मंत्री ने बताया कि उर्वरकों के परिवहन में भी सुधार किए गए हैं। अब उर्वरकों को कंटेनरों में भी ले जाया जा सकेगा। मालभाड़ा संरचना को सरल बनाते हुए प्रति टन प्रति किलोमीटर के आधार पर नई व्यवस्था लागू की गई है। कंटेनर प्रणाली से उर्वरकों का सुरक्षित भंडारण, आसान वितरण और रैक की अनावश्यक रोकथाम से बचाव संभव होगा। निर्माण क्षेत्र में सुधारों की जानकारी देते हुए वैष्णव ने कहा कि रेलवे परियोजनाओं में ठेकेदारों को कार्य प्रारंभ होने से पहले 10 प्रतिशत प्रदर्शन सुरक्षा जमा करनी होगी और बाद में चल रहे बिलों से कोई कटौती नहीं की जाएगी। जिन ठेकेदारों के लंबित मुकदमे उनकी शुद्ध संपत्ति के 50 प्रतिशत से अधिक होंगे, वे रेलवे निविदाओं में भाग नहीं ले सकेंगे। साथ ही कॉन्ट्रैक्टर ऑल रिस्क इंश्योरेंस और प्रोफेशनल इंडेम्निटी इंश्योरेंस को भी अनिवार्य बनाया गया है। उनका कहना था कि इन कदमों से गंभीर और सक्षम एजेंसियों की भागीदारी बढ़ेगी तथा परियोजनाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। रेल मंत्री ने रेलवे परियोजनाओं के लिए कौशल प्रमाणन नीति की भी घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

सूर्य और प्रकाश एक-दूसरे के पूरक पीएम मोदी ने साझा किया सुभाषित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए परस्पर सहयोग, एकता और परस्पर निर्भरता का संदेश दिया। उन्होंने श्लोक प्रभया हि विना यद्वद् भानुरेष न विद्यते। प्रभा च भानुना तेन सुतरां तदुपाश्रया॥ पोस्ट करते हुए उसका भावार्थ भी प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस प्रकार सूर्य अपने प्रकाश के बिना दिखाई नहीं देता और प्रकाश भी सूर्य के बिना अस्तित्व में नहीं रह सकता, उसी प्रकार दोनों का अस्तित्व और शक्ति एक-दूसरे पर पूर्णतः आश्रित हैं। यह संदेश परस्पर सहयोग और सामूहिक शक्ति के महत्व को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री मोदी बीते कुछ दिनों से नियमित रूप से संस्कृत सुभाषितों के माध्यम से प्रेरक संदेश साझा कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने एक अन्य सुभाषित के साथ लिखा था कि जब चौतरफा विकास के साथ प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित होता है, तभी राष्ट्र की प्रगति को नई गति मिलती है। उन्होंने कहा कि इसी प्रेरक भावना के साथ सरकार भारत की सामर्थ्य को निरंतर सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रही है। सोमवार को ही प्रधानमंत्री ने एक अन्य श्लोक कन्यानां सम्प्रदानञ्च कुमाराणाञ्च रक्षणम्। राष्ट्रस्य सङ्ग्रहे नित्यं विधानमिदमाचरेत्॥ भी साझा किया था। इसका अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि कन्याओं के हितों की रक्षा, नई पीढ़ी के संरक्षण और विकास की व्यवस्था तथा राष्ट्र की एकता, सुरक्षा, समृद्धि और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का निरंतर कर्तव्य है।

दक्षिण चीन सागर में चीन को 14 देशों ने घेरा, जबाव में जे-16 से शक्ति प्रदर्शन

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में चीन को इन दिनों गंभीर अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है। जापान के नेतृत्व में 14 देशों के बड़े समूह ने उसकी समुद्री दावेदारी के खिलाफ एकजुटता दिखाई है, इसके जवाब में बीजिंग अपनी सैन्य ताकत को दिखाकर जे-16 फाइटर प्लेन की नई मारक क्षमता को उजागर कर रहा है। यह घटनाक्रम चीन पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव और उसकी आक्रामक प्रतिक्रिया को दिखाता है। यह सब 2016 में आए अंतरराष्ट्रीय पंचाट के उस ऐतिहासिक फैसले की 10 वर्षगांठ के मौके पर हुआ है, इससे दक्षिण चीन सागर पर चीन के व्यापक दावों को अंतरराष्ट्रीय कानून में निराधार बताया था। जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन और फिलीपींस सहित 14 देशों ने संयुक्त बयान जारी कर पंचाट के फैसले को अंतिम, बाध्यकारी और वैधानिक करार दिया। इस समूह ने साफ किया कि समुद्री विवादों का समाधान केवल अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार ही होना चाहिए। यूरोपीय संघ ने भी अलग से फैसले का समर्थन कर चीन की समुद्री रणनीति पर सीधी चोट की है। चीन ने तुरंत प्रतिक्रिया देकर बीजिंग स्थित जापानी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को बुलाया।

एफबीआई निदेशक के पाक की प्रशंसा पर कांग्रेस ने केंद्र से जवाब मांगा, विदेश नीति पर उठाए सवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने अमेरिकी एफबीआई निदेशक काश पटेल द्वारा पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नक़वी का गर्मजोशी से स्वागत करने और पाकिस्तान की खुलकर सराहना करने पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। पार्टी ने कहा कि यह घटनाक्रम भारत के हितों के लिए गंभीर चिंता का विषय है और सरकार को इस पर तुरंत स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जून में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुआ समझौता अब लगभग टूट चुका है, जबकि इसके विपरीत अमेरिका और पाकिस्तान के बीच रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री और सेंट्रल कमांड प्रमुख के बाद अब एफबीआई निदेशक काश पटेल भी पाकिस्तान की तारीफ कर चुके हैं। रमेश ने कहा कि पाकिस्तान को पश्चिम एशिया और वैश्विक स्तर पर मिल रही नई प्रभावशाली स्थिति भारत के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार इस स्थिति से अनजान है या उसकी विदेश नीति की दिशा और प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। उल्लेखनीय है कि एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोमवार को पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नक़वी से मुलाकात की थी। यह बैठक एफबीआई मुख्यालय में हुई, जहां पटेल ने पाकिस्तान के योगदान की सराहना की। दोनों पक्षों ने आतंकवाद के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने, साइबर जांच को मजबूत करने और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेशनल वॉर मेमोरियल से कारगिल के लिए 'शौर्य विजय यात्रा' रवाना की

एजेंसी। नई दिल्ली

अगले 13 दिनों में 28 राइडर्स 1,900 किमी. की दूरी तय कर 26 जुलाई को पहुंचेंगे कारगिल वॉर मेमोरियल

कारगिल विजय दिवस को पूरे देश में मनाने के हिस्से के तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल से लद्दाख के द्रास में कारगिल वॉर मेमोरियल तक 13 दिन की 'शौर्य विजय यात्रा' को हरी झंडी दिखाई। इस अभियान में शामिल 28 राइडर्स उत्तरी हिमालय के मुश्किल इलाकों से गुजरते हुए 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। कारगिल युद्ध में जीत दिलाने वाले भारतीय बहादुरों के साहस, इरादे और सबसे बड़े बलिदान को सम्मान देने के लिए इस अभियान का आदर्श वाक्य 'वन राइड, वन नेशन, वन सैल्यूट' है। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने बहादुर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने हिम्मत, सब्र, अनुशासन और बेमिसाल देशभक्ति का सुनहरा अध्याय लिखा, जिसे दुनिया भर की सेनाएं आज भी पढ़ती हैं और सम्मान से देखती हैं। लगभग 20 हजार फीट की ऊंचाई और माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तक गिरते तापमान में भी हमारे सैनिकों ने पूरी हिम्मत के साथ अपने मकसद पूरे किए। उन्होंने दुश्मन के कब्जे से हर चोटी, पहाड़ी और बंकर वापस लिए और तिरंगे का सम्मान बनाए रखा। यह जीत हमारी जमीन, पहचान और सम्मान पर किसी भी दुश्मन की नज़र का पूरी ताकत से जवाब देने के भारत के पक्के इरादे को दिखाती है। राजनाथ सिंह ने परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, सूबेदार मेजर (ऑनरेरी कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव (रिटायर्ड) और सूबेदार मेजर (ऑनरेरी कैप्टन) संजय कुमार (रिटायर्ड) समेत सभी भारतीय बहादुरों का युद्ध में जीत पक्की करने में उनके कीमती योगदान के लिए पुण्य स्मरण किया। उन्होंने कहा कि ये बहादुर सैनिक युवाओं के लिए प्रेरणा हैं और आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे। रास्ते में राइडर्स चंडीमंदिर वॉर मेमोरियल, रेजांगला वॉर मेमोरियल और लेह वॉर मेमोरियल समेत खास मिलिट्री मेमोरियल पर श्रद्धांजलि देंगे। वे वीर नारियों से बातचीत भी करेंगे और उन्हें सम्मानित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह 'शौर्य विजय यात्रा' 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर कारगिल वॉर मेमोरियल पर खत्म होगी। इस दौरान राइडर्स नेशनल वॉर मेमोरियल की पवित्र मिट्टी से भरा कलश ले जाएंगे, जिसे शहीद हुए वीरों की याद में कारगिल में चढ़ाया जाएगा।

सत्रह साल पुराने सुकांत घोष हत्याकांड में फरार आरोपित को सीबीआई ने गोरखपुर से दबोचा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के चर्चित सुकांत घोष हत्याकांड में फरार चल रहे घोषित अपराधी शिबू कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित पिछले कई वर्षों से फरार था और फर्जी पहचान के साथ रह रहा था। सीबीआई ने मंगलवार को बताया कि शिबू कुमार सिंह को गोरखपुर के रायगंज रोड स्थित दक्षिण गांधी आश्रम इलाके में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया गया। वह वहां अखिलेश कुमार शाही नाम से रह रहा था। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। एजेंसी ने बताया कि ट्रांजिट वारंट प्राप्त करने के बाद आरोपित को बुधवार को कोलकाता ले जाया जाएगा, जहां उसे संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा। यह मामला कलकत्ता उच्च न्यायालय के 27 अगस्त 2009 के आदेश पर सीबीआई को सौंपा गया था। जांच के बाद सीबीआई ने 31 दिसंबर 2010 और 14 नवंबर 2011 को आरोपपत्र तथा पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें शिबू कुमार सिंह सहित चार लोगों को आरोपित बनाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने थोक में रद्द कर दिए हाईकोर्ट के 28 फैसले

कोर्ट ने कहा- किसी को ऐसे नहीं घोषित कर सकते विदेशी

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के 28 फैसलों को एक साथ रद्द करते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है। इन फैसलों में विदेशी न्यायाधिकरणों (फॉरेन ट्रिब्यूनल) द्वारा 27 व्यक्तियों को विदेशी साबित करने के आदेशों को सही ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या विदेशी होने की स्थिति का निर्धारण एक ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए जो संवैधानिक नियमों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार निष्पक्ष, वैध और तर्कसंगत हो। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को सुनाए गए अपने फैसले में इन सभी मामलों को नए सिरे से कानूनी रूप से निर्धारित करने के लिए संबंधित विदेशी न्यायाधिकरणों को वापस भेज दिया। न्यायालय ने कहा, इसलिए, इन सभी मामलों में हाई कोर्ट द्वारा दिए गए विवादित फैसलों एवं आदेशों को रद्द किया जाता है। संबंधित विदेशी न्यायाधिकरण या पहले के अवैध प्रवासी (निर्धारण) न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए संबंधित विचारों एवं आदेशों को भी रद्द किया जाता है।

भारत टेक्स महोत्सव वैश्विक कपड़ा क्षेत्र में भारत को और सशक्त बनाएगा: गिरिराज सिंह

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

दुनिया का सबसे बड़ा चार दिवसीय वस्त्र बाजार मेला 'भारत टेक्स 2026' के पहले दिन मंगलवार केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि यह पहल भारत को और अधिक सशक्त बनाने तथा ग्लोबल कपड़ा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। गिरिराज ने दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित वैश्विक वस्त्र महोत्सव 'भारत टेक्स 2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, "आज नई ऊर्जा, नए आत्मविश्वास और बड़ी उम्मीदों के साथ 'भारत टेक्स' का उद्घाटन हुआ। यह भव्य आयोजन भारत की समृद्ध टेक्सटाइल विरासत, आधुनिक नवाचार और वैश्विक भागीदारी को एक सूत्र में पिरोता है। यह देश के टेक्सटाइल उद्योग में नई गति और नई पहचान लाने की दिशा में एक अहम कदम है। यह पहल भारत को और अधिक सशक्त बनाने तथा ग्लोबल कपड़ा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इस महोत्सव में न्यूजीलैंड, श्रीलंका, जॉर्डन, कंबोडिया और ब्रुनेई के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। 20 से अधिक देशों के 350 से अधिक वक्ता और अंतरराष्ट्रीय निर्यातक हिस्सा लेंगे। एक्सपो के दौरान भारत-अमेरिका कॉटन पार्टनरशिप और भारत-ब्रिटेन (मुक्त व्यापार समझौता) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर द्विपक्षीय चर्चा होगी। इसके अलावा कपड़ा क्षेत्र में नई तकनीक, टिकाऊ विकास और एमएसएमई के लिए 100 से अधिक नॉलेज सेशन आयोजित किए जाएंगे।

अमेरिका होर्मुज में जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क वसूलेगा : ट्रम्प

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर कब्जा करने के संकेत दिए हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका होर्मुज की सुरक्षा करेगा और बदले में वहां से गुजरने वाले जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क वसूलेगा।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप न्यूज़ : ने बताया कि ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नौसैनिक नाकेबंदी फिर से लागू कर रहा है। इसे कुछ हफ़्ते पहले ही हटाया गया था, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच इस जलडमरूमध्य (जो तेल, प्राकृतिक गैस और अन्य सामानों के लिए एक अहम शिपिंग रूट है) से होने वाले कमर्शियल ट्रैफिक में रुकावटें जारी रहीं। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला है और ईरान के साथ या उसके बिना भी खुला रहेगा। हम 'ईरानी नाकेबंदी' को फिर से लागू कर रहे हैं। इसे यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि यह केवल ईरान के जहाजों या ग्राहकों को अंदर आने या बाहर जाने से रोक रहा है। बाकी सभी देश इस जलडमरूमध्य का निष्पक्ष और खुला इस्तेमाल कर सकेंगे। अबसे अमेरिका को 'होर्मुज जलडमरूमध्य का संरक्षक' माना जाएगा, लेकिन इस भूमिका में और निष्पक्षता के नाते, दुनिया के इस बेहद संवेदनशील हिस्से में सुरक्षा और हिफ़ाज़त सुनिश्चित करने के काम में आने वाले सभी ज़रूरी खर्चों के लिए, यहां से भेजे जाने वाले सभी कार्गो पर 20 प्रतिशत की दर से शुल्क वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया "तुरंत" शुरू हो जाएगी। फिलहाल, यह अभी साफ़ नहीं है कि 20 प्रतिशत की दर होर्मुज जलडमरूमध्य से भेजे जाने वाले सभी कार्गो की कीमत पर लागू होगी या यह जलमार्ग से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए जरूरी खर्चों पर आधारित शुल्क होगा। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी इस पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। नौसैनिक नाकेबंदी को फिर से लागू करने के बारे में अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसके बल मंगलवार (वॉशिंगटन समय) को शाम 4 बजे ईरानी बंदरगाहों में आने-जाने वाले समुद्री ट्रैफिक को रोकना फिर से शुरू कर देंगे। सेंटकॉम बल ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों में आने-जाने वाले जहाजों के खिलाफ नाकेबंदी लागू करेंगे। अमेरिकी सेना उन सभी जहाजों के लिए क्षेत्रीय जल में ट्रैफिक के प्रवाह का समर्थन करना जारी रखेगी जो नाकेबंदी का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं।

टूट गई भारत-अमेरिका की ट्रेड डील? अमेरिकी राजदूत बोले- दिस इज फेक

नई दिल्ली। क्या भारत और अमेरिका के बीच एक बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता (ट्रेड डील) टूट गया है? क्या दोनों देशों के बीच इस महत्वपूर्ण डील को लेकर गंभीर मतभेद उत्पन्न हो गए हैं? इन अटकलों पर विराम लगाते हुए भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने ऐसी सभी रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया। गोर ने स्पष्ट किया कि दोनों में से किसी भी पक्ष ने डील से इनकार नहीं किया है, और हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच हुई सभी बैठकें पूरी तरह से सकारात्मक रही हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में इन खबरों को फेक न्यूज करार दिया, और लिखा, फेक न्यूज अलर्ट! किसी ने कुछ भी रिजेक्ट नहीं किया है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि दोनों पक्ष बेहद सकारात्मक ढंग से बैठक कर रहे हैं और व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं। अमेरिकी राजदूत की यह टिप्पणी भारतीय सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के खंडन के बाद आई है, जिन्होंने ऐसी रिपोर्टों को पूरी तरह से झूठा, बिना किसी आधार और भ्रामक बताया था। गोयल ने भी जोर दिया कि भारत और अमेरिका व्यापार वार्ताओं में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं और समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काफी प्रगति हुई है।

75 पन्नों में लिखी हैं चंपत राय की काली करतूत

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण से जुड़े दान चोरी के गंभीर आरोपों के बीच, धर्मसेना प्रमुख और राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरे संतोष दुबे ने अब श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संजय सिंह के आरोपों के बाद, संतोष दुबे ने भी जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को चंपत राय के खिलाफ 75 से अधिक पन्नों के दस्तावेजी साक्ष्य सौंपे हैं। ये सबूत सीओ सिटी श्रेयस त्रिपाठी के माध्यम से एसआईटी तक पहुँचाए गए। जानकारी के अनुसार, रविवार रात एसआईटी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संतोष दुबे से पूछताछ की थी और सोमवार दोपहर तक साक्ष्य जमा कराने को कहा था। संतोष दुबे ने मीडिया को बताया कि उनके द्वारा सौंपे गए कागजात में चंपत राय द्वारा कथित तौर पर खरीदी गई जमीनों और गायब हुई मूर्तियों का रिकॉर्ड भी शामिल है। उन्होंने दावा किया कि एसआईटी की जांच से कुछ सकारात्मक परिणाम निकलने की उम्मीद है और दोषी जल्द ही जेल जाएंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उन्होंने आठ प्रमुख बिंदुओं पर दस्तावेजी साक्ष्य और विभिन्न लोगों के सार्वजनिक बयानों को जांच में शामिल करने का अनुरोध किया है।

संक्षिप्त समाचार

नीतीश मॉडल को आगे बढ़ा रहे सम्राट चौधरी और निशांत : नीरज कुमार

पटना। जदयू विधान पार्षद सह मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने जारी बयान में कहा कि नीतीश कुमार के शासनकाल के दौरान बिहार में स्थापित स्वास्थ्य मॉडल को वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। कभी स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव और बदहाल व्यवस्था के लिए जाना जाने वाला बिहार आज दवा आपूर्ति, मुफ्त उपचार और गरीबों के स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान स्थापित कर चुका है। यह अत्यंत गर्व का विषय है कि केंद्र सरकार के ड्रग्स एंड वैक्सिन डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल के अनुसार बिहार लगातार 22वें महीने देश में दवा आपूर्ति एवं वितरण के मामले में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। दवा आपूर्ति एवं वितरण के संबंध में सितंबर 2024 से जून 2026 तक लगातार शीर्ष स्थान बनाए रखना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह और मरीज-केंद्रित बनाया है। डीवीडीएमएस पोर्टल पर बिहार ने 80.32 अंक प्राप्त कर पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है। आज बिहार में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की जन कल्याणकारी फैसलों के तहत सरकारी अस्पतालों में मरीजों को 350 तरह की दवाईयां मुफ्त उपलब्ध करायी जा रही हैं जबकि आने वाले समय में कुल 504 तरह की दवाईयां मरीजों को उपलब्ध कराए जाने पर गंभीरता से काम चल रहा है। दवा आपूर्ति में देश में लगातार शीर्ष स्थान, मुफ्त दवा वितरण का व्यापक विस्तार तथा गरीबों के इलाज की प्रभावी व्यवस्था इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचाना है।

नीतीश कुमार ने जिला उपाध्यक्ष की दिवंगत धर्मपत्नी को श्रद्धासुमन अर्पित किए

पटना।जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को नालंदा जिले के हिलसा प्रखंड अंतर्गत केसोपुर गांव पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के पुराने साथी एवं जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार की दिवंगत धर्मपत्नी एवं पूर्व मुखिया स्व.लालती देवी के बरखी कार्यक्रम में शामिल होकर उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी, उनका ढांढस बंधाया तथा दिवंगत पुण्यात्मा की शांति एवं शोक-संतप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी तथा विधायक कृष्ण कुमार सिंह उर्फ प्रेम मुखिया भी उपस्थित रहे।

एम्वे इंडिया ने प्रीमियम स्किनकेयर पोर्टफोलियो का किया विस्तार

पटना। हेल्थ और वेलबीइंग क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एम्वे इंडिया ने अपने प्रीमियम स्किनकेयर पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रीशन मल्टी-डिफेंस यूवी प्रोटेक्ट लॉन्च किया है। न्यूट्रीलाइट से प्राप्त वनस्पति तत्वों (बॉटैनिकल्स) से भरपूर यह नया स्किनकेयर उत्पाद आधुनिक जीवनशैली में त्वचा को विभिन्न पर्यावरणीय प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह लॉन्च आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रीशन रेंज का विस्तार है, जिसे बदलती स्किनकेयर जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। कंपनी का कहना है कि इस श्रृंखला में प्राकृतिक तत्वों और आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक का संतुलित मेल है, जिससे त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है।एम्वे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने कहा, भारत में स्किनकेयर बाजार तेजी से बदल रहा है और उपभोक्ता अब ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिनमें इस्तेमाल होने वाले तत्वों की स्पष्ट जानकारी हो और जिनकी प्रभावशीलता वैज्ञानिक शोध पर आधारित हो। आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रीशन मल्टी-डिफेंस यूवी प्रोटेक्ट इसी सोच को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इसमें आधुनिक स्किन साइंस के साथ न्यूट्रीलाइट के प्राकृतिक तत्वों का समावेश किया गया है, ताकि उपभोक्ताओं को भरोसेमंद स्किनकेयर उत्पाद उपलब्ध कराए जा सकें। प्राकृतिक और पौधों से प्राप्त तत्वों वाले स्किनकेयर उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ता अब अपनी सुंदरता और संपूर्ण स्वास्थ्य, दोनों को ध्यान में रखकर उत्पादों का चयन कर रहे हैं। आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रीशन और न्यूट्रीलाइट की करीब 90 वर्षों की विशेषज्ञता के साथ कंपनी इस क्षेत्र में उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हर किसान तक समय पर पहुँचेगा कृषि उपादान : विजय

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शारदीय मौसम-2026 के अंतर्गत धान रोपनी, धान नर्सरी एवं अन्य फसलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य समय पर प्राप्त करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाने के निदेश दिए। समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि राज्य में मानसून की अनुकूल स्थिति का लाभ उठाते हुए किसानों को कृषि कार्यों में हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि राज्य में धान नर्सरी का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा अब धान रोपनी का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही, शारदीय (खरीफ) मक्का की बुआई में भी संतोषजनक प्रगति दर्ज की गई है। मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग का उद्देश्य केवल लक्ष्य प्राप्त करना नहीं, बल्कि प्रत्येक किसान तक समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को निदेश दिया कि वे नियमित रूप से क्षेत्रीय भ्रमण कर बुआई एवं रोपनी कार्यों की निगरानी करें तथा किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान संभावित बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति पर भी विशेष चर्चा की गई। मंत्री ने निदेश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को वैकल्पिक फसल एवं फसल प्रणाली अपनाने के लिए तत्काल तकनीकी परामर्श उपलब्ध कराया जाए, ताकि प्राकृतिक परिस्थितियों के बावजूद किसानों की आय एवं उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव न्यूनतम हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा एवं कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कृषि विभाग लगातार जिलों की प्रगति की समीक्षा कर रहा है तथा आवश्यकता के अनुसार आवश्यक संसाधनों एवं तकनीकी सहायता की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कृषि मंत्री ने सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को निदेश दिया कि जहाँ बुआई एवं रोपनी की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है, वहाँ विशेष अभियान चलाकर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता तथा सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि राज्य निर्धारित समय सीमा के भीतर खरीफ फसलों केलक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त कर सके। मंत्री ने किसानों से अपील की है कि वे कृषि विभाग द्वारा जारी वैज्ञानिक सलाह का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी जानकारी या सहायता के लिए अपने प्रखंड कृषि पदाधिकारी अथवा निकटतम कृषि कार्यालय से संपर्क करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी संबंधित विभागों एवं किसानों के सहयोग से शारदीय (खरीफ) मौसम-2026 के निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध रूप से प्राप्त किए जाएंगे और राज्य कृषि उत्पादन के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

समस्याओं के निष्पादन से ही सहयोग कार्यक्रम का लक्ष्य होगा पूरा : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» राज्य स्तरीय सहयोग शिविर में 129 आवेदन दर्ज, 30 दिनों के भीतर शिकायतों के समाधान का निर्देश

पटना।मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर में मुख्यमंत्री सचिवालय के आवेदन प्राप्ति केंद्र का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर देशरत्न मार्ग से आवेदन प्राप्ति केंद्र तक बनाए गए 'सहयोग पथ' का भी उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही आयोजित राज्य स्तरीय सहयोग शिविर में कुल 129 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें 100 आवेदकों के मामलों का मौके पर निष्पादन किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों या कर्मियों की लापरवाही के कारण शिकायतों का समय पर निस्तारण नहीं हो रहा है, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक के दौरान जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, शेखपुरा, सीवान, अररिया, भागलपुर, पश्चिम चंपारण सहित विभिन्न जिलों से आए लाभार्थियों ने अपनी समस्याओं के समाधान पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की शिकायतों का निष्पक्ष और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है। सहयोग शिविरों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ है। जिन आवेदकों को अब भी अपने आवेदन के निर्णय पर आपत्ति है, उनके मामलों की पुनः समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम की व्यवस्था की गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री सोलर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश देते हुए कहा कि योजना के तहत 125 यूनिट तक निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। यदि 126 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन होता है तो उपभोक्ताओं को उसका आर्थिक लाभ भी मिलेगा। उन्होंने लोगों से अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाने की अपील की तथा दूरस्थ गांवों को सोलर विलेज के रूप में विकसित करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों की लंबित पेंशन संबंधी सभी मामलों का शीघ्र निस्तारण कर अगले माह की 10 तारीख तक पेंशन राशि उपलब्ध कराई जाए। यदि किसी आवेदन में दस्तावेजों की कमी हो तो उसे सीधे अस्वीकृत करने के बजाय संबंधित आवेदक को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद नई सड़कों के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए तथा सभी अधिकारी आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक और संवेदनशील व्यवहार करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सहयोग शिविरों के माध्यम से 30 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सीओ, बीडीओ, एसडीओ, डीसीएलआर, जिलाधिकारी, प्रमंडलीय आयुक्त तथा विभागीय सचिवों को शिकायतों के निष्पादन की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सहयोग शिविरों के माध्यम से अब तक 90 प्रतिशत समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। उन्होंने जिलाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि "समस्याओं के निष्पादन से जनता संतुष्ट हो तभी सहयोग कार्यक्रम का लक्ष्य पूर्ण होगा।" उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और अंतिम व्यक्ति तक न्याय तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनशक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी का नामांकन रद्द

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बांकीपुर उपचुनाव में जन शक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी का नामांकन आयोग की ओर से रद्द कर दिया गया। निर्वाचन अधिकारियों की जांच के दौरान नामांकन पत्र में एक तकनीकी कमी सामने आई, जिसके बाद उनका नामांकन स्वीकार नहीं किया गया। नामांकन पत्र में निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया है। नियमों की अनदेखी की गई है। आयोग के नियम के मुताबिक नामांकन पत्र पर 10 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर होना अनिवार्य होता है। लेकिन वीणा मानवी के नामांकन पत्र में सिर्फ 9 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर मिले। इसी तकनीकी कमी के आधार पर उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। इस निर्णय के बाद बांकीपुर उपचुनाव में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है। सोमवार को नामांकन का आखिरी दिन था। इसके बाद मंगलवार को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की गई। वीणा मानवी, निर्दलीय प्रत्याशी प्रिय किन्नर समेत कुल 10 का पर्चा रद्द कर दिया गया है। वीणा मानवी का नामांकन रद्द होने से तेज प्रताप यादव की पार्टी जनतांत्रिक जनता दल को बांकीपुर उपचुनाव में बड़ा झटका लगा है। पार्टी के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने मामले को कोर्ट तक ले जाने की बात कही। पटना शहर की बांकीपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को मतदान होगा।

शाहिद रामफल मंडल की राजधानी में मूर्ति लगाने के लिए परिवहन मंत्री ने लिखा नगर विकास मंत्री को पत्र

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने नगर विकास मंत्री नीतीश मिश्र को पत्र लिखकर राजधानी के छोटी पहाड़ी चौराहा के पास शाहिद रामफल मंडल की मूर्ति स्थापित करने का आग्रह किया है। इससे पूर्व अखिल भारतीय धानुक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष शंकर प्रसाद के नेतृत्व में परिवहन मंत्री दामोदर रावत से मिला और प्रतिनिधिमंडल ने गुप्त मांग को उठाने का आग्रह किया। सब परिवहन मंत्री ने नगर विकास मंत्री को यह पत्र लिखा। परिवहन मंत्री ने लिखा कि बिहार के महान स्वतंत्रता सेनानी प्रथम शहीद स्व रामफल मंडल 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाया था। सीतामढ़ी जिले के बाजपट्टी में जन्मे महान स्वतंत्रता सेनानी ने अंग्रेजों द्वारा सीतामढ़ी में किये गये गोलीकांड के खिलाफ अंग्रेजी हुक्मरानों के खिलाफ हथियार उठा लिया । उक्त गोलीकांड के प्रतिशोध में की गयी अंग्रेजी हुक्मरानों के हत्या के आरोप में उन्हें 1942 में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया और 23 अगस्त, 1943 में भागलपुर सेंट्रल जेल में 19 वर्ष की आयु में फांसी दे दी।उन्होंने अनुरोध किया कि एक सच्ची श्रद्धांजली देने हेतु महान स्वतंत्रता सेनानी स्व रामफल मंडल जी की स्मृति में उनके नाम पर पटना के बड़ी पहाड़ी चौक पर उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित कर अगमकुओं, पटना से पहाड़ी जाने वाली सड़क एवं चौक का नामकरण भी उनके नाम पर करने की कृपा की जाय।

देवघर चारा घोटाला मामले में लालू यादव को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत रद्द करने से किया इंकार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बहुचर्चित चारा घोटाला मामले में बिहार के पूर्व सीएम और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को बड़ी कानूनी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने देवघर चारा घोटाला मामले में लालू यादव की जमानत को रद्द करने और सजा पर लगी रोक को हटाने से पूरी तरह इनकार कर दिया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी द्वारा दायर की गई उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें लालू यादव के जमानत को रद्द कर पुनः जेल भेजने की मांग की गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट के जमानत देने के पुराने आदेश में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप करने से मना कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने समय अवधि को एक मुख्य आधार माना। अदालत ने कहा, हम इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश में अब दखल नहीं देना चाहते, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि तब से सात साल का एक लंबा वक्त बीत चुका है। इसके साथ ही कोर्ट ने हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि अगले 6 महीने के अंदर चारा घोटाला मामले में दोषी करार दिए गए लालू यादव समेत अन्य आरोपियों की सजा के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई पूरी करे। बता दें कि चारा घोटाला मामले में लालू यादव व अन्य को साल 2018 में दोषी करार दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने कुछ दिन जेल में भी बिताया था। इसके बाद उन्होंने अपनी सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की थी, जो अब तक लंबित है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्रीय एजेंसी की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत का कड़ा विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि लालू प्रसाद यादव की नियमित जमानत याचिका को पहले दो बार खारिज किया जा चुका था। फिलहाल लालू यादव खराब स्वास्थ्य के आधार पर जमानत पर हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत के माल दुलाई कामकाज को मज़बूत करने के लिए 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' के तहत आठ और संरचनात्मक सुधारों की घोषणा की

नई सोच एक्सप्रेस

» लॉजिस्टिक्स लागत कम करने, सप्लाई चेन को बेहतर बनाने, निजी निवेश को बढ़ावा देने और साफ़-सुथरे माल दुलाई परिवहन को प्रोत्साहित करने के लिए नई नीतियां

पटना।रिफॉर्म एक्सप्रेस' को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज भारतीय रेलवे को आधुनिक बनाने के लिए आठ और संरचनात्मक सुधारों की घोषणा की। इसके साथ ही, इस पहल के तहत लागू किए गए सुधारों की कुल संख्या 17 हो गई है। नए सुधारों से माल ढुलाई, लॉजिस्टिक्स, निर्माण के तरीकों, प्रोजेक्ट को पूरा करने, वैगन डिज़ाइन, कौशल विकास और 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (कारोबार में आसानी) में बड़े बदलाव आएंगे। नई दिल्ली के रेल भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए, वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे भविष्य के लिए तैयार रेलवे सिस्टम बनाने के लिए कई सुधार कर रहा है। ये सुधार मंत्रालय के उस लक्ष्य का हिस्सा हैं जिसके तहत कार्यक्षमता बढ़ाने, इनोवेशन को बढ़ावा देने और रेलवे इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए 52 हफ़्तों में 52 सुधार लागू किए जाने हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पहल के तहत पहले घोषित किए गए सुधारों के उत्साहजनक नतीजे मिलने शुरू हो गए हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि भारत में हर साल लगभग 340 मिलियन टन फ्लाई ऐश पैदा होती है, जिसमें से लगभग 96 मिलियन टन का इस्तेमाल सीमेंट उद्योग द्वारा किया जाता है। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 13 मिलियन टन फ्लाई ऐश का परिवहन किया, जो देश में कुल फ्लाई ऐश उत्पादन का लगभग चार प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक रूप से फ्लाई ऐश का परिवहन खुले वैगनों के ज़रिए किया जाता रहा है, जिससे लोडिंग, परिवहन और अनलोडिंग के दौरान धूल प्रदूषण होता है। थर्मल पावर प्लांट में बड़े ऐश पॉन्ड (राख के तालाबों) में जमा होने पर फ्लाई ऐश पर्यावरण के लिए भी एक बड़ी चुनौती पैदा करती है। इन समस्याओं को दूर करने के लिए, भारतीय रेलवे ने फ्लाई ऐश के लिए एक नया कंटेनर-आधारित परिवहन सिस्टम शुरू किया है। नई नीति के तहत, परिवहन के लिए खास तौर पर डिज़ाइन किए गए ISO-मानक वाले कंटेनरों का इस्तेमाल किया जाएगा। इन कंटेनरों को पावर प्लांट से सीधे टॉप-लोडिंग व्यवस्था के ज़रिए लोड किया जा सकता है और धूल प्रदूषण पैदा किए बिना साइड-डिस्चार्ज या न्यूमेटिक सिस्टम का इस्तेमाल करके अनलोड किया जा सकता है। श्री वैष्णव ने कहा कि बंद-कंटेनर सिस्टम से प्रदूषण-मुक्त ट्रांसपोर्टेशन मुमकिन होगा, सीमेंट प्लांट में ज़रूरत पड़ने तक सुरक्षित स्टोरेज आसान होगा और लॉजिस्टिक्स की क्षमता में काफ़ी सुधार होगा। इन कंटेनरों को रीच स्टैकर्स के ज़रिए हैंडल किया जा सकता है, जिससे पावर प्लांट से सीमेंट प्लांट तक बिना किसी रुकावट के सामान पहुँचाया जा सकेगा। इस सुधार से फ्लाई ऐश के रेल ट्रांसपोर्ट में बढ़ोतरी होने, सड़क ट्रांसपोर्ट पर निर्भरता कम होने और पर्यावरण के लिए चुनौती बने इस पदार्थ को आर्थिक रूप से फ़ायदेमंद संसाधन में बदलने की उम्मीद है।

टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

बिहटा (पटना) । टीबी (क्षय रोग) मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य मेरा युवा भारत,पटना(युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय,भारत सरकार) के द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 14 अगस्त 2026 तक व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में आम नागरिकों,जीविका दीदी,आशा कार्यकर्ता,छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को टीबी के लक्षण, बचाव, समय पर जांच एवं निःशुल्क उपचार की जानकारी दी गई। वहीं बजरंग युवा क्लब,बिहटा के अध्यक्ष बबलु कुमार ने बताया कि टीबी एक पूर्णतः उपचार योग्य बीमारी है। यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना या रात में अत्यधिक पसीना आने जैसे लक्षण दिखाई दें, तो निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर तुरंत जांच करानी चाहिए। सरकार द्वारा टीबी की जांच, उपचार एवं आवश्यक दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने अपने परिवार, पड़ोस एवं समाज में टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने तथा टीबी मरीजों के प्रति भेदभाव न करने का संकल्प लिया।

नॉन-सीरियस लीडर हैं तेजस्वी, राजनीति उनके बस की बात नहीं : उमेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को नॉन-सीरियस लीडर करार दिया। श्री कुशवाहा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के आचार, विचार और व्यवहार से यह साफ झलकता है कि राजनीति उनके बस की बात नहीं है। वह महज एक पार्ट-टाइम पॉलिटिशियन बनकर रह गए हैं। उनमें न तो अपने कार्यकतार्ओं के प्रति कोई गंभीरता दिखती है, न नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद के प्रति कोई जिम्मेदारी और न ही बिहार की जनता के प्रति कोई प्रतिबद्धता नजर आती है। प्रदेश अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव की राजनीति अब सिर्फ सोशल मीडिया और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के सहारे चल रही है। जो नेता अपनी ही पार्टी के स्थापना दिवस समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करता हो, उसकी राजनीतिक अपरिपक्वता और गैर-गंभीरता स्वतः उजागर हो जाती है। उन्होंने कहा कि चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए तेजस्वी यादव का जीवन हमेशा ऐशो-आराम वाला रहा है। यही वजह है कि उन्होंने न कभी पढ़ाई को महत्व दिया और न ही क्रिकेट के प्रति गंभीर हो सके। अब वह अपने पिता की राजनीतिक विरासत को भी मटियामेट करने पर तुले हैं। श्री कुशवाहा ने कहा कि बिहार के राजनीतिक इतिहास में तेजस्वी यादव जैसा अगंभीर, असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष आज तक नहीं हुआ। यही कारण है कि जनता उन्हें अब सीरियसली नहीं लेती।

कक्षाओं के बाहर प्रेरक स्लोगन लिखे जाएं : शिक्षा मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्रीनगर का शिक्षा मंत्री ने किया निरीक्षण

» क्लास रूम, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं का लिया जायजा

» विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचार आधारित सीख से हुए प्रभावित

पटना।शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि विद्यालयों का वातावरण ऐसा होना चाहिए जो विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों, अनुशासन और सकारात्मक सोच के लिए भी प्रेरित करे। इसके लिए सभी कक्षाओं के बाहर प्रेरक स्लोगन लिखे जाएं ताकि बच्चों को रोज नई सीख और सकारात्मक प्रेरणा मिल सके। ये बातें शिक्षा मंत्री ने मंगलवार को शास्त्रीनगर स्थित राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कहीं। पटना के जिन 10 मॉडल स्कूलों को सरस्वती विद्या निकेतन के रूप में विकसित किया गया है, उनमें यह विद्यालय भी शामिल है। 16 जुलाई को इस विद्यालय में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम है। निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री ने विद्यालय की शैक्षणिक और आधारभूत व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। उन्होंने बारी-बारी से क्लास रूम, केमिस्ट्री लैब, अटल टिंकरिंग लैब, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय सहित अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया कि छात्राओं के लिए ऐसा शैक्षणिक वातावरण तैयार किया जाए जो उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ नवाचार, वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक गतिविधियों के लिए भी प्रेरित करे। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने प्रयोगशाला में मौजूद छात्राओं से संवाद किया और उनके द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडल और उपकरणों को देखा। उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता, तकनीकी समझ और कौशल आधारित सोच की सराहना करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों में नवाचार और प्रयोग की संस्कृति विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, नए विचारों पर कार्य करने और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री तिवारी ने विद्यालय की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार मॉडल स्कूलों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक संसाधन, आधुनिक प्रयोगशालाएं और तकनीक आधारित शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक आर. सज्जन, राज्य परियोजना निदेशक प्रशांत कुमार तथा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

युवक की हत्या के आरोपी को मिली आजीवन कारावास की सजा

दानापुर। दानापुर के रहने राहुल कुमार को अगवा कर उसकी धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या करने वाले आरोपी रोहित कुमार को दानापुर व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश VI सुनील कुमार III ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। करीब चार वर्ष बाद सजा मिलने के बाद मृतक के परिजन खुशी जाहिर की है। जानकारी देते हुए एपीपी मोहम्मद कलाम अंसारी ने बताया कि विगत 10 नवंबर 2022 को मृतक की मां सोनी देवी ने स्थानीय थाने में अपने 16 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार को स्व.पप्पु यादव के पुत्र रोहित कुमार पर हत्या करने का आरोप लगाया था। आरोप में बताया गया था कि बस का शीशा तोड़ने का आरोप लगा उनके पुत्र को रोहित अपने दो तीन सहयोगियों के साथ एक निर्माणाधीन मकान से अगवा कर लिया था। अगवा करने के बाद बेरहमी से पिटाई कर उसकी धारदार हथियार से गला रेतकर एवं लिंग को क्षतिग्रस्त कर निर्मम हत्या कर डाली एवं उसके शव को धोबी टोला के एक गली में फेंक दिया था। करीब चार वर्षों तक चले मामले में मंगलवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश VI सुनील कुमार III ने रोहित कुमार को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास एवं 25000 रुपए का जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने की स्थिति में, उसे छह महीने का साधारण कारावास भुगतना होगा।

एलआईसी कर्मचारी कल्याण संघ के महामंत्री अशोक कुमार दर्जनों साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल

पटना।बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय, सदाकत आश्रम में अखिल भारतीय जीवन बीमा निगम के पिछड़ा वर्ग कर्मचारी कल्याण संघ के महामंत्री अशोक कुमार ने अपने दर्जनों साथियों के साथ बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने अशोक कुमार एवं उनके साथियों का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, संविधान और सभी वर्गों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा पर आधारित है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक एवं कर्मचारी संगठनों से जुड़े लोगों का कांग्रेस के प्रति बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि देश और प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। राजेश राम ने विश्वास व्यक्त किया कि अशोक कुमार और उनके साथियों के पार्टी में शामिल होने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। इस अवसर पर अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव , प्रेमचंद सिंह, मृणाल अनामय सहित अन्य नेता मौजूद थे।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने कौशल विकास से 9.6 लाख लोगों को किया सशक्त

पटना।विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर एचडीएफसी बैंक की सीएसआर पहल एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने बताया कि उसकी कौशल विकास और आजीविका संवर्धन पहलों से अब तक 9.6 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। इनमें 1.96 लाख से अधिक युवाओं को औपचारिक कौशल प्रशिक्षण तथा 7.6 लाख महिलाओं और किसानों को आजीविका एवं उद्यमिता से जुड़ा सहयोग प्रदान किया गया है। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के तहत स्वास्थ्य सेवा, खुदरा, लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग, आईटी और डिजिटल प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही प्रतिभागियों को डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, सॉफ्ट स्किल्स और रोजगार सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर प्रमुख नुसरत पठान ने कहा, कौशल विकास आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति का प्रभावी माध्यम है। हमारा लक्ष्य उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास, उद्यमिता सहायता और रोजगार के अवसरों के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रशिक्षण पूर्णता दर लगभग 85 प्रतिशत रही, जबकि रोजगार प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की औसत मासिक आय करीब 15,000 रुपये रही। वर्तमान में एचडीएफसी बैंक परिवर्तन देश के सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 150 से अधिक परियोजनाओं के माध्यम से कौशल विकास, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के बीच अल्ट्रावायलेट का नया ऑफर, ईवी खरीदने पर मिलेगा 30 हजार रुपये तक का लाभ

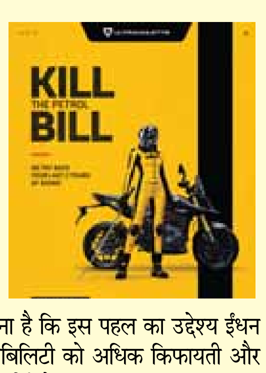

पटना। पेट्रोल की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता अल्ट्रावायलेट ने ग्राहकों को ईवी अपनाने के लिए 'किल द पेट्रोल बिल' कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत F77 या X-47 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खरीदने वाले ग्राहकों को पिछले दो वर्षों में अपने पुराने दोपहिया वाहन से तय की गई दूरी के आधार पर 30 हजार रुपये तक का कैशबैक दिया जाएगा। कंपनी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य ईंधन खर्च कम करने के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक किफायती और आकर्षक बनाना है। अल्ट्रावायलेट के सीईओ एवं सह-संस्थापक नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि यह कार्यक्रम ग्राहकों को कम रनिंग कॉस्ट, उन्नत तकनीक और बेहतर ओनरशिप अनुभव के साथ ईवी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने बताया कि कंपनी लगातार उत्पाद नवाचार और नेटवर्क विस्तार के जरिए भारत के प्रमुख ईवी ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रही है तथा अपने वाहन यूरोप के 19 देशों में भी निर्यात कर रही है।

17 वर्षों का संघर्ष: तालीमी मरकज़ और टोला सेवकों के भविष्य पर अब 'समीक्षा' नहीं 'ठोस नीति' की दरकार

पटना।बिहार सरकार द्वारा तालीमी मरकज़ और टोला सेवकों की सेवा शर्तों व भविष्य को लेकर की जा रही समीक्षा का ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ ने स्वागत किया है। संगठन के बिहार उप महासचिव गुलाम सरवर आज़ाद ने स्पष्ट किया कि अब केवल बैठकों का नहीं, बल्कि धरातल पर ठोस व ऐतिहासिक निर्णय लेने का समय है। योगदान को मिली वैश्विक सराहना श्री आज़ाद ने कहा कि ये शिक्षा सेवक पिछले 17 वर्षों से राज्य के अति-पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में रीढ़ की हड्डी साबित हुए हैं। जन-कल्याणकारी योजनाओं को ज़मीन पर उतारने में इनके इसी योगदान को यूनिसेफ (UNICEF)और ज्वाइंट रिव्यू मिशन जैसी प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने भी सराहा है। 'मार्गदर्शिका 2018' में संशोधन की मांग तंजीम-ए-इंसाफ ने कर्मियों के हो रहे शोषण और प्रशासनिक मनमानी पर चिंता जताते हुए 'मार्गदर्शिका 2018' में तत्काल मूलभूत संशोधन की मांग की है। उन्होंने कहा कि इसे व्यावहारिक और कर्मी-अनुकूल बनाना बेहद ज़रूरी है ताकि वे बिना किसी मानसिक दबाव के कार्य कर सकें। संगठन की 5 प्रमुख मांगें: सेवा का स्थायीकरण एवं भविष्य की गारंटी, महंगाई के अनुरूप सम्मानजनक मानदेय, लंबे समय से बकाया वेतन का शीघ्र भुगतान, सामाजिक सुरक्षा, अधिकारों व आत्मसम्मान की रक्षा बयान के अंत में उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह मामला केवल कुछ हज़ार कर्मियोकी आजीविका का नहीं, बल्कि बिहार के लाखों गरीब और शोषित बच्चों के भविष्य का है। संगठन ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार से उम्मीद जताई है कि वे केवल समीक्षा तक सीमित न रहकर जल्द ही एक ऐतिहासिक व कल्याणकारी नीति की घोषणा करेंगे।

जगन्नाथ महाकथा के प्रथम दिन भक्तों को सुनाई गयी भगवान की प्रकट लीला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से आयोजित होनेवाले भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा महोत्सव के पहले दिन भगवान जगन्नाथ महाकथा के पहले दिन परम भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज ने मंगलवार की कथा में भगवान जगन्नाथ की प्रकट लीला सुनाई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन ने किया। इस मौके पर प्रो नंदन ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कथा सुनने से मनुष्य को जन्म मृत्यु के पाप से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि हिन्दु धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा व उनकी महाकथा का बहुत ही महत्व है। और कहा जाता है कि रथयात्रा में रथ पर भगवान को देखने और रथ का रस्सी स्पर्श करने से मनोकामना की पूर्ति होती है। जगन्नाथ महाकथा के प्रथम दिन भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज ने बताया कि राजा इंद्रद्युम्न और भगवान जगन्नाथ के प्राकट्य की लीला अत्यंत मधुर और प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि राजा इंद्रद्युम्न, जो एक महान वैष्णव राजा थे, ने एक दिन नीलमाधव नाम से भगवान विष्णु की अद्भुत मूर्ति के बारे में सुना। कहा जाता था कि भगवान नीलमाधव घने वन में शबर (सवरा) जाति के प्रमुख विश्वावसु द्वारा गुप्त रूप से पूजे जाते थे। राजा के मन में भगवान के दर्शन की तीव्र इच्छा जागी। उन्होंने अपने ब्राह्मण मंत्री के भाई विद्यापति को नीलमाधव की खोज के लिए भेजा। बहुत खोजने के बाद विद्यापति विश्वावसु के घर पहुँचे। विश्वावसु अपनी पुत्री ललिता के आग्रह पर विद्यापति को अपने साथ ले जाने के लिए तैयार हुए, लेकिन उनकी आँखों पर पट्टी बाँध दी ताकि कोई उस स्थान का पता न लगा सके। चतुर विद्यापति ने रास्ते में सरसों के दाने गिरा दिए। बाद में उन दानों से पौधे उग आए और मार्ग का पता चल गया। उन्होंने गुफा में भगवान नीलमाधव के दिव्य दर्शन किए और लौटकर राजा इंद्रद्युम्न को सारी बात बताई। राजा स्वयं विशाल सेना और भक्तों के साथ उस स्थान पर पहुँचे। लेकिन वहाँ पहुँचने पर भगवान नीलमाधव अंतर्ध्यान हो चुके थे। राजा अत्यंत दुखी हुए। उसी समय आकाशवाणी हुई। » "हे राजन्! शोक मत करो। मैं नीलमाधव के रूप में अब दर्शन नहीं दूँगा। समय आने पर मैं दारु-ब्रह्म (दिव्य काष्ठ, लकड़ी) के रूप में प्रकट होकर तुम्हारी पूजा स्वीकार करूँगा।"राजा इंद्रद्युम्न ने वहीं रहकर कठोर तपस्या और यज्ञ किया। कुछ समय बाद समुद्र तट पर एक दिव्य काष्ठ (लकड़ी) बहकर आया, जिस पर शंख, चक्र, गदा और पद्म के दिव्य चिह्न थे। यह साधारण लकड़ी नहीं, बल्कि स्वयं भगवान का दारु-ब्रह्म स्वरूप था। तब एक वृद्ध बढ़ई के रूप में स्वयं भगवान के शिल्पी विश्वकर्मा प्रकट हुए। उन्होंने कहा, "मैं इस लकड़ी से विग्रह बनाऊँगा, लेकिन एक शर्त है, जब तक मैं भीतर काम करूँ, कोई भी दरवाजा नहीं खोलेगा।"राजा ने यह शर्त स्वीकार कर ली। कई दिनों तक भीतर से काम की आवाज आती रही, फिर अचानक सब शांत हो गया। रानी गुंडिचा को चिंता हुई कि कहीं बढ़ई के साथ कुछ अनहोनी न हो गई हो। उनके आग्रह पर राजा ने समय पूरा होने से पहले ही द्वार खुलवा दिया। जैसे ही द्वार खुला, वृद्ध बढ़ई अदृश्य हो चुके थे। वहाँ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के विग्रह विराजमान थे, लेकिन उनके हाथ-पैर पूर्ण रूप से निर्मित नहीं थे। इसके बाद ब्रह्माजी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का विधिवत प्रतिष्ठा-समारोह सम्पन्न किया। तभी से पुरुषोत्तम क्षेत्र (पुरी) में भगवान जगन्नाथ की पूजा आरंभ हुई और आगे चलकर रथयात्रा की परंपरा भी प्रसिद्ध हुई। इस मौके पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य आनंद कुमार, रक्षक गिरिधारी दास, इश्वरनाथ प्रभु, सनातन कृष्ण दास अधिकारी, अभय सुन्दर दास, सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे।

पटना में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 16 जुलाई को, हेलीकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा, 108 व्यंजनों का लगेगा महाभोग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।ओडिशा के पुरी की तर्ज पर इस वर्ष राजधानी पटना में भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आयोजन बेहद भव्य और अलौकिक होने जा रहा है। इस्कॉन मंदिर, पटना की ओर से 16 जुलाई को आयोजित होने वाली यह रथ यात्रा शहर के लिए एक मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी। इस्कॉन मंदिर के रमन मंगलम ने बताया कि भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा की 40 फीट ऊंची प्रतिमाओं को विशाल रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाएगा। यात्रा की शुरुआत 16 जुलाई को दोपहर 2:00 बजे मंदिर परिसर से होगी जो मुख्य रूप से इनकम टैक्स गोलंबर होते हुए वूमेंस कॉलेज के मार्ग से गुजरेगी और अंत में पुनः इस्कॉन मंदिर पर आकर संपन्न होगी। इस वर्ष इस आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें लगभग 4 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई गई है। इस यात्रा को विशेष बनाने के लिए कई अनोखी व्यवस्थाएं की गई हैं। भगवान जगन्नाथ को भोग लगाने के लिए व्यापक तैयारी की गई है। इस अवसर पर विशेष महाप्रसाद तैयार किया जाएगा, जिसमें 108 प्रकार के पारंपरिक व्यंजन अर्पित किए जाएंगे। यात्रा का मुख्य आकर्षण हाइड्रोलिक रथ होगा, जिससे भगवान को भोग लगाया जाएगा। यात्रा के दौरान जगह-जगह क्रेन के माध्यम से प्रभु को भोग लगाने की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, श्रद्धालुओं के उत्साह को देखते हुए रथ के पूरे मार्ग पर हेलीकॉप्टर के जरिए पुष्प वर्षा की जाएगी, जो इस यात्रा के दृश्य को अविस्मरणीय बना देगी। भारी जनसमूह को देखते हुए प्रशासन और इस्कॉन प्रबंधन ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए हैं। शहर के प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती और निगरानी बढ़ाई जाएगी। वहीं आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के भी शामिल होने की संभावना है। इस्कॉन प्रबंधन ने पटनावासियों से इस ऐतिहासिक रथ यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने और भगवान जगन्नाथ के दर्शन का लाभ उठाने की अपील की है। शहर में अभी से ही भक्ति का माहौल है और श्रद्धालु इस दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह रथ यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि यह पटना की सांस्कृतिक पहचान को भी एक नया आयाम देगी। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से पटना में 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से होगी। बताया जा रहा है कि रथयात्रा का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और श्रीराधा कुंज बिहारी मठ के संत-महात्मा व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। भगवान जगन्नाथ की इस भव्य यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। यह आयोजन बिहार की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाने वाला महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने पटना में नई शाखा खोली

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) ने पटना और दरभंगा में दो नई शाखाओं का उद्घाटन कर बिहार में अपने कारोबार की शुरुआत की है। कंपनी का उद्देश्य क्षेत्र के ग्राहकों को हाउसिंग फाइनेंस सेवाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना और घर खरीदने की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना है। नई शाखा के माध्यम से एबीएचएफएल किफायती गृह ऋण, प्रीमियम गृह ऋण, निर्माण वित्त तथा संपत्ति के बदले ऋण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। कंपनी के अनुसार, उसकी डिजिटल ऋण प्रक्रिया ग्राहकों को तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवा अनुभव प्रदान करेगी। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ पंकज गाडगिल ने कहा, बिहार हमारे लिए एक महत्वपूर्ण विकास बाजार है। मजबूत मांग और बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए हम अपनी क्षेत्रीय मौजूदगी का विस्तार कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य ग्राहकों के लिए घर खरीदने की पूरी प्रक्रिया को सरल, तेज और परेशानी-मुक्त बनाना है। शाखा के शुभारंभ के अवसर पर कंपनी 14 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष ऑफर के तहत शून्य लॉगिन फीस और 50 लाख रुपये तक के गृह ऋण की मौके पर मंजूरी की सुविधा दे रही है। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को तेज और किफायती हाउसिंग फाइनेंस उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैकट मंदिर में अरघा से जलार्पण की योजना

नई सोच एक्सप्रेस

पटना सिटी।बिहार के देवघर कहे जाने वाले खुसरूपुर के अति प्राचीन एवं प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री गौरी शंकर बैकुंठ नाथ धाम मंदिर में सावन माह में अरघा के माध्यम से जलार्पण की योजना है। भीड़ नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संधारण के लिए सुरक्षा के भारी बंदोबस्त किए गए हैं। पटना सिटी के एस डी एम और श्री गौरी शंकर बैकुंठ नाथ धाम न्यास समिति के अध्यक्ष सत्यम सहाय ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित न्यास समिति की बैठक में यह विचार व्यक्त किया। उन्होंने इसे लेकर स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार की आवश्यकता भी जताई। न्यास समिति की उपाध्यक्ष और प्रसिद्ध समाज सेविका श्रीमती सुलेखा सिंह ने इस आशय का प्रस्ताव रखा। एसडीएम श्री सहाय ने बताया कि यह व्यवस्था सावन माह में सिर्फ सोमवार को लागू रहेगा। अन्य दिन की व्यवस्था पूर्व की तरह होगा । बैठक में उपस्थित खुसरूपुर के थाना अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह को न्यास समिति के साथ मिलकर संपूर्ण मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरा लगवाने का एसडीएम में निर्देश दिया । न्यास समिति ने मंदिर की व्यापक सुरक्षा हित में कुल 45 जगह पर सीसीटीवी लगाने का निर्णय लिया है। मंदिर न्यास समिति के कोषाध्यक्ष डॉ विजय कुमार सिंह उर्फ श्याम नाथ सिंह ने मंदिर के कोष एवं आयु का दौरा प्रस्तुत किया इस बैठक में उपस्थित समिति के पूर्व कोषाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह उर्फ बचन सिंह को तत्काल नवनीत कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह को कोष का प्रभार देने का निर्देश दिया गया ।समिति के सचिव राजाराम सिंह ने मंदिर की संपूर्ण व्यवस्था के बारे में अध्यक्ष को जानकारी दी। भीड़ नियंत्रण के

» दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था

लिए विभिन्न आयाम पर व्यापक चर्चा किया गया। पूरे सावन में मंदिर में 50 पुलिस के जवान एवं सिविल डिफेंस के वार्डेन तैनात रहेंगे। आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए एस डी आर एफ को भी तैनात किया गया है इस बैठक में खुसरूपुर की बी ड़ी ओ , अंचलाधिकारी इत्यादि उपस्थित थे। समिति के सदस्य राजनंदन सिंह, भूलन पासवान राजेश कुमार, विजय कुमार तिवारी एवं महेशकांत झा ने इस बैठक में भाग लिया।

नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में मनाया गया पहला दीक्षांत समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

पटना/बिहटा । बिहार के बिहटा स्थित नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (NSMCH) में मंगलवार को एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना जब संस्थान के पहले दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 2020 बैच के 87 मेडिकल छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, संस्था के प्रबंध निदेशक कृष्ण मुरारी सिंह, प्रचार्य डॉ हरिहर दीक्षित, अस्पताल निदेशक डॉ रंजीत कुमार सिंह, सुपरिटेंडेंट डॉ उदय नारायण सिंह, डीन डॉ संजय कुमार, डॉ अरबिंद प्रसाद, डॉ अशोक शरण आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। संस्थान के निदेशकों ने मंत्री विजय कुमार सिन्हा को अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जब बिहटा में यह मेडिकल संस्थान आया, तो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए डॉक्टर बनने का सपना साकार करना आसान हो गया। अब उन्हें मेडिकल की पढ़ाई के लिए घर से दूर बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। मंत्री ने पासआउट छात्रों/डॉक्टरों को इस पवित्र पेशे के प्रति जिम्मेदारियों को निभाने की सीख देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये युवा डॉक्टर समाज की सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ेंगे और ग्रामीण इलाकों में मानवता की सेवा को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा की ज्ञान तभी सार्थक है जब वह समाज को समर्पित हो। मंत्री ने बताया कि 2014 में बिहार में केवल 6 मेडिकल कॉलेज थे। आज 12 सरकारी और 9 प्राइवेट कुल 21 मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं और 8 निर्माणाधीन हैं। एमबीबीएस की सीटें 700 से बढ़कर 2582 हो गई हैं। आयुष्मान भारत योजना से बिहार में 2.1 करोड़ परिवारों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिला। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक कृष्ण मुरारी सिंह और एमएम सिंह सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और छात्र-छात्राओं के अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दानापुर में महिलाओं को मिली अगरबत्ती निर्माण मशीन, प्रतिदिन एक हजार रुपये की कमाई का मार्ग प्रशस्त

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।दानापुर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पिछले चौदह महीनों से किए जा रहे प्रयासों के सार्थक परिणाम अब सामने आने लगे हैं। रोजगार उत्प्रेरक श्री संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि बीस हजार महिलाओं को घर बैठे रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से एक विस्तृत प्रणाली तैयार की गई है, जिस पर अब तेजी से काम हो रहा है। इस पहल के मूल में "विशुद्ध सनातनी पूजन सामग्री क्लस्टर" की परिकल्पना है। इस योजना के तहत महिलाएँ पूर्ण पवित्रता के साथ अपने ही घरों में अगरबत्ती, धूप बत्ती, रुई बत्ती, चंदन, गंधावरण जैसी विभिन्न पवित्र पूजन सामग्रियों का निर्माण करेंगी। अगरबत्ती निर्माण मशीन की खरीद के लिए कोआपरेटिव बैंक के सहयोग से प्रति महिला रुपए दो लाख आठ हजार का ऋण वितरित किया गया है। यह वित्तीय ढांचा महिलाओं के लिए अत्यधिक लाभकारी बनाया गया है।इस मशीन के माध्यम से महिलाएँ प्रतिमाह न्यूनतम रुपए तीस हजार तक की कमाई कर सकती हैं। इस ऋण की मासिक किस्त मात्र रुपए चार हजार निर्धारित की गई है, जिसे आसानी से चुकाया जा सकता है। इसी कड़ी में हाल ही में दस महिलाओं को बैंक से ऋण स्वीकृति प्राप्त हुई और उन्हें निर्माण मशीनें सौंपी गईं। प्रमुख लाभार्थियों में उसरी की फूल कुमारी, सुल्तानपुर की सुनीता कुमारी, और उसरी खुर्द की गुंजा कुमारी एवं गायत्री कुमारी शामिल हैं। उत्पादन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और महिलाओं को निर्माण प्रक्रिया से पूरी तरह अवगत कराने के लिए आशोपुर में एक विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस स्वरोजगार से जुड़ने वाली नई महिलाओं को अगरबत्ती निर्माण सिखाने के लिए नाबार्ड द्वारा सात दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रायोजित किया जा रहा है। उसरी, उसरी खुर्द एवं सुल्तानपुर में मशीन वितरण समारोह के अवसर पर कई स्थानीय व्यक्ति, बैंक अधिकारी और कॉर्पोरेट खरीदार उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख हैं: श्री सतीश जी एवं श्री अमित जी, डायरेक्टर, गया जी एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, श्री पिंटू जी हिंदुस्तान फ्रेंगरेंस, श्री सतीश जी, मैनेजर, स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, कम्यूनिटी मोबलाइजर जितेन्द्र प्रसाद, सुजय दत्ता। जो नई महिलाएँ इस व्यवसाय से जुड़कर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं और निशुल्क प्रशिक्षण का लाभ उठाना चाहती हैं, वे नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क कर सकती हैं:

फोन नंबर: 7763813590

नीट सीबीटी की तैयारी के लिए लॉन्च हुआ भारत का पहला नीट रेडी लैपटॉप

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। एसर, इंटेल और श्री चैतन्या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स की पहल इन्फिनिटी लर्न ने नीट 2027 के कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) प्रारूप को ध्यान में रखते हुए भारत का पहला नीट रेडी लैपटॉप और इंटीग्रेटेड नीट रेडी इकोसिस्टम पेश किया है। इसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल तैयारी के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराना है। यह समाधान एसर के एस्पायर सीरीज़ लैपटॉप, इंटेल प्रोसेसर और इन्फिनिटी लर्न के एआई आधारित नीट प्रिपरेशन इकोसिस्टम को एक साथ जोड़ता है। इसमें इन्फिनिटी लर्न ऐप, एआई मेंटर एआईएनए, लाइव एवं रिकॉर्डेड क्लासेस, स्टडी मटेरियल, चैप्टर-वाइज प्रैक्टिस, मॉक टेस्ट, टेस्ट सीरीज़, परफॉर्मेंस एनालिटिक्स तथा नीट सीबीटी सिमुलेशन जैसी सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं, जिससे छात्र परीक्षा जैसे माहौल में अभ्यास कर सकें। सुषमा बोप्पना, सीईओ एवं डायरेक्टर, श्री चैतन्या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स एवं फाउंडर, इन्फिनिटी लर्न ने कहा, कंप्यूटर आधारित टेस्ट में बदलाव के साथ डिजिटल तैयारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है जितनी शैक्षणिक तैयारी। एसर और इंटेल के साथ यह साझेदारी छात्रों को डिजिटल आत्मविश्वास और बेहतर तैयारी का अवसर देगी। हरीश कोहली, प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, एसर इंडिया ने कहा, इंटेल और इन्फिनिटी लर्न के साथ हमारा यह सहयोग छात्रों को तकनीक और अध्ययन सामग्री से लैस एक समग्र समाधान उपलब्ध कराता है। संतोष विश्वनाथन, वाइस प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटेल एपीजे रीजन ने कहा, इंटेल पावर्ड पीसी छात्रों को एआई आधारित लर्निंग और डिजिटल शिक्षा के लिए आवश्यक प्रदर्शन और विश्वसनीयता प्रदान करते हैं। यह समाधान फिलहाल केवल फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है, जहां पात्र ग्राहकों के लिए ईएमआई 2,500 रूपये प्रति माह से शुरू होती है। इससे देशभर के मेडिकल अभ्यर्थियों के लिए डिजिटल तैयारी और गुणवत्तापूर्ण नीट तैयारी को अधिक सुलभ बनाने का प्रयास किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

निजी अस्पतालों और जांच घरों के लिए जारी हुआ 24 घंटे का अल्टीमेटम

मोतीहारी।जिले के स्वास्थ्य विभाग ने रामगढ़वा क्षेत्र में धड़ल्ले से संचालित हो रहे निजी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी केंद्रों, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, मोतिहारी के पत्रांक 1132/DHS, दिनांक 03.07.2026 के स्पष्ट निर्देश के आलोक में, रामगढ़वा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी ने क्षेत्र के सभी निजी संस्थानों को कड़ा नोटिस जारी किया है। इस निर्देश का दायरा रामगढ़वा थाना चौक, हनुमान मंदिर चौक,भेलुवाहिया, स्टेशन रोड, पखनहिया और नरीगिर चौक सहित पूरे क्षेत्र में फैले दो दर्जन से अधिक निजी स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों पर लागू होता है, जिन्हें अब अपनी वैधता सिद्ध करने के लिए कड़े प्रशासनिक मापदंडों से गुजरना होगा।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़वा द्वारा जारी पत्रांक 277, दिनांक 11-07-2026 के माध्यम से सभी संबंधित संचालकों को एक अत्यंत सख्त निर्देश दिया गया है कि वे 24 घंटे के भीतर अपने संस्थानों से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करें। इन अनिवार्य दस्तावेजों में संस्थान का वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र, अग्निशमन सुरक्षा (फायर सेफ्टी) का अनापत्ति प्रमाण पत्र, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता का साक्ष्य, बायोवेस्ट (चिकित्सकीय कचरा) प्रबंधन के नियम और सबसे महत्वपूर्ण, सेवा प्रदाताओं एवं संचालकों की शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण पत्र शामिल हैं। प्रशासन ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित 24 घंटे की समयावधि के भीतर संबंधित अस्पताल या जांच केंद्र अपने कागजात और संतोषजनक जवाब जमा करने में विफल रहते हैं, तो बिना किसी और देरी के उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस प्रशासनिक कदम से स्थानीय चिकित्सा जगत में हड़कंप मच गया है, क्योंकि अब बिना वैध मानकों के चल रहे केंद्रों पर तालाबंदी का खतरा मंडराने लगा है।

सुगौली नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में विकास कार्यों में तेजी लाने पर जोर, वार्ड पार्षदों ने उठाए जनसमस्याओं के मुद्दे

मोतिहारी।सुगौली नगर पंचायत के सभागार में मंगलवार को नगर पंचायत बोर्ड की बैठक मुख्य पार्षद नसरीन अली की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा लंबित योजनाओं को शीघ्र पूरा कराने और नए विकास कार्यों को गति देने पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान सभी वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड की समस्याओं और आवश्यक विकास कार्यों को बैठक के समक्ष रखा।बैठक में मुख्य पार्षद नसरीन अली ने कहा कि नगर पंचायत का उद्देश्य सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।बैठक के दौरान वार्ड पार्षदों ने सड़क, नाला, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित कई मुद्दे उठाए। वार्ड पार्षद रोबिन पासवान ने अपने वार्ड संख्या-16 की समस्याओं को प्रमुखता से रखते हुए तीन स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था करने, स्ट्रीट लाइट लगाने तथा कचरा प्रबंधन को व्यवस्थित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में घरों से एकत्रित कचरा कई बार सड़क किनारे ही गिरा दिया जाता है, जिससे लोगों को परेशानी होती है और गंदगी फैलती है। उन्होंने नगर पंचायत से एक निर्धारित स्थान पर कचरा निस्तारण की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की जिस पर कार्यपालक पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने आश्वासन दिया कि नगर पंचायत द्वारा जल्द ही कचरा संग्रहण एवं निस्तारण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर आवश्यक व्यवस्था की जाएगी, ताकि सड़क किनारे कचरा फेंकने की समस्या समाप्त हो सके। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नगर पंचायत लगातार प्रयासरत है तथा विकास योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया जाएगा।बैठक में उप मुख्य पार्षद सरिता कुमारी, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सराफ, कार्यपालक पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सहित नगर पंचायत के कई वार्ड पार्षद उपस्थित रहे।

यात्रियों की सुविधा को लेकर जयनगर नई दिल्ली के बीच नई ट्रेन की मांग

» राम प्रसाद राउत ने प्रधानमंत्री व रेल मंत्री को भेजा पत्र
» यात्रियो की सुविधा के लिए शीघ्र निर्णय लेने का किया आग्रह

मधुबनी/बिहार।जयनगर नई दिल्ली के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 12561/12562 स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस के समानांतर एक क्लोन सुपरफास्ट ट्रेन का परिचालन शुरू करने की मांग तेज हो गई है। विश्व गुरु भारत सेवा संस्थान ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम प्रसाद राउत ने इस संबंध में प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री को पत्र भेजकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।पत्र में कहा गया है कि भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित जयनगर रेलवे स्टेशन मिथिलांचल और नेपाल के लाखों यात्रियों के लिए प्रमुख रेलवे स्टेशन है। जनकपुरधाम की निकटता के कारण यह धार्मिक, सांस्कृतिक तथा अंतरराष्ट्रीय आवागमन का महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार एवं अन्य कार्यों से दिल्ली सहित उत्तर भारत के विभिन्न शहरों की यात्रा करते हैं।राम प्रसाद राउत ने कहा कि वर्तमान में जयनगर से नई दिल्ली के लिए स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस ही एकमात्र सीधी सुपरफास्ट ट्रेन है। वर्षभर इस ट्रेन में अत्यधिक भीड़ रहने के कारण महीनों पहले आरक्षण कराने के बावजूद यात्रियों को प्रतीक्षा सूची का सामना करना पड़ता है। सामान्य श्रेणी के डिब्बों में भी यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब, मजदूर, छात्र-छात्राओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, मरीजों, तथा नेपाल से आने वाले यात्रियों पर पड़ता है।उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस के समानांतर क्लोन सुपरफास्ट ट्रेन का परिचालन शुरू होने से यात्रियों की भीड़ कम होगी और मिथिलांचल तथा सीमावर्ती नेपाल क्षेत्र के लाखों लोगों को सुरक्षित, सुगम एवं समयबद्ध यात्रा की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही पर्यटन, व्यापार, शिक्षा, रोजगार और क्षेत्र के सामाजिक- आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।विश्व गुरु भारत सेवा संस्थान ट्रस्ट ने केंद्र सरकार से जनहित एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है। साथ ही मिथिलांचल के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं एवं आम नागरिकों से भी इस जनहित की मांग के समर्थन में आगे आने की अपील की गई है।

वन महोत्सव पर संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण

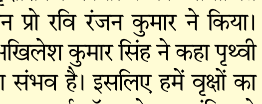

वैशाली। बीएमडी कॉलेज दयालपुर में प्राचार्य डॉक्टर तारकेश्वर पंडित की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वन महोत्सव पर संगोष्ठी व वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजित किए गए। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रो रवि रंजन कुमार ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने कहा पृथ्वी पर मानव जीवन पेड़ पौधे के कारण संभव है। इसलिए हमें वृक्षों का अधिक से अधिक रोपण करना चाहिए।प्राचार्य डॉ तारकेश्वर पंडित ने कहा कि लोग जनसंख्या बढ़ाते चले जा रहे और पेड़ काटते जा रहे जिससे प्रकृति में बहुत सारीआपदाएं आ रही हैं। पर्यावरण में संतुलन बनाने के लिए पेड़ निश्चित रूप से लगाना चाहिए। हरे पेड़ ऑक्सीजन का स्रोत हैं।हमारे रीति रिवाज भी वैज्ञानिक दृष्टि कोण से पेड़ की पूजा को सही मानते हैं।हम सब के जीवन में पेड़ का योगदान है। कार्यक्रम में डॉ सुभाष कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ जय चौधरी ने दिया। संगोष्ठी में अनेक छात्र उपस्थित हुए एवं छात्रों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विकास कार्यों को नई गति देने वाले बीडीओ विनोद आनंद को भावपूर्ण विदाई

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।सदर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी विनोद आनंद के स्थानांतरण के अवसर पर सोमवार को प्रखंड के आरसीटी भवन में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।समारोह को संबोधित करते हुए प्रखंड प्रमुख ने कहा कि विनोद आनंद ने अपने कार्यकाल में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान तथा प्रशासनिक

कार्यों में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी। इस अवसर पर जनसेवक राजनारायण प्रसाद ने कहा कि विनोद आनंद की प्रशासनिक तत्परता, निर्णय क्षमता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता ने विकास कार्यों को नई गति दी। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षक प्रकाश रमन ने अपने संबोधन में कहा कि बीडीओ विनोद आनंद का नेतृत्व, सकारात्मक सोच और कार्य के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणादायक रहेगा। कार्यक्रम में मुखिया सतेन्द्र सिंह, बीपीआरओ राजन कुमार, शिक्षक सुनील सिंह, शैलेन्द्र राम, सुनील कुमार सैनी, रवि रंजन सिंह, विकास मित्र नीरज कुमार सहित उपस्थित अन्य लोगों ने बीडीओ विनोद आनंद को अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के अंत में विनोद आनंद ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदर प्रखंड में उन्हें जो सहयोग, स्नेह और सम्मान मिला, वह उनके लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

जदयू के प्रदेश व्यावसायिक एवं उद्योग संगठन अध्यक्ष विशाल कुमार का चंपारण में प्रथम आगमन, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।जनता दल (यूनाइटेड) के बिहार प्रदेश व्यावसायिक एवं उद्योग संगठन के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष विशाल कुमार के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार चंपारण आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर स्थानीय एवं जिला स्तर के जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर जदयू नेता अश्विनी गौरव ने प्रदेश अध्यक्ष विशाल कुमार को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे चंपारण के लिए

गर्व और सम्मान की बात है कि यहां के जनप्रतिनिधि को प्रदेश स्तर पर इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि विशाल कुमार के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा व्यापारियों, उद्यमियों और युवाओं की आवाज को मजबूती के साथ सरकार और संगठन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।अश्विनी गौरव ने कहा कि विशाल कुमार के प्रदेश अध्यक्ष बनने से चंपारण की पहचान पूरे बिहार में और मजबूत हुई है। यह जिम्मेदारी क्षेत्र के लोगों के लिए भी प्रेरणादायी है और इससे संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा एवं गति मिलेगी।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की तथा संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर मोहम्मद साबिर, अजय साहू, कबीर पटेल, मनोज शराफ, रामअश्रे पासवान सहित बड़ी संख्या में जदयू के स्थानीय एवं जिला स्तरीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वीसीएसए कंप्यूटर इंस्टीट्यूट को मिला बेस्ट इंस्टीच्युशन का अवार्ड

नई सोच एक्सप्रेस

राजापाकर। पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में गाजीपुर-उफरौल चौक स्थित ज्योत्सना प्रिंसी सिंह नर्सरी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान कैंपस में स्थित वीसीएसए कंप्यूटर इंस्टीट्यूट को बेस्ट आईटी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए वीसीएसए बिहार के निदेशक मनीष कुमार द्वारा आभा सिंह को सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में उन्हें बेस्ट कंप्यूटर इंस्टीट्यूट बेस्ट प्रफॉर्मेंस आवार्ड दिया गया है। पिछले बारह वर्षों से गाजीपुर चौक स्थित वीसीएसए कंप्यूटर इंस्टीट्यूट आस-पास के क्षेत्रों में घर घर कंप्यूटर शिक्षा पहुंचाने का काम किया है। एक समय था जब कंप्यूटर शिक्षा से ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अनभिज्ञ थे उस समय आभा सिंह ने इस संस्थान को स्थापित कर हजारों बच्चें को कंप्यूटर शिक्षा का प्रशिक्षण देकर उन्हें हुनरमंद बनाया ।जिससे आज सैकड़ों युवा सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपने कैरियर मे उड़ान भर रहे है। पूर्व में वीसीएसए कंप्यूटर इंस्टीट्यूट गाजीपुर के निदेशक आभा सिंह को तत्कालीन केंद्रीय राज्य मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, तत्कालीन खेल एवं युवा मामले मंत्री शिवचन्द्र राम के अलावा आई ए एस डॉ एरणजीत कुमार सिंह, पूछंचंकनर्व सांसद डॉ अरुण कुमार ने भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित कर चुके है। कंप्यूटर शिक्षा आज के

डिजिटल और एआई युग में सभी लोगो के लिए आवश्यक हो गया है। इसके बिना आने वाले भविष्य में कोई भी अच्छा रोजगार पाना मुश्किल है। कंप्यूटर शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी का क्षेत्र आज के समय में सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। इसमें रोजगार के लिए कई विकल्प प्राप्त हो सकते है आप सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, वेब डेवलपमेंट, साइबर सुरक्षा या डेटा साइंस जैसे तकनीकी क्षेत्रों में जा सकते हैं। इसके अलावा, शिक्षण में रुचि रखने वाले प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए कंप्यूटर शिक्षक या लैब इंस्ट्रक्टर के रूप में भी कैरियर बना सकते हैं। शिक्षक अनिल कुमार ने कहा कि बारह वर्षों से यदि ये संस्थान चल रहा है तो ये सभी लोगो का भरोसा और अच्छी शिक्षा का प्रतीक है। एवं मेरे शुभ चिंतक को समर्पित है जिन्होंने पिछले बारह वर्षों से वि सी एस ए कंप्यूटर इंस संस्थान के उत्कृष्ट कार्य को सराहते हुए मुखिया संघ जिलाध्यक्ष मंजेलाल राय, युवा राजद जिलाध्यक्ष संजय पटेल, जिला पार्षद मोहित पासवान, ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजीत पंडित, शिक्षाविद् प्रितेश पटेल, पूर्व जिला पार्षद आरती राय, राजद प्रदेश सचिव तपसी प्रसाद सिंह, जदयू प्रदेश राजनैतिक सलाहकार समिति सदस्य नागेंद्र प्रसाद सिंह, राजद प्रखंड अध्यक्ष कैलाश राय, जदयू के देसरी प्रखंड अध्यक्ष विनोद सिंह, जदयू राजापाकर प्रखंड अध्यक्ष अवधेश राय, युवा समाजसेवी मुकेश पटेल, शिक्षक सुनील पटेल, छोटन सिंह आदि लोगों ने बधाई दी है।मुश्किल है। कंप्यूटर शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी का क्षेत्र आज के समय में सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। इसमें रोजगार के लिए कई विकल्प प्राप्त हो सकते है आप सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, वेब डेवलपमेंट, साइबर सुरक्षा या डेटा साइंस जैसे तकनीकी क्षेत्रों में जा सकते हैं। इसके अलावा, शिक्षण में रुचि रखने वाले प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए कंप्यूटर शिक्षक या लैब इंस्ट्रक्टर के रूप में भी कैरियर बना सकते हैं। शिक्षक अनिल कुमार ने कहा कि बारह वर्षों से यदि ये संस्थान चल रहा है तो ये सभी लोगो का भरोसा और अच्छी शिक्षा का प्रतीक है। संस्थान का प्रयास रहता है कि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले इसके लिए प्रशिक्षित टीम द्वारा बच्चोंको शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है। ये एवार्ड सभी अभिभावक बच्चे एवं मेरे शुभ चिंतक को समर्पित है जिन्होंने पिछले बारह वर्षों से वि सी एस ए कंप्यूटर इंस्टीट्यूट गाजीपुर पर भरोसा जताया।इस संस्थान में इण्टर आर्ट्स के साथ साथ नर्सरी टीचर ट्रेनिंग एन टी टी का भी प्रशिक्षण होता है जिसमें नामांकन जारी है। संस्थान के उत्कृष्ट कार्य को सराहते हुए मुखिया संघ जिलाध्यक्ष मंजेलाल राय, युवा राजद जिलाध्यक्ष संजय पटेल, जिला पार्षद मोहित पासवान, ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजीत पंडित, शिक्षाविद् प्रितेश पटेल, पूर्व जिला पार्षद आरती राय, राजद प्रदेश सचिव तपसी प्रसाद सिंह, जदयू प्रदेश राजनैतिक सलाहकार समिति सदस्य नागेंद्र प्रसाद सिंह, राजद प्रखंड अध्यक्ष कैलाश राय, जदयू के देसरी प्रखंड अध्यक्ष विनोद सिंह, जदयू राजापाकर प्रखंड अध्यक्ष अवधेश राय, युवा समाजसेवी मुकेश पटेल, शिक्षक सुनील पटेल, छोटन सिंह आदि लोगों ने बधाई दी है।

13 अगस्त तक चलेगा विशेष अभियान, हर दिन बनेंगे 125 नए राशन कार्ड

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत। राज्य सरकार के निर्देश पर हरनौत प्रखंड में नए राशन कार्ड बनाने का अभियान तेज कर दिया गया है। मंगलवार को प्रखंड सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने 13 अगस्त तक कैंप मोड में विशेष अभियान चलाकर लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड के वरीय पदाधिकारी डॉ. साकेत सुमन सौरभ ने की। इसमें बीडीओ डॉ. पंकज कुमार, सीओ रीता कुमारी, एमओ प्रिया आनंद सहित जनप्रतिनिधि, पीडीएस डीलर एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रतिदिन 125 नए राशन कार्ड का निष्पादन सुनिश्चित करने का लक्ष्य तय किया। वर्तमान में प्रखंड में 34,985 राशन कार्ड हैं, जिनके माध्यम से 1,40,240 लाभार्थी खाद्यान्न योजना का लाभ ले रहे हैं। प्रशासन ने पात्र परिवारों से आधार कार्ड, बैंक खाता और आवासीय प्रमाण पत्र के साथ पंचायत शिविर या प्रखंड कार्यालय में आवेदन करने की अपील की है। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाकर आवेदन प्राप्त, दस्तावेजों का सत्यापन और नाम जोड़ने की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए। अभियान में लापरवाही बरतने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

सरकार जल संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण पर कर रही करोड़ों खर्च, हरनौत रेल कारखाना का ट्रीटमेंट प्लांट बना सवाल

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।एक ओर केंद्र और राज्य सरकार जल संरक्षण, भूजल बचाने, प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये की योजनाएं चला रही हैं। "जल-जीवन-हरियाली", वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) और औद्योगिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण जैसी योजनाओं पर लगातार जोर दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर हरनौत स्थित रेल सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना में करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया सीवेज/एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी/ईटीपी) अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रहा है, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि डिब्बों की धुलाई, सफाई और अन्य औद्योगिक कार्यों से निकलने वाले अपशिष्ट जल का समुचित शोधन नहीं किया जा रहा। उनका कहना है कि यदि बिना उपचार के पानी का निस्तारण हो रहा है, तो इससे मिट्टी और भूजल प्रदूषित होने का खतरा बढ़ सकता है। पर्यावरण विशेषज्ञ भी मानते हैं

कि औद्योगिक अपशिष्ट जल में मौजूद तेल, ग्रीस, डिटर्जेंट, पेंट और अन्य रासायनिक तत्व बिना उपचार के जमीन में पहुंचने पर भूजल की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। विडंबना यह है कि जिस ट्रीटमेंट प्लांट का उद्देश्य पानी को शुद्ध कर दोबारा उपयोग में लाना था, वही आज निष्प्रभावी बताया जा रहा है। यदि यह प्लांट नियमित रूप से संचालित हो तो प्रतिदिन बड़ी मात्रा में पानी का पुनर्चक्रण संभव है। इससे भूजल पर दबाव कम होगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। अब सवाल उठ रहा है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी इस परियोजना का लाभ आम जनता और पर्यावरण को क्यों नहीं मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने रेल प्रशासन, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा संबंधित अधिकारियों से प्लांट की तकनीकी जांच कराने, उसकी वर्तमान स्थिति सार्वजनिक करने और यदि उसमें कोई कमी है तो उसे तत्काल दूर कर नियमित संचालन सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी अभियानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हर सरकारी परियोजना में उसका प्रभाव जमीन पर भी दिखाई देना चाहिए।

बीइंग हेल्पर फाउंडेशन एवं अमलगम बायोटेक ने एनआईटी घाट पर शुरू किया प्रोजेक्ट ब्लू इकोसिस्टम

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।गंगा नदी की स्वच्छता एवं शुद्धता बनाए रखने की दिशा में बिहार में पहली बार एक अनूठी पहल के तहत बीइंग हेल्पर फाउंडेशन एवं अमलगम बायोटेक के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को पटना स्थित एनआईटी घाट पर 'प्रोजेक्ट ब्लू इकोसिस्टम' का शुभारंभ किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों के माध्यम से गंगा में प्रदूषण को कम करना और स्वच्छता अभियान को नई दिशा देना है। परियोजना के अंतर्गत ब्लू स्ट्रीम के माध्यम से गंगा में मिलने वाले छोटे नालों के बहते पानी का इन-सीटू बायोरिमेडिएशन, ब्लू कम्पोस्ट के तहत पूजा-पाठ में प्रयुक्त फूलों एवं अन्य जैविक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से कम्पोस्ट तैयार करना तथा ब्लू क्लीन के माध्यम से दुर्गंध, मक्खियो एवं मच्छरों के नियंत्रण के लिए जैविक समाधान का प्रदर्शन किया गया।कार्यक्रम में अमलगम बायोटेक की ओर से डिजिटल मार्केटिंग लीड आदर्श पाटीदार (पुणे,

महाराष्ट्र) तकनीकी टीम के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होने बायो-एंजाइम आधारित तकनीक, उसकी कार्यप्रणाली तथा पर्यावरण संरक्षण में उसके उपयोग एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बीइंग हेल्पर फाउंडेशन के संस्थापक तथा नमामि गंगे एवं बीयूआईडीसीओ के ब्रांड एंबेसडर शुभम कुमार ने कहा कि गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने के लिए जनभागीदारी के साथ वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल तकनीको को अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होने कहा कि 'प्रोजेक्ट ब्लू इकोसिस्टम' इसी दिशा

» गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने की नई मुहिम, बिहार में शुरू हुआ प्रोजेक्ट ब्लू इकोसिस्टम

में एक प्रभावी एवं दूरगामी पहल है, जिससे गंगा संरक्षण अभियान को नई गति मिलेगी।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सेवको , पर्यावरण प्रेमियो एवं स्थानीय नागरिको ने भाग लिया और इस अभिनव पहल का स्वागत करते हुए गंगा की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सहयोग का संकल्प लिया।

हैदराबाद में जहानाबाद के रोहित ने लहराया जीत का परचम

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले के शकूराबाद निवासी रोहित कुमार ने जूनियर राष्ट्रीय रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए बिहार टीम के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम पूरे देश में रोशन किया है। हैदराबाद में आयोजित इस प्रतियोगिता में रोहित के दमदार प्रदर्शन के बाद जहानाबाद लौटने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। जहानाबाद जिला रग्बी संघ के सह सचिव प्रदीप प्रकाश ने बताया कि रोहित कुमार का चयन जूनियर राष्ट्रीय रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए बिहार टीम में हुआ था। यह प्रतियोगिता 09 से 11 जुलाई तक हैदराबाद के जीएमसी बालयोगी एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित हुई। रोहित ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए बिहार को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभायी। उन्होंने बताया कि कोच

विकास कुमार के मार्गदर्शन में रोहित लगातार मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ अभ्यास करते रहे हैं। इससे पहले भी वह कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। इस बार गोल्ड मेडल जीतकर उन्होंने एक बार फिर जहानाबाद का गौरव बढ़ाया है। रोहित के जहानाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचने पर खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मिठाई खिलाकर उनकी जीत का जश्न मनाया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस उपलब्धि पर बिहार रग्बी एसोसिएशन के सचिव डॉ.पंकज कुमार ज्योति, जहानाबाद रग्बी एसोसिएशन के अध्यक्ष सचिन कुमार, सचिव गौतम कुमार, सह सचिव प्रदीप प्रकाश, कोच विकास कुमार, प्रकाश कुमार, विक्रम कुमार, आकाश कुमार समेत कई खेल प्रेमियों ने रोहित को बधाई

» जूनियर राष्ट्रीय रग्बी में बिहार को दिलाया गोल्ड

दी। कोच विकास कुमार नेकहा कि अगर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन का सहयोग मिले तो ग्रामीण क्षेत्रों के और भी खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी आधुनिक प्रशिक्षण और खेल सामग्री से वंचित रह जाते हैं। यदि उन्हें आवश्यक सुविधाएं मिलें तो वे देश और राज्य का नाम और ऊंचा कर सकते हैं। रोहित कुमार की इस सफलता ने न सिर्फ जहानाबाद बल्कि पूरे बिहार के युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया है। उनकी उपलब्धि यह साबित करती है कि प्रतिभा को यदि सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णिम इतिहास रच सकते हैं।

विद्यालयों में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यशाला का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। मंगलवार को श्री-गणेश महावीर उच्च विद्यालय, रामगढ़वा में शिक्षा के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए 'प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग' पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रखंड के सभी मध्य विद्यालयों के पप्रधानाध्यापकों और शिक्षकों के लिए शिक्षा को अधिक रोचक और व्यवहारिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।कार्यशाला का नेतृत्व प्रखंड तकनीकी टीम के सदस्यों—मो. फैजुल्लाह, सम्मी कुमार गिरी, सोहराब आलम और शिवांगी पांडे—ने किया। विशेषज्ञों ने विस्तार से समझाया कि कैसे 'प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग' पद्धति विद्यार्थियों के भीतर तार्किक क्षमता, प्रश्न पूछने की जिज्ञासा और समस्या समाधान के कौशल को विकसित करती है। यह पद्धति रटने की बजाय सीखने

की प्रक्रिया को अनुभव आधारित और प्रभावी बनाती है।रामगढ़वा प्रखंड के विभिन्न मध्य विद्यालयों से आए प्रधान शिक्षकों और नामित शिक्षकों ने इस नवाचारपूर्ण प्रशिक्षण में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उपस्थित शिक्षकों ने इस कार्यशाला को अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए इसे कक्षा शिक्षण में मील का पत्थर करार दिया।इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में दिलीप कुमार कुशवाहा, मो. शाह आलम, राजीव कुमार,राजकुमार प्रसाद आफरीन कौशर और स्वेता कुमारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में इस पद्धति को अपने विद्यालयों में लागू करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार जेल मैनुअल में फरलो का प्रावधान जोड़ने की मांग, मुख्य सचिव को भेजा गया आग्रह पत्र

डेहरी, संवाददाता। बंदी अधिकार आंदोलन के संयोजक संतोष उपाध्याय ने बिहार जेल मैनुअल में फरलो (Furlough) का वैधानिक प्रावधान जोड़ने और उसे अधिसूचित करने की मांग करते हुए राज्य के मुख्य सचिव को आग्रह पत्र भेजा है। अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि बिहार जेल मैनुअल में पैरोल का प्रावधान तो है, लेकिन फरलो के लिए कोई अलग वैधानिक व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बताया कि फरलो आधुनिक सुधारात्मक जेल प्रशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अच्छे आचरण वाले पात्र सजायाफ्ता बंदियों को सीमित अवधि के लिए परिवार और समाज से जुड़े रहने का अवसर देना है, न कि उन्हें दंड से मुक्त करना। संतोष उपाध्याय ने कहा कि फरलो की व्यवस्था से बंदियों में अनुशासन, उत्तरदायित्व और सुधार की भावना विकसित होती है। साथ ही, सजा पूरी होने के बाद उनके समाज में पुनर्वास की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी बनती है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के मॉडल प्रिजन मैनुअल-2016 में राज्यों को पैरोल एवं फरलो संबंधी उपयुक्त नियम बनाने की अनुशंसा की गई है। देश के कई राज्यों में फरलो की व्यवस्था पहले से लागू है, जबकि बिहार में पात्र बंदियों के लिए ऐसी कोई पृथक व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। उन्होंने अपने आग्रह में संविधान के अनुच्छेद-21 का उल्लेख करते हुए कहा कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार बंदियों को भी प्राप्त है। जेल का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि अपराधियों का सुधार और उन्हें समाज का जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। ऐसे में बिहार की जेल व्यवस्था को आधुनिक सुधारात्मक सिद्धांतों के अनुरूप बनाने के लिए जेल मैनुअल में फरलो का वैधानिक प्रावधान शामिल किया जाना चाहिए।

जहानाबाद पुलिस केंद्र में पिपिंग समारोह आयोजित

27 पुलिसकर्मियों को मिली नई जिम्मेदारी

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। पुलिस केंद्र में पिपिंग समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार ने पदोन्नत पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को फीता और स्टार पहनाकर नई जिम्मेदारी सौंपी। समारोह में कुल 27 पुलिसकर्मियों को उच्च पद का प्रभार दिया गया। पिपिंग समारोह के दौरान 23 चालक सिपाहियों को चालक हवलदार, एक चालक हवलदार को चालक सहायक अवर निरीक्षक, एक चालक एएसआई को चालक पुलिस अवर निरीक्षक तथा विभागीय पदोन्नति समिति डीपीसी के माध्यम से दो पुलिसकर्मियों को हवलदार के पद का प्रभार प्रदान किया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी पदोन्नत पुलिसकर्मियों को फीता और स्टार पहनाकर सम्मानित किया तथा उन्हें पदोन्नति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पदोन्नति केवल सम्मान ही नहीं बल्कि जिम्मेदारियों में भी वृद्धि है। ऐसे में सभी कर्मी पूरी ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी नई जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि आम जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करना, सभी पुलिसकर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद सभी पदाधिकारियों को अपने कार्यों में और अधिक सक्रियता तथा दक्षता के साथ काम करना होगा। समारोह के अंत में पदोन्नत पुलिसकर्मियों ने पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वे विभाग की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

डायल-112 की समीक्षा बैठक में एसपी ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

रिस्पॉन्स टाइम बेहतर करने पर जोर

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। आम लोगों को आपातकालीन स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार की अध्यक्षता में डायल-112 की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। ग्राम प्लेक्स भवन में आयोजित इस बैठक में डायल-112 से जुड़े सभी पुलिस पदाधिकारी और कर्मी मौजूद थे। बैठक के दौरान एसपी ने रिस्पॉन्स टाइम को और बेहतर बनाने तथा प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि डायल-112 आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण आपातकालीन सेवा है। इसलिए किसी भी प्रकार की आपात सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम बिना किसी देरी के घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि रिस्पॉन्स टाइम जितना कम होगा, पुलिस के प्रति जनता का विश्वास उतना ही मजबूत होगा। बैठक के दौरान डायल-112 की सभी गाड़ियों की लोकेशन, गश्ती व्यवस्था, रिस्पॉन्स सिस्टम, संचार व्यवस्था तथा उपलब्ध लॉजिस्टिक संसाधनों की विस्तार से समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक कॉल को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करें और शिकायतकर्ताओं के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार करें। एसपी ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में डायल-112 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी पुलिसकर्मी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आपातकालीन कॉल प्राप्त होने के बाद किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक ने डायल-112 से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मियों को आम जनता को बेहतर, त्वरित और प्रभावी पुलिस सेवा उपलब्ध कराने के लिए पूरी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता हर जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर सहायता पहुंचाना और लोगों में सुरक्षा का विश्वास कायम रखना है।

राजापाकर पीएचईडी जेई ने मिनटों में की समस्या का निदान

वैशाली। प्रखंड के जाफरपट्टी पंचायत अंतर्गत अल्लीपुर मंझीपुर गांव के वार्ड संख्या चौदह में नल-जल योजना की शिकायत के मामले में मंगलवार को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के जेई ने मिनटों में समस्या का निबटारा करा दिया। ज्ञातव्य हो कि पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर चौदह में ब्रह्मस्थान से दक्षिण पूर्व पंच सदस्य चंदेश्वर सिंह के घर के निकट नल-जल का पाईप लीकेज था। स्थानीय ग्रामीण की शिकायत वार्ड सदस्य सुबोध पटेल व पैक्स सदस्य दीपा कुमारी ने विभाग के कनीय अभियंता अनामिका कुमारी से समस्या का निबटारा कराने का आग्रह किया। जेई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक घंटे से पहले विभागीय टीम को भेजकर समस्या का निदान करा दिया। जानकारी पाकर पंचायत के मुखिया सत्येंद्र नारायण सिंह, समाजसेवी शंकर पासवान, पूर्व पंचायत समिति सदस्य प्रेम कुमार सिंह, पूर्व वार्ड सदस्य शीला देवी, पैक्स सदस्य दीपा कुमारी, पूर्व वार्ड सदस्य रामनरेश सिंह आदि लोगों ने पीएचईडी जेई के कार्यों की सराहना की है।

हत्या की साजिश रच रहे तीन बदमाश गिरफ्तार, देशी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार। मधुबनी पुलिस ने सक्रिय वाहन जांच अभियान के दौरान बड़ी आपराधिक साजिश का पर्दाफाश करते हुए हत्या की योजना बना रहे तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दो देशी कट्टा, 11 जिंदा कारतूस, एक लोहे का चाकू, एक मोटरसाइकिल, दो एंड्रॉयड मोबाइल, एक कीपैड मोबाइल तथा चाभी का गुच्छा बरामद किया गया है।वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे सघन वाहन जांच अभियान के तहत 13 जुलाई की शाम झंझारपुर थाना पुलिस थाना चौक से सुखेत जाने वाली सड़क पर बेलारही कट के समीप वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध हथियार, कारतूस और अन्य सामान बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितो की पहचान रोहित कुमार (सिसवार बाजार, फुलपरास), चंदन कुमार कामत (जलसैन डुमरा, रुद्रपुर) तथा आदर्श कुमार (देवनाथपट्टी, घोघरडीहा) के रूप में हुई है।पुलिस पूछताछ में आरोपितो ने खुलासा किया कि उन्हे एक व्यक्ति की हत्या करने के लिए सुपारी दी गई थी। हत्या के एवज में कुछ राशि अग्रिम दी जा चुकी थी तथा वारदात के बाद डेढ़ लाख रुपये देने की बात तय हुई थी। जिस व्यक्ति की हत्या करनी थी, उसका फोटो मोबाइल पर भेजा जाना था। इससे पहले कि वे अपनी योजना को अंजाम दे पाते, पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपित रोहित कुमार के विरुद्ध पहले से हत्या के प्रयास सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि चंदन कुमार कामत पर भी चोरी का मामला दर्ज है। इस संबंध में झंझारपुर थाना में सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर तीनो आरोपितो को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है तथा सुपारी देने वाले अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी जारी है।

» पुलिस की सक्रियता से बड़ी वारदात टली, सुपारी लेकर हत्या की योजना का खुलासा

दरभंगा में नई शाखा के साथ आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने बिहार में किया विस्तार

ADITYA BIRLA CAPITAL
HOME LOANS

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने दरभंगा और पटना में दो नई शाखाओं का उद्घाटन कर बिहार में अपने नेटवर्क का विस्तार किया है। कंपनी का कहना है कि दरभंगा शाखा के माध्यम से क्षेत्र के ग्राहकों को हाउसिंग फाइनेंस सेवाओं तक बेहतर पहुंच उपलब्ध होगी और घर खरीदने की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। नई शाखा के जरिए एबीएचएफएल किफायती गृह ऋण, प्रीमियम गृह ऋण, निर्माण वित्त तथा संपत्ति के बदले ऋण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। कंपनी के अनुसार, उसकी डिजिटल ऋण प्रक्रिया ग्राहकों को तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवा अनुभव प्रदान करेगी। शाखा के शुभारंभ के अवसर पर कंपनी 14 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष ऑफर के तहत शून्य लॉगिन फीस और 50 लाख रुपये तक के गृह ऋण की मौके पर मंजूरी की सुविधा दे रही है। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ पंकज गाडगिल ने कहा, बिहार हमारे लिए एक महत्वपूर्ण विकास बाजार है। मजबूत मांग और बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए हम अपनी क्षेत्रीय मौजूदगी का विस्तार कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य ग्राहकों के लिए घर खरीदने की पूरी प्रक्रिया को सरल, तेज और परेशानी-मुक्त बनाना है।

महनार में स्काउट-गाइड नोडल शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

महनार (वैशाली), संवाददाता। भारत स्काउट एवं गाइड, वैशाली जिला इकाई की ओर से सोमवार को महनार अनुमंडल के उच्च एवं माध्यमिक विद्यालयों के नोडल शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जीए इंटर विद्यालय स्थित स्काउट भवन में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों को नियमित, प्रभावी और सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण, ध्वजारोहण, प्रार्थना और स्काउट-गाइड प्रतिज्ञा के साथ हुई। जिला संगठन आयुक्त ऋतुराज ने कहा कि विद्यालयों में स्काउट एवं गाइड गतिविधियों को मजबूत बनाने के लिए नोडल शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने दल गठन, पंजीकरण प्रक्रिया, सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में शिक्षकों को स्काउट-गाइड संगठन के उद्देश्य तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास में इसकी भूमिका से अवगत कराया गया। साधनसेवी प्रमोद कुमार सहनी ने वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया समझाई। प्रशिक्षण में साधनसेवी लक्ष्मी कुमारी, आरती कुमारी, सौरव कुमार, धीरज कुमार एवं नरेंद्र कुमार ने भी सहयोग किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं में जीतेंद्र नाथ, अभिषेक चंदन, ज्योति कुमारी, अमृता कुमारी, पुरुंजय पराशर, नीरज कुमार, रंजीत कुमार एवं मनीषा कुमारी सहित अन्य शामिल रहे। सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के उपरांत प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

महिला सशक्तिकरण की ओर एसएसबी जयनगर की पहल, संदीक्षा सदस्याओं को मिला ब्यूटीशियन प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार। 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल एसएसबी जयनगर द्वारा सोमवार को वाहिनी मुख्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में संदीक्षा वार्षिक कार्य योजना-2026 के तहत संदीक्षा महिला सदस्याओं के लिए ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कमांडेंट राजेंद्र कुमार, उप कमांडेंट एवं संदीक्षा अधिकारी विमल कुमार तथा उप कमांडेंट अमरनाथ गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि महिलाओं का कौशल विकास और आत्मनिर्भरता परिवार, समाज तथा राष्ट्र के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संदीक्षा के तहत आयोजित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने प्रतिभागियो से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाकर उसे अपने दैनिक जीवन और आजीविका में उपयोग करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण का संचालन आरक्षी (नाई) (महिला) सोमा दास ने किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को त्वचा एवं बालो की देखभाल, फेशियल, आधारभूत मेकअप, व्यक्तिगत साज-सज्जा तथा दैनिक सौंदर्य देखभाल से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने विभिन्न तकनीको का अभ्यास कर प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाई।कार्यक्रम में 26 संदीक्षा महिला सदस्याओं और छह महिला कार्मिकों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान 13 प्रतिभागियो ने इसकी उपयोगिता को देखते हुए प्रशिक्षण अवधि सात से दस दिनों तक बढ़ाने का अनुरोध किया। प्रतिभागियो के उत्साह को देखते हुए कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने प्रशिक्षण अवधि बढ़ाने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की, ताकि इच्छुक महिलाओ को अधिक व्यावहारिक प्रशिक्षण और कौशल विकास का अवसर मिल सके। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। एसएसबी जयनगर की यह पहल महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

» प्रतिभागियो की मांग पर प्रशिक्षण अवधि बढ़ाने की सैद्धांतिक स्वीकृति, स्वरोजगार से जोड़ने पर दिया गया जोर

जहानाबाद विधिज्ञ संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। विधिज्ञ संघ, जहानाबाद के सभागार में मंगलवार को नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राम लड्डु प्रसाद, सचिव अवधेश कुमार सहित विभिन्न पदों पर निर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने-अपने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण के साथ ही सभी पदाधिकारियों ने अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा और संघ के विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत चुनाव पदाधिकारी गिरिजा प्रसाद एवं उनके सहयोगी पदाधिकारियों ने कराई। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई और निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने में सहयोग देने वाले सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष राम लड्डु प्रसाद ने कहा कि अधिवक्ताओं का विश्वास उनके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। वे संघ की गरिमा बनाए रखते हुए अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा, न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने तथा संघ के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। वहीं, नवनिर्वाचित सचिव अवधेश कुमार ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संघ के सभी अधिवक्ताओं को साथ लेकर चलना उनकी प्राथमिकता होगी। अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान, उनके कल्याण तथा संघ को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। समारोह के दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। पूरे कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा। शपथ ग्रहण के बाद उपस्थित अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और नवगठित टीम से संघ के हित में प्रभावी कार्य करने की अपेक्षा जतायी।

विधान परिषद प्रत्याशी अभिषेक झा ने राजापाकर का भ्रमण किया

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली। प्रखंड मुख्यालय के केसीआई विद्यालय परिसर में तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव को लेकर जदयू प्रत्याशी अभिषेक झा के समर्थन में मतदाता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में शिक्षक मतदाता व एनडीए कार्यकर्ता शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए जदयू प्रत्याशी अभिषेक झा ने कहा कि पिछले चुनाव परिणाम के बाद भी उन्होंने क्षेत्र और कार्यकर्ताओं का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से इस बार मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए दिए गए लगभग 90 प्रतिशत आवेदनों का नाम सूची में शामिल हो गया है। अधिकांश का नाम सही मतदान केंद्र पर दर्ज हुआ है।इसके लिए उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर पार्टी ने पंचायतवार रणनीति तैयार की है. प्रत्येक पंचायत में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय की जा रही है।ताकि समर्थक मतदाताओं तक समय पर पहुंचा जा सके। नए मतदाताओं को उनके बूथ, क्रम संख्या और मतदान केंद्र की जानकारी फोन के माध्यम से दी जा रही है तथा जल्द ही पंचायतवार मतदाता सूची और पर्चियां भी उपलब्ध कराई जाएंगी।उन्होंने कहा कि पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर विकास और सुशासन की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर राजापाकर विधायक महेंद्र राम, जदयू जिला अध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह ,जदयू प्रखंड अध्यक्ष अवधेश राय, जदयू व्यावसायिक प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष बजरंग प्रसाद सिंह, भाजपा जिला महामंत्री शानू झा, लोजपा (आर) के प्रखंड अध्यक्ष मुकेश पटेल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय सिंह सहित एनडीए के कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री स्व. राजकुमार महासेठ की पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, श्रद्धांजलि सभा में गूंजा जनसेवा और सामाजिक एकता का संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार। राष्ट्रीय वैश्य महासभा की ओर से पटना स्थित स्काडा बिजनेस सेंटर सभागार में पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजकुमार महासेठ की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य सरकार के मंत्री, पूर्व मंत्री, विधायक, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में वैश्य समाज के लोग शामिल हुए और दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। राज्य सरकार के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि राजकुमार महासेठ विशाल व्यक्तित्व के धनी थे। वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सभी के प्रति सम्मान, स्नेह और सहयोग का भाव रखते थे। राष्ट्रीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री समीर महासेठ ने कहा कि राजकुमार महासेठ केवल उनके पिता ही नहीं, बल्कि गुरु भी थे। उन्होंने हमेशा जनहित, परोपकार और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने का संदेश दिया, जिसे आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समाजवादी नेता एवं पूर्व मंत्री रामचंद्र पूर्वे ने कहा कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के बाद राजकुमार महासेठ ने वार्ड पार्षद से लेकर विधान परिषद, विधानसभा सदस्य तथा राज्य सरकार में मंत्री के रूप में जनसेवा की और अपने सरल स्वभाव से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पी.के. चौधरी ने कहा कि राजकुमार महासेठ समाज सेवा, समर्पण और दृढ़ संकल्प के प्रतीक थे। उन्होंने वैश्य समाज को संगठित करने और सामाजिक एकता को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। वैश्य समाज चुनाव समिति के अध्यक्ष ई. सुंदर साहू ने आगामी विधानसभा चुनाव में सामाजिक एकता पर बल देते हुए वैश्य समाज से एकजुट होकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। वहीं प्रदेश युवा अध्यक्ष मंजीत आनंद साहू ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं और छात्रों के लिए राजकुमार महासेठ का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समाज सेवा प्रेरणा का स्रोत है।कार्यक्रम में ओबरा विधायक डॉ. प्रकाश चंद्रा, बांकीपुर से राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष स्मिता पूर्वे, समन्वय समिति के चेयरमैन कमल नोपानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाकिम प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद कुमार निराला सहित बिहार के विभिन्न जिलों से आए वैश्य समाज के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में दिवंगत नेता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

» पूर्व मंत्री स्व. राजकुमार महासेठ की पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, श्रद्धांजलि सभा में गूंजा जनसेवा और सामाजिक एकता का संकल्प

खाद्य आपूर्ति मंत्री अशोक चौधरी से मिले कांटी विधायक अजीत कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/मुज़फ़्फ़रपुर। राज्य के पूर्व मंत्री व कांटी विधायक अजीत कुमार ने मंगलवार को खाद्य आपूर्ति मंत्री अशोक चौधरी से मिलकर कांटी एवं मड़वन प्रखंड के राशन कार्ड से वंचित 10 हजार गरीब परिवार को नया राशन कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की। मंत्री से मुलाकात के दौरान विधायक श्री कुमार ने उन्हें बताया कि कांटी व मड़वन प्रखंड के हजारों पात्रता रखने वाले लोगों का नाम राशन कार्ड से प्रशासन के द्वारा काट दिया गया, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा की आपूर्ति विभाग के अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जिससे क्षेत्र के गरीब लोग काफी परेशान है श्री कुमार के द्वारा खाद्य आपूर्ति मंत्री को सौंप गए ज्ञापन में तत्काल पात्रता रखने वाले वैसे लोग जिनका नाम राशन कार्ड से विलोपित किया गया है, उसे पुनः जुड़वाने के साथ ही कांटी विधानसभा क्षेत्र के कांटी व मड़वन प्रखंड में 10 हजार गरीब परिवार को नया राशन कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की गई है। श्री कुमार के मांग के आलोक में मंत्री अशोक चौधरी ने शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

देवशयनी एकादशी से 4 माह तक सोते रहेंगे देवी-देवता

इस साल 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, उस दिन से चातुर्मास शुरू होगा. चातुर्मास में भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं, यह देवी और देवताओं के शयन का समय होता है, ऐसे में शुभ कार्य नहीं करते हैं तो क्या व्रत और पूजा पर भी रोक रहेगी?

चातुर्मास में व्रत और पूजा होगी या नहीं ?

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी होती है. इस दिन से चातुर्मास का प्रारंभ होता है और इस सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं. हिंदू कैलेंडर के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी से लेकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक के चार माह देवी और देवताओं का शयन काल होता है. इस वजह से इसमें कोई शुभ कार्य नहीं करते हैं. शादी, मुंडन, गृह प्रवेश, भवन निर्माण, नया काम आदि नहीं करते हैं. सवाल यह है कि देवशयनी एकादशी से देवी और देवता योग निद्रा में चले जाएंगे तो क्या व्रत, पूजा, उपवास, मंत्र जाप आदि नहीं किए जाएंगे?

देवशयनी एकादशी से व्रत, पूजा आदि पर रोक नहीं? देवशयनी एकादशी के अवसर पर जब भगवान विष्णु योग निद्रा में जाते हैं, तो उस दिन भी लोग व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा करते हैं, मंत्र जाप, आरती, रात्रि जागरण आदि किया जाता है. देवशयनी एकादशी से शुरू होने वाले चातुर्मास में व्रत, पूजा, स्नान, दान, उपवास, त्योहार आदि पर कोई रोक नहीं होती है. चातुर्मास का प्रारंभ देवशयनी एकादशी से होता है, जो आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को होती है. देवशयनी एकादशी को चातुर्मास का पहला दिन होता है. चातुर्मास में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होते हैं, इस वजह से 4 महीने तक विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, मुंडन आदि जैसे कार्य नहीं करते हैं. चातुर्मास का समापन देवउठनी एकादशी को होता है, उसके बाद से मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं. आइए जानते हैं कि चातुर्मास कब से शुरू है?

चातुर्मास 2026 का प्रारंभ वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी तिथि का प्रारंभ 24 जुलाई दिन शुक्रवार को सुबह 09:12 ए एम से होगा. यह तिथि 25 जुलाई दिन शनिवार को 11:34 ए एम तक तक रहेगी. ऐसे में उदयातिथि के आधार पर देवशयनी एकादशी 25 जुलाई को है, इसलिए चातुर्मास का प्रारंभ 25 जुलाई से होगा.

बांकीपुर उपचुनाव : उम्मीदवार बदलने के फैसले ने क्यों खड़े किए कई राजनीतिक सवाल?

आरती कुमारी

बिहार की राजनीति में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव अब केवल एक चुनावी मुकाबला नहीं रह गया है, बल्कि यह भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक कार्यप्रणाली, चुनावी रणनीति और नेतृत्व क्षमता की भी परीक्षा बन गया है। भाजपा द्वारा पहले अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) को उम्मीदवार घोषित करना, उनका नामांकन दाखिल होना और फिर अचानक "पारिवारिक कारणों" का हवाला देते हुए उनका नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को प्रत्याशी घोषित करना स्वाभाविक रूप से अनेक राजनीतिक प्रश्नों को जन्म देता है। राजनीति में उम्मीदवार बदलना कोई असंभव घटना नहीं है, लेकिन नामांकन दाखिल होने के बाद ऐसा निर्णय हमेशा असाधारण माना जाता है। यही कारण है कि इस घटनाक्रम ने राजनीतिक विश्लेषकों, विपक्षी दलों और आम मतदाताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भाजपा ने आधिकारिक तौर पर इस बदलाव का कारण अभिषेक कुमार सिन्हा के "पारिवारिक कारण" बताए हैं। पार्टी का यह स्पष्टीकरण औपचारिक रूप से स्वीकार्य है, क्योंकि अभी तक किसी अन्य कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। किंतु राजनीति में कई बार औपचारिक कारणों के पीछे चुनावी रणनीति, संगठनात्मक समीकरण और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियां भी प्रभाव डालती हैं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि इस फैसले को लेकर अनेक प्रकार की चर्चाएं और विश्लेषण सामने आएं। सबसे पहला प्रश्न उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया को लेकर उठता है। किसी भी राष्ट्रीय दल में उम्मीदवार तय करने से पहले कई स्तरों पर जांच-पड़ताल, स्थानीय फीडबैक, संगठन की राय और जीत की संभावना का आकलन किया जाता है। यदि इन सभी प्रक्रियाओं के बाद किसी उम्मीदवार को टिकट दिया गया और नामांकन भी हो गया, तो फिर अचानक बदलाव की नौबत क्यों आई? क्या प्रारंभिक जांच में कोई कमी रह गई थी, या नामांकन के बाद ऐसी नई परिस्थितियां सामने आईं जिन्होंने पार्टी नेतृत्व को अपना निर्णय बदलने के लिए विवश कर दिया? इन सवालों के उत्तर अभी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं। राजनीतिक हलकों में इस फैसले को लेकर कई तरह की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है। एक संभावना यह जताई जा रही है कि उम्मीदवार की पृष्ठभूमि से जुड़ी कुछ नई जानकारियां नामांकन के बाद सामने आई हों, जिन्हें पार्टी ने चुनावी दृष्टि से जोखिमपूर्ण माना हो। हालांकि इस संबंध में भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और न ही कोई प्रमाण सार्वजनिक हुआ है। इसलिए इसे केवल राजनीतिक अटकल या विश्लेषण के रूप में ही देखा जाना चाहिए। दूसरा पहलू स्थानीय संगठन से जुड़ा है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पटना महानगर और बांकीपुर क्षेत्र के कुछ नेताओं के बीच घोषित उम्मीदवार को लेकर पूर्ण सहमति नहीं थी। यदि ऐसा था, तो चुनाव अभियान प्रभावित होने की आशंका भी रही होगी। किसी भी चुनाव में स्थानीय संगठन की सक्रियता और एकजुटता उम्मीदवार की सफलता का महत्वपूर्ण आधार होती है। यदि संगठन के भीतर असहमति हो, तो उसका सीधा असर चुनावी प्रदर्शन पर पड़ सकता है। हालांकि इस संबंध में भी कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। तीसरा महत्वपूर्ण पहलू "विनेबिलिटी" अर्थात जीत की संभावना का है। भाजपा बांकीपुर को अपनी पारंपरिक मजबूत सीट मानती रही है। ऐसे में यदि आंतरिक सर्वेक्षणों या संगठनात्मक फीडबैक से यह संकेत मिला हो कि घोषित उम्मीदवार अपेक्षित बढ़त नहीं बना पा रहे हैं, तो अंतिम समय में बदलाव को चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। राजनीतिक दल अक्सर जीत की संभावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और कई बार अंतिम समय में कठिन निर्णय भी इसी आधार पर लिए जाते हैं। इस उपचुनाव की विशेषता यह भी है कि जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर स्वयं मैदान में हैं। उनके चुनाव लड़ने से मुकाबला सामान्य उपचुनाव की सीमा से बाहर निकलकर प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। भाजपा के लिए यह सीट केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश का माध्यम भी है। ऐसे में यदि पार्टी ने जोखिम कम करने के उद्देश्य से अधिक स्वीकार्य उम्मीदवार पर दांव लगाया हो, तो इसे चुनावी रणनीति के रूप में भी देखा जा सकता है। फिर भी यह प्रश्न बना रहता है कि यदि उम्मीदवार बदलना आवश्यक था, तो क्या यह निर्णय पहले नहीं लिया जा सकता था? नामांकन दाखिल होने के बाद उम्मीदवार बदलना संगठनात्मक तैयारी पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। किसी भी बड़े राजनीतिक दल से अपेक्षा की जाती है कि उम्मीदवार चयन से पहले सभी आवश्यक तथ्यों का गहन परीक्षण किया जाए। यदि प्रारंभिक प्रक्रिया में कोई चूक हुई, तो उसकी समीक्षा होना स्वाभाविक है। दूसरी ओर, यदि नई जानकारी बाद में सामने आई और उसके आधार पर त्वरित निर्णय लिया गया, तो इसे नुकसान सीमित करने की रणनीति भी कहा जा सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका को लेकर भी अनेक प्रकार की चर्चाएं हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम राजनीतिक चर्चाओं में लिए जा रहे हैं। लेकिन उपलब्ध सार्वजनिक तथ्यों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि उम्मीदवार परिवर्तन का निर्णय किसी एक नेता के व्यक्तिगत हस्तक्षेप से हुआ। भाजपा में उम्मीदवार चयन सामान्यतः संगठनात्मक प्रक्रिया और सामूहिक निर्णय के आधार पर होता है। इसलिए बिना प्रमाण किसी भी नेता को सीधे जिम्मेदार ठहराना तथ्यों के अनुरूप नहीं माना जा सकता। यह भी उल्लेखनीय है कि भाजपा ने इस पूरे मामले में विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं किया है। यही कारण है कि राजनीतिक चर्चाओं और अटकलों को बल मिल रहा है। यदि पार्टी स्पष्ट रूप से यह बताती कि किन परिस्थितियों में उम्मीदवार बदलने का निर्णय लिया गया, तो शायद अधिकांश सवाल स्वतः समाप्त हो जाते। लोकतांत्रिक राजनीति में पारदर्शिता संगठन की विश्वसनीयता को मजबूत करती है। विपक्ष स्वाभाविक रूप से इस घटनाक्रम को भाजपा की संगठनात्मक कमजोरी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगा। दूसरी ओर भाजपा इसे परिस्थितियों के अनुरूप लिया गया व्यावहारिक निर्णय बता सकती है। अंतिम मूल्यांकन अंततः चुनाव परिणामों से ही होगा। यदि भाजपा इस सीट पर प्रभावशाली जीत दर्ज करती है, तो उम्मीदवार बदलने का निर्णय सफल रणनीति माना जाएगा। लेकिन यदि परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहे, तो यही फैसला पार्टी के भीतर लंबे समय तक समीक्षा और आत्ममंथन का विषय बन सकता है। बांकीपुर उपचुनाव का यह घटनाक्रम एक व्यापक संदेश भी देता है कि आधुनिक राजनीति में उम्मीदवार चयन केवल लोकप्रियता का विषय नहीं रह गया है। संगठनात्मक समन्वय, स्थानीय स्वीकार्यता, जनधारणा, चुनावी गणित और संकट प्रबंधन—इन सभी पहलुओं का संतुलन आवश्यक है। किसी भी स्तर पर चूक होने पर अंतिम समय में कठिन निर्णय लेने पड़ सकते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक दलों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने निर्णयों के प्रति जनता के प्रति जवाबदेह रहें। यदि उम्मीदवार बदलने के पीछे कोई संगठनात्मक या चुनावी कारण थे, तो समय आने पर उनका स्पष्ट होना लोकतांत्रिक दृष्टि से भी आवश्यक होगा। इससे भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने में भी सहायता मिलेगी। इस समय उपलब्ध तथ्यों के आधार पर केवल इतना कहा जा सकता है कि बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार परिवर्तन एक असाधारण राजनीतिक निर्णय था। इसके पीछे क्या वास्तविक कारण रहे, इसका अंतिम निष्कर्ष अभी निकालना जल्दबाजी होगी। जब तक भाजपा स्वयं विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं करती या विश्वसनीय एवं प्रमाणित तथ्य सामने नहीं आते, तब तक सभी संभावित कारणों को केवल राजनीतिक विश्लेषण या अटकल के रूप में ही देखा जाना चाहिए। फिलहाल बांकीपुर की राजनीतिक लड़ाई केवल मतों की नहीं, बल्कि रणनीति, संगठन और नेतृत्व की परीक्षा बन चुकी है। अब सबकी निगाहें मतदान और उसके परिणाम पर टिकी हैं। यही परिणाम तय करेगा कि उम्मीदवार बदलने का निर्णय भाजपा के लिए दूरदर्शी राजनीतिक रणनीति साबित हुआ या फिर संगठनात्मक भूल के रूप में याद किया जाएगा। लोकतंत्र में अंततः सबसे बड़ा निर्णय मतदाता ही करता है और बांकीपुर की जनता का फैसला इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक उत्तर होगा।

अखिलेश से नाराज साइलेंट मुस्लिम वोटर बड़ा खतरा

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों एक बेहद खामोश लेकिन गहरा वैचारिक बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसकी धुरी समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव के इर्द-गिर्द घूम रही है। पारंपरिक रूप से 'एम-वाई' (मुस्लिम-यादव) समीकरण के दम पर सत्ता के शिखर तक पहुँचने वाली समाजवादी पार्टी की हालिया रणनीतियों को लेकर राजनीतिक गलियारों से लेकर आम जनता के बीच यह सवाल तैर रहा है कि क्या अखिलेश यादव को हिंदू वोटरों की नाराजगी का डर सताने लगा है? यह सवाल बेवजह नहीं है। पिछले कुछ समय से अखिलेश यादव और उनकी पार्टी का रुख उन मुद्दों पर बेहद नपा-तुला और रक्षात्मक रहा है, जो कभी उनके मुख्य वोट बैंक यानी मुस्लिम समुदाय से सीधे जुड़े माने जाते थे। मुस्लिम समाज के कई कार्यक्रमों से दूरी बनाना, संवेदनशील सांप्रदायिक या समुदाय-विशेष के मुद्दों पर तीखे बयानों के बजाय चुप्पी साध लेना या बेहद सामान्य प्रतिक्रिया देना, इस बात का साफ संकेत है कि पार्टी अपनी पुरानी 'मुस्लिम तुष्टिकरण' वाली छवि से पीछा छुड़ाना चाहती है। अखिलेश यादव भली-भांति जानते हैं कि उत्तर प्रदेश जैसे ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल में अगर बहुसंख्यक हिंदू समाज में यह संदेश गया कि सपा केवल एक खास वर्ग की राजनीति करती है, तो वोटों का भारी नुकसान तय है। 2014 के बाद से देश और प्रदेश की राजनीति में जो 'कम्युनल कंसोलिडेशन' यानी बहुसंख्यक वोटों का एकतरफा झुकाव भाजपा की तरफ हुआ है, उसने विपक्षी दलों को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया है। इसी का नतीजा है कि अखिलेश यादव अब अपनी छवि को सॉफ्ट हिंदुत्व और सर्वसमावेशी 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लिफाफे में लपेटकर पेश कर रहे हैं, जिसमें अल्पसंख्यक (मुस्लिम) सिर्फ एक हिस्सा हैं, न कि पूरी राजनीति का केंद्र बिंदु। इस रणनीतिक बदलाव का सीधा असर मुस्लिम समुदाय के भीतर महसूस किया जा रहा है। मुस्लिम बुद्धिजीवियों और आम वोटरों का एक बड़ा धड़ा अब खुलकर यह कहने लगा है कि समाजवादी पार्टी संकट के समय उनके साथ खड़ी नहीं दिखती। चाहे वह दंगों या विवादों के बाद की कानूनी कार्रवाइयां हों या फिर समुदाय से जुड़े अन्य भावनात्मक मुद्दे, अखिलेश यादव की सधी हुई चुप्पी ने इस पारंपरिक वोट बैंक के भीतर एक असुरक्षा और उपेक्षा का भाव भर दिया है। इसी खालीपन का फायदा उठाने के लिए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी लगातार सक्रिय हैं। ओवैसी जनसभाओं में बार-बार इस बात को दोहरा रहे हैं कि अब वह समय चला गया, जब 'अखिलेश मुख्यमंत्री बनेंगे और अब्दुल्ला दरी बिछाएगा'। ओवैसी का यह तंज सीधे तौर पर मुस्लिम समाज की उस राजनीतिक चेतना को झकझोरता है, जो खुद को सिर्फ एक 'वोट बैंक' के रूप में इस्तेमाल होते देखकर थक चुकी है। ओवैसी की यह दलील मुस्लिम युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो अब केवल भाजपा को हराने के नाम पर सपा को एकतरफा वोट देने की मजबूरी से बाहर निकलना चाहते हैं। हालांकि, ओवैसी पर अक्सर भाजपा की 'बी-टीम' होने का आरोप लगता है और उनका वोट बैंक सीमित है, लेकिन यदि वह मुस्लिम वोटों में पांच से दस प्रतिशत की भी सेंधमारी करने में कामयाब रहे, तो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के लिए सत्ता की राह बेहद मुश्किल हो जाएगी।

राजनीति की इस बिसात पर केवल ओवैसी ही अखिलेश यादव की मुश्किलें नहीं बढ़ा रहे हैं, बल्कि पर्दे के पीछे एक और बड़ा बदलाव आकार ले रहा है। मुस्लिम समुदाय का एक ऐसा धड़ा भी सामने आ रहा है, जो भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की विकासवादी नीतियों से प्रभावित नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं, जैसे- मुफ्त राशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत कार्ड का लाभ बिना किसी भेदभाव के मुस्लिम आबादी के एक बड़े हिस्से तक पहुँचा है। इस 'लाभार्थी वर्ग' के भीतर एक नया राजनीतिक दृष्टिकोण जन्म ले रहा है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलने से मुस्लिम महिलाओं और गरीब तबके में एक सुरक्षा और संतुष्टि का भाव आया है। भले ही यह वोटर सार्वजनिक रूप से या सामाजिक दबाव के कारण भाजपा का झंडा लेकर मैदान में न उतरे, लेकिन वोटिंग के दिन ईवीएम का बटन दबाते समय यह वर्ग 'साइलेंट वोटिंग' के जरिये भाजपा के पक्ष में खड़ा हो सकता है। यह सच है कि भाजपा के कोर एजेंडे और उसकी विचारधारा के कारण मुस्लिम समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा उससे दूरी बनाए रखता है, लेकिन लाभार्थियों का यह नया साइलेंट ग्रुप अगर दो से चार प्रतिशत भी भाजपा की तरफ शिफ्ट होता है, तो वह सपा के पारंपरिक गणित को पूरी तरह बिगाड़ सकता है। अखिलेश यादव की इस नई रणनीति को राजनीतिक विश्लेषक एक सोची-समझी मजबूरी मानते हैं। अखिलेश जानते हैं कि केवल मुस्लिम और यादव वोटों के सहारे उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बनाई जा सकती। उन्हें गैर-यादव ओबीसी और सवर्णों के एक हिस्से का समर्थन हर हाल में चाहिए। यही कारण है कि वह खुद को एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जो सभी वर्गों की बात करता है। वह मंदिरों के चक्कर लगाते हैं, हिंदू त्योहारों की शुभकामनाएं प्रमुखता से देते हैं, लेकिन साथ ही मुस्लिम मंचों पर जाने से कतराते हैं, ताकि बहुसंख्यक समाज में कोई गलत संदेश न जाए। लेकिन इस 'संतुलन बनाने की कला' में वह एक पतली रस्सी पर चल रहे हैं। यदि मुस्लिम वोटरों को यह यकीन हो गया कि समाजवादी पार्टी उन्हें केवल टेकन फॉर ग्रांटेड (यानी सुरक्षित मानकर उपेक्षित) ले रही है, तो वे अन्य विकल्पों की तलाश तेज कर देंगे। कांग्रेस का राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होना और बसपा का अपना वजूद बचाने की लड़ाई लड़ना भी मुस्लिम वोटों के बिखराव का कारण बन सकता है। ऐसे में, यदि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मुस्लिम वोटों का बिखराव ओवैसी, कांग्रेस और भाजपा के साइलेंट वोटर्स के रूप में हो गया, तो समाजवादी पार्टी को भारी राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है और अखिलेश यादव की 'हिंदू नाराजगी से बचने' की यह कवायद उनके अपने ही सबसे मजबूत किले को ढहाने का कारण बन सकती है।

मेष राशिः आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और मेहनत का पूरा फल मिलेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है।परिवार व रिश्तेः भाई-बहनों के साथ बातचीत बहुत फलदायी रहेगी और घर में किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है। अपनी जरूरी व्यावसायिक योजनाओं को अभी गुप्त रखें।

वृषभ राशिः भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी में प्रमोशन के संकेत हैं और व्यापार में धन लाभ के नए अवसर मिलेंगे। परिवार व रिश्तेः परिवार में खुशियां और धन दोनों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। सलाहः किसी भी तरह के विवादों और फालतू के खर्चों से दूर रहें।

मिथुन राशि : आमदनी के नए स्रोत खुलेंगे। व्यापारिक स्थिति अच्छी रहेगी और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।स्वास्थ्यः पिछले कुछ दिनों से चल रहा मानसिक तनाव या सिर का भारीपन आज कम होगा। सलाहः प्रेम और संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

कर्क राशिः आपके लिए अपनी प्राथमिकताओं को तय करने और नए लक्ष्य बनाने का बेहतरीन समय है।परिवार व रिश्तेः आज का दिन आत्मचिंतन के लिए बहुत शुभ है। शाम तक कोई अच्छी खबर मिल सकती है। सलाहः आज चंद्रमा आपकी ही राशि में प्रवेश करेगा, इसलिए खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दें।

सिंह राशि : आज का दिन लाभ कमाने के लिहाज से कल से बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार हो सकता है।परिवार व रिश्तेः पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, जो भविष्य के किसी काम में मददगार साबित हो सकती है। सलाहः सुख-सुविधाओं पर धन खर्च अधिक हो सकता है, बजट का ध्यान रखें।

कन्या राशिः करियर के मामले में आज बड़ी राहत मिलेगी। नौकरी में पदोन्नति या कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।परिवार व रिश्तेः मित्रों और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे अटके हुए काम पूरे होंगे।सलाहः पेट या पाचन से जुड़ी हल्की तकलीफ हो सकती है, इसलिए आज हल्का भोजन करें।

तुला राशि : भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। पढ़ाई और करियर दोनों में संतुलित प्रगति होगी। धन लाभ के मौके मिलेंगे।परिवार व रिश्तेः रिश्तों में अपनापन और भावनात्मक नजदीकी बढ़ेगी। परिवार की पुरानी परेशानियां दूर होंगी। सलाहः मंगल की स्थिति के कारण स्वभाव में चिड़चिड़ापन आ सकता है, वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशिः पैसों और बचत के मामले में दिन बहुत मजबूत है। आपके रुके हुए या छुपे हुए मामले आज सुलझ सकते हैं। परिवार व रिश्तेः लव बर्ड्स के लिए आज का दिन यादगार और सुखद रहेगा।सलाहः अधिक यात्रा करने या जरूरत से ज्यादा काम करने से बचें, सेहत पर असर पड़ सकता है।

धनु राशि : व्यापार में तरक्की के नए मौके मिलेंगे। रुके हुए और उलझे हुए काम आज सुलझने लगेंगे ।परिवार व रिश्तेः जीवनसाथी के साथ चल रहे मतभेद आज शांति से सुलझेंगे और रिश्ते में ताजगी आएगी।सलाहः आज गुस्सा करने और बेवजह की बहस में उलझने से बचें।

मकर राशि : साझेदारी के कामों में बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से करियर में प्रगति होगी।परिवार व रिश्तेः जीवनसाथी और परिवार का पूरा साथ मिलेगा, जिससे घर में सुख-शांति बनी रहेगी।सलाहः आर्थिक मामलों में जल्दबाजी में बड़ा फैसला करने से बचें।

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी और मेहनत का उचित इनाम मिलेगा। व्यापार में धन की स्थिति बेहतर होगी।परिवार व रिश्तेः माता के स्वास्थ्य में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। मन की उलझनें सुलझेंगी।सलाहः काम के दबाव के कारण थोड़ी थकान महसूस हो सकती है, समय पर आराम करें।

मीन राशिः विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद शुभ है। व्यापार में निवेश करने से भविष्य में बड़ा फायदा होगा। परिवार व रिश्तेः संतान पक्ष से कोई बहुत अच्छी खबर मिल सकती है। वाहन या किसी भौतिक सुख की प्राप्ति के योग हैं। सलाहः गाड़ी चलाते समय गति पर नियंत्रण रखें और जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

अंतःकरण, राजनीति, युद्ध और उम्मीद के बीच मनुष्य

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

मनुष्य का जीवन जितना बाहर दिखाई देता है, उससे कहीं अधिक भीतर घटित होता है। हम में से प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर दो संसार लेकर चलता है। पहला संसार वह है जो दुनिया की नजरों में स्पष्ट दिखाई देता है। यही वह संसार है जहाँ हमारा नाम, काम, परिवार, सामाजिक पहचान, सफलता, असफलता, पद, प्रतिष्ठा और उपलब्धियाँ दर्ज होती है। लोग हमें इन्हीं मानकों से पहचानते हैं और हमारे व्यक्तित्व का मूल्यांकन भी प्रायः इन्हीं आधारों पर करते हैं। लेकिन इसके समानांतर एक दूसरा संसार भी होता है, जो पूरी तरह अदृश्य है। वहाँ कोई दर्शक नहीं होता है, कोई तालियाँ नहीं बजती, कोई आलोचना नहीं करता और कोई प्रशंसा भी नहीं करता। उस संसार में केवल हमारा अंतःकरण, हमारे विचार, हमारे मौन, हमारे डर, हमारी उम्मीदें, हमारी असफलताओं का दर्द और भविष्य के प्रति हमारी बेचैनियाँ रहती हैं। यही वह संसार है जहाँ मनुष्य स्वयं से सबसे कठिन प्रश्न पूछता है और उन्हीं प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास भी करता है। जीवन की अधिकांश लड़ाइयाँ बाहर नहीं, भीतर लड़ी जाती हैं। परिस्थितियों के थपेड़े, रिश्तों की जटिलताएँ, आर्थिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और समय की कठोर परीक्षाएँ हमारे मन के भीतर अनेक भावों को दबा देती हैं। कई बार हम मुस्कुराते हुए दिखाई देते हैं, जबकि भीतर अनगिनत तूफान चल रहे होते हैं। यही वह अदृश्य संघर्ष है जिसे दुनिया शायद ही कभी देख पाती है। आज के समय में व्यक्ति के इस आंतरिक संसार और बाहरी दुनिया के बीच का विरोधाभास और भी स्पष्ट दिखाई देता है। एक ओर लोग अपने निजी जीवन की चुनौतियों से जूझ रहे हैं, तो दूसरी ओर देश और दुनिया की घटनाएँ उनकी चिंताओं को और गहरा कर रही हैं। ऐसा लगता है मानो हर दिशा से अनिश्चितताओं का एक नया दौर दस्तक दे रहा हो। मनुष्य का अंतःकरण सदैव सत्य की ओर संकेत करता है। यह वही शक्ति है जो कठिन परिस्थितियों में भी सही और गलत का अंतर बताती है। लेकिन आज का समय इतना तेज, प्रतिस्पर्धी और तनावपूर्ण हो गया है कि लोग अपने भीतर की आवाज को सुनने के लिए भी समय नहीं निकाल पा रहे हैं। सोशल मीडिया, तेज़ खबरों का दौर, चौबीस घंटे चलने वाले समाचार चैनल, राजनीतिक बहसें, आर्थिक असुरक्षा और भविष्य की अनिश्चितता व्यक्ति के भीतर लगातार मानसिक दबाव उत्पन्न कर रही हैं। ऐसे समय में व्यक्ति का दूसरा संसार और अधिक संवेदनशील हो जाता है। हर व्यक्ति किसी न किसी प्रकार की चिंता लेकर चल रहा है। कोई रोजगार को लेकर परेशान है, कोई बच्चों के भविष्य को लेकर, कोई स्वास्थ्य को लेकर, तो कोई रिश्तों की टूटती गर्माहट को लेकर। बाहर से सब सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर हर व्यक्ति अपने-अपने संघर्षों से गुजर रहा होता है। वर्तमान समय व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियाँ ही नहीं है, बल्कि राजनीतिक हलचलों के कारण भी महत्वपूर्ण बन गया है। देश के तीन राज्यों में उपचुनाव की प्रक्रिया अपने निर्णायक चरण में पहुँच रही है। इन उपचुनावों में बिहार की एक सीट भी शामिल है, जिसने राजनीतिक वातावरण को असाधारण रूप से गर्म कर दिया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, लेकिन यह केवल मतों का संघर्ष नहीं होता है। इसके पीछे समाज की मनोदशा, जनभावनाएँ, स्थानीय समीकरण, विकास की अपेक्षाएँ और राजनीतिक विश्वास का पूरा इतिहास छिपा होता है। यही कारण है कि कई बार एक अकेली सीट भी पूरे प्रदेश की राजनीति का संकेत बन जाती है। बिहार की इस सीट को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक सक्रियता दिखाई दे रही है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र में कोई भी चुनाव छोटा नहीं होता है। राजनीतिक दल अपनी पूरी शक्ति झोंक रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि परिणाम केवल एक सीट का नहीं, बल्कि आने वाले व्यापक राजनीतिक संदेश का भी होगा। पटना की राजनीति हमेशा से बिहार की राजनीति का केंद्र रही है। राजधानी का राजनीतिक तापमान पूरे प्रदेश की दिशा का संकेत देता है। वर्तमान समय में बांकीपुर क्षेत्र की राजनीतिक गतिविधियाँ विशेष चर्चा का विषय बनी हुई हैं। ऐसा माना जाता रहा है कि यह क्षेत्र एक विशेष राजनीतिक दल का मजबूत आधार है। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि जनता का मन कभी पूरी तरह पढ़ा नहीं जा सकता। राजनीतिक दल चाहे जितने आश्वस्त दिखाई दें, अंतिम निर्णय मतदाता के अंतःकरण में ही सुरक्षित रहता है। बांकीपुर के मतदाताओं के भीतर भी अनेक प्रश्न चल रहे हैं। विकास, स्थानीय समस्याएँ, नेतृत्व की विश्वसनीयता, भविष्य की योजनाएँ और राजनीतिक विश्वास, इन सभी मुद्दों के बीच मतदाता अपने विवेक से निर्णय लेने की तैयारी करता है। यही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है। मतदाता का मौन अक्सर राजनीतिक विश्लेषकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। चुनावी सभाएँ, सोशल मीडिया अभियान, सर्वेक्षण और राजनीतिक बयानबाज़ी अपनी जगह हैं, लेकिन मतदान केंद्र तक पहुँचने वाला मतदाता अंततः अपने अंतःकरण के अनुसार ही निर्णय करता है। यही कारण है कि लोकतंत्र में जनता को सर्वोच्च माना गया है। सत्ता बदल सकती है, चेहरे बदल सकते हैं, नारे बदल सकते हैं, लेकिन मतदाता का विवेक लोकतंत्र की आत्मा बना रहता है। जब देश के भीतर राजनीतिक हलचलें तेज हैं, उसी समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिडिल ईस्ट एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बना हुआ है। इस क्षेत्र में लगातार बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय समस्या नहीं है। आधुनिक वैश्विक व्यवस्था में किसी भी बड़े संघर्ष का प्रभाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार, कच्चे तेल की आपूर्ति, वित्तीय बाजार और आम नागरिक की जेब, सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक प्रभावित रहता है और सैन्य तनाव बढ़ता है, तो इसका प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया में ईंधन की कीमतों, परिवहन लागत और महँगाई पर इसका असर दिखाई दे सकता है। हर वैश्विक संकट का सबसे अधिक प्रभाव अक्सर मध्यवर्ग पर पड़ता है। यह वर्ग न तो अत्यधिक संसाधनों से सम्पन्न होता है और न ही पूरी तरह सरकारी सहायता पर निर्भर रह सकता है। महँगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना पहले से ही कठिन होता है। यदि अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण पेट्रोलियम उत्पाद महँगे होते हैं, परिवहन लागत बढ़ती है और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें ऊपर जाती हैं, तो सबसे पहले मध्यवर्ग के घरेलू बजट पर दबाव बढ़ता है। ऐसे में उसके भीतर का दूसरा संसार फिर चिंता, संशय और भविष्य की आशंकाओं से भरने लगता है। युद्ध केवल सैनिकों के बीच नहीं लड़ा जाता है। उसका प्रभाव सीमाओं से बहुत दूर तक पहुँचता है। एक देश में गिरने वाला बम दूसरे देश के नागरिक की रसोई तक असर डाल सकता है। यही वैश्वीकरण की वास्तविकता है। ऊर्जा संकट, आपूर्ति शृंखला में बाधा, व्यापारिक अस्थिरता और वित्तीय बाजारों की उथल-पुथल अंततः सामान्य नागरिक के जीवन को प्रभावित करती है। इसलिए विश्व शांति केवल आदर्श नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक आवश्यकता भी है। जब बाहर की दुनिया लगातार अनिश्चित होती जाए, तब व्यक्ति अपने भीतर के संसार को कैसे सुरक्षित रखे? सबसे पहले उसे अपने विवेक को बचाना होगा। परिस्थितियाँ चाहे जितनी कठिन हों, सही निर्णय लेने की क्षमता ही मनुष्य को स्थिर रखती है। दूसरा- धैर्य। हर संकट स्थायी नहीं होता। इतिहास गवाह है कि युद्ध समाप्त हुए, आर्थिक मंदी समाप्त हुई, राजनीतिक परिवर्तन हुए और समाज फिर आगे बढ़ा। इसलिए धैर्य मनुष्य की सबसे बड़ी पूँजी है। तीसरा- संवाद। अपने प्रियजनों से बात करना, परिवार के साथ समय बिताना और भावनाओं को साझा करना मानसिक संतुलन बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। चौथा- मानवता। कठिन समय में वही समाज सबसे मजबूत बनता है जहाँ लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर चलते हैं। हर युग में संकट आए हैं। लेकिन यदि मनुष्य ने अपने सपनों को छोड़ दिया होता, तो सभ्यता कभी आगे नहीं बढ़ती। सपने केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं होते। वे समाज की प्रगति का आधार भी होते हैं। एक शिक्षक का सपना, एक किसान की आशा, एक छात्र की मेहनत, एक वैज्ञानिक का शोध, एक सैनिक का साहस और एक कलाकार की कल्पना, इन्हीं से भविष्य बनता है। इसलिए चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, अपने भीतर के उजाले को बुझने नहीं देना चाहिए। वर्तमान समय हमें यह सिखाता है कि तकनीक, शक्ति, धन और राजनीति अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अंततः मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने वाली शक्ति मानवता ही है। जब हम किसी दुखी व्यक्ति का हाथ पकड़ते हैं, किसी निराश व्यक्ति को आशा देते हैं, किसी संघर्षरत परिवार का साथ देते हैं या समाज के लिए सकारात्मक कार्य करते हैं, तब हमारा दूसरा संसार भी मजबूत होता है। मानवता केवल दान नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता का नाम है।

रांची सदर अस्पताल ने रचा इतिहास, धनबाद के मरीज की जटिल थोरैसिक डिकॉर्टिकेशन सर्जरी सफल

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। राजधानी के सदर अस्पताल ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए धनबाद के एक मरीज की अत्यंत जटिल थोरैसिक डिकॉर्टिकेशन (Thoracic Decortication) सर्जरी सफलतापूर्वक की है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यह ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और सर्जरी के दौरान ही मरीज की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। मरीज लंबे समय से क्रॉनिक एम्पायमा (Chronic Empyema) से पीड़ित था। उसके फेफड़ों के आसपास गाढ़ा मवाद और थक्के जमा हो गए थे, जिससे उसे सांस लेने में गंभीर परेशानी हो रही थी। जांच के बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों ने डिकॉर्टिकेशन सर्जरी का निर्णय लिया। ऑपरेशन के दौरान मरीज की डायग्नोस्टिक थोराकोस्कोपी और ब्रोंकोस्कोपी भी की गई। अस्पताल के अनुसार, मरीज को पहले से हृदय संबंधी बीमारियां (कार्डियक कोमोरबिडिटीज) होने के कारण रांची के कुछ निजी अस्पतालों ने सर्जरी करने से इनकार कर दिया था। जहां बड़े निजी अस्पतालों में इस सर्जरी पर लगभग 6 से 8 लाख रुपये का खर्च आता है, वहीं सदर अस्पताल में यह पूरी प्रक्रिया निःशुल्क की गई। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी का नेतृत्व ऑंकोसर्जन डॉ. अभिनव ने किया। उनके साथ सर्जन डॉ. अखिलेश, पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. सौविक, डॉ. दीपक, डॉ. आंचल तथा एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. विकास की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस सफलता में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश और सिविल सर्जन डॉ. प्रभात के मार्गदर्शन और सहयोग की भी अहम भूमिका रही। इस उपलब्धि को राज्य की सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे जटिल सर्जरी के क्षेत्र में सरकारी अस्पतालों की क्षमता और भरोसा दोनों मजबूत हुए हैं।

> » निजी अस्पतालों ने किया था मना, सरकारी अस्पताल में लाखों रुपये की सर्जरी निःशुल्क हुई

तुपुदाना दुष्कर्म कांडः भाजपा महिला मोर्चा ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, निष्पक्ष जांच की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। तुपुदाना क्षेत्र में दो नाबालिग बच्चियों के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से घटना की जानकारी ली और न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। भाजपा महिला मोर्चा ने कहा कि यह घटना अत्यंत गंभीर है और इसकी निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच होनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, परिजनों ने आरोप लगाया कि बच्ची को घर से ले जाने वाले व्यक्ति की अब तक पहचान नहीं हो सकी है तथा मामले की जांच को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई। महिला मोर्चा ने राज्य सरकार से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, सभी आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो (POCSO) सहित कड़ी कानूनी धाराओं में कार्रवाई करने, पीड़ित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या सीबीआई से कराने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और दोषियों को कठोर सजा दिलाने के लिए भाजपा महिला मोर्चा लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी। प्रतिनिधिमंडल में शोभा यादव, सीमा सिंह, शुचिता सिंह, नीलम चौधरी, बबीता वर्मा, सुप्रिया दुबे, अर्चना सिंह और सविता लिंडा सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थीं।

संक्षिप्त समाचार

सिमरियाः नो एंट्री का उल्लंघन कर ग्रामीण सड़कों पर दौड़ रहे कोयला लदे हाईवा, सीओ ने थाने में कराई प्राथमिकी दर्ज

चतरा। सीआरपीएफ जवान की मौत के बाद कोयला ढुलाई को लेकर जारी जनआक्रोश के बीच प्रशासन ने भी सख्ती बढ़ा दी है। सिमरिया अनुमंडल में नो-एंट्री के नियमों को तोड़कर ग्रामीण सड़कों से कोयला ढुलाई करने वाले 4 हाईवा के खिलाफ अंचल अधिकारी ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। सिमरिया अंचलाधिकारी गौरव कुमार राय ने 13 जुलाई की रात करीब 9:30 बजे क्षेत्र भ्रमण के दौरान एक कोयला लोड हाईवा पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट की गाड़ी संख्या जेएच 02 बीके- 5425 को नो-एंट्री का उल्लंघन करते पकड़ा। गाड़ी निर्धारित मार्ग से हटकर एदला गांव के रास्ते सिमरिया से टंडवा की ओर जा रही थी। अंचलाधिकारी और सशस्त्र बल के जवानों ने पीछा कर डाड़ी चौक के पास वाहन को पकड़ा। चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन भगाकर भागने का प्रयास कर रहा था। अंचलाधिकारी ने सिमरिया थाना प्रभारी को पत्र लिखकर वाहन खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। अंचलाधिकारी गौरव कुमार राय ने 14 जुलाई 2026 को दो अलग- अलग मामलों में कार्रवाई की है। अंचलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान दो कोयला लोड हाईवा संख्या जेएच 02 बीएम- 6260 और जेएच 02 बीएम-7352 को पकरी बरवाडीह प्रोजेक्ट की गाड़ी को नो-एंट्री तोड़ते हुए ग्राम टुटिलावा- सिमरिया मार्ग से मिशौल होते हुए सेरेनदाग की ओर जाते देखा। पीछा कर सेरेनदाग के पास दोनों वाहन पकड़े गए। अंचलाधिकारी ने टंडवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। इसी दिन अंचलाधिकारी ने पत्रांक 665 के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया को पत्र भेजकर वाहन संख्या जेएच 02 बीएल- 4409 के खिलाफ कार्रवाई की है। अंचलाधिकारी के अनुसार यह वाहन भी नो-एंट्री उल्लंघन कर टुटिलावा- सिमरिया ग्रामीण मार्ग से मिशौल की ओर जा रहा था। रोकने पर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। वाहन के कागजात जब्त कर लिए गए हैं। अंचल अधिकारी गौरव कुमार राय ने ने बताया कि सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी के आदेशानुसार सभी भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री लागू है। इसके बावजूद चालक निर्धारित मार्ग छोड़कर ग्रामीण सड़कों से तेज गति से वाहन चला रहे हैं। इससे सड़क दुर्घटना और विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की प्रबल संभावना है। साथ ही यह सरकारी आदेश का उल्लंघन और सरकारी कार्य में बाधा भी है। उन्होंने सभी चालकों के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि सिमरिया-चतरा मार्ग पर हाल ही में हुई सीआरपीएफ जवान की मौत के बाद क्षेत्र में कोयला परिवहन और नो-एंट्री को लेकर आंदोलन चल रहा है। प्रशासन की इस कार्रवाई को आंदोलनकारियों की मांगों के अनुरूप सख्ती के रूप में देखा जा रहा है।

चतरा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनिवास सिंह की गिरफ्तारी के बाद कार्यकर्ताओं में रोष

चतरा। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सन्नी वर्धन ने पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर बताए कि माइनिंग कार्यालय द्वारा लगाए गए जुर्माने का मामला हाई कोर्ट में लंबित है। इसी प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों के सत्यापन के लिए हंटरगंज अंचल कार्यालय को पत्र भेजा गया था। जांच के दौरान संबंधित विभाग ने श्रीनिवास सिंह द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों को फर्जी पाया। इसके बाद हंटरगंज थाना में उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। यह मामला अंचल कार्यालय का है सूत्रों के अनुसार, मामला हाई कोर्ट से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने कार्रवाई में तेजी दिखाई। वहीं, भाजपा जिला इकाई ने गिरफ्तारी का विरोध करते हुए एसपी को ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने आरोप लगाया कि श्रीनिवास सिंह को राजनीतिक दुर्भावना और प्रतिशोध की भावना से झूठे मुकदमे में फंसाया गया है। भाजपा ने गिरफ्तारी के दौरान हथकड़ी लगाए जाने पर भी आपत्ति जताई और पूरे मामले की वरिष्ठ स्तर पर निष्पक्ष व पारदर्शी जांच, झूठे मुकदमे वापस लेने तथा यदि मामला राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित पाया जाए तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। पार्टी ने कहा कि उसे संविधान, कानून और न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

झारखंड आंदोलनकारी दामू बानरा का निधन, सुदेश महतो ने जताया शोक

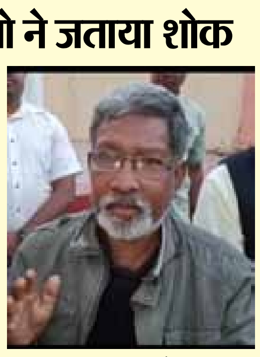

रांची। झारखंड आंदोलन के वरिष्ठ नेता एवं आजसू पार्टी के पूर्व महासचिव दामू बानरा का निधन हो गया। उनके निधन पर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे झारखंड आंदोलन, आजसू परिवार और पूरे कोल्हान क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। सुदेश महतो ने कहा कि दामू बानरा ने कोल्हान क्षेत्र में झारखंड आंदोलन को नई दिशा और धार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने पूरे जीवन में झारखंड आंदोलन और आजसू की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। विशेष रूप से युवाओं को जागरूक, संगठित और प्रेरित करने में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। वे एक दूरदर्शी चिंतक, कुशल मार्गदर्शक और समर्पित जननेता थे। उन्होंने कहा कि दामू बानरा के संघर्ष, सिद्धांतों और समाज के प्रति समर्पण को सदैव सम्मान के साथ याद किया जाएगा। दामू बानरा के निधन पर सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक निर्मल महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, महासचिव राजेंद्र मेहता सहित आजसू पार्टी के कई नेताओं ने भी गहरा शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

ऐतिहासिक सिलवार रथयात्रा मेले की तैयारियां पूरी, जुटेंगे एक लाख से अधिक श्रद्धालु

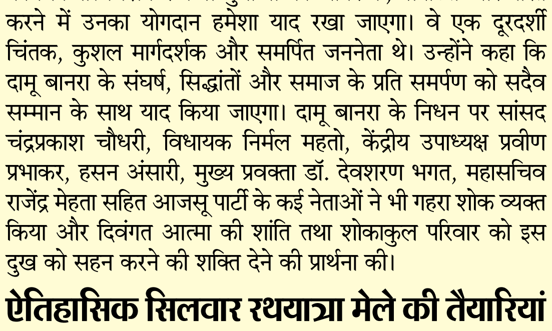

हजारीबाग। सदर प्रखंड के सिलवार स्थित ऐतिहासिक भगवान जगन्नाथ धाम में इस वर्ष रथयात्रा एवं मेला भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। जगन्नाथ धाम समिति के अध्यक्ष अभय कुमार सिंह एवं संरक्षक महेंद्र राम प्रजापति ने प्रेस वार्ता में बताया कि 16 जुलाई को शाम 7:00 बजे भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा मौसी बाड़ी के लिए प्रस्थान करेगी, जहां भगवान एक सप्ताह विश्राम के बाद 24 जुलाई को वापस लौटेंगे। इस वर्ष मेले में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है। इस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू शामिल होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद मनीष जायसवाल, विधायक प्रदीप प्रसाद, उपायुक्त हेमंत सती और एसपी अमन कुमार मौजूद रहेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीसीटीवी, मेडिकल कैंप, चलंत शौचालय व पेयजल की व्यापक व्यवस्था की जा रही है। मुख्य पुजारी विशेश्वर पांडे ने बताया कि रथ को स्पर्श करने मात्र से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। समिति और पुजारी ने झारखंड सरकार से सिलवार जगन्नाथ धाम को पर्यटन स्थल घोषित करने तथा इस आयोजन को राजकीय स्तर पर "भगवान जगन्नाथ महोत्सव" के रूप में मनाने की मांग की है।

जेपीएससी रिजल्ट में कथित गड़बड़ी के खिलाफ युवा आजसू का विरोध मार्च, जांच की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। जेपीएससी परीक्षा परिणाम में कथित गड़बड़ी के विरोध में युवा आजसू ने मंगलवार को बापू वाटिका से जेपीएससी कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। रांची महानगर अध्यक्ष अमित यादव के नेतृत्व में निकाले गए मार्च के बाद आयोग की ओर से नियुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में युवा आजसू ने जेपीएससी परीक्षा परिणाम को तत्काल स्थगित कर मामले की सीबीआई अथवा सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। संगठन ने बैकलॉग रिक्तियों के परिणामों में कथित विसंगतियों की जांच, परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई। युवा आजसू ने परिणाम जारी होने के बाद श्रेणीवार कट-ऑफ सार्वजनिक करने तथा मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए अभ्यर्थियों को कम से कम 90 दिनों का समय देने की मांग की। साथ ही परिणाम पर आयोग के सदस्यों के हस्ताक्षर नहीं होने के आरोपों पर जेपीएससी से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्थिति स्पष्ट करने को कहा। संगठन ने सोशल मीडिया पर वायरल एक अभ्यर्थी की ओएमआर शीट का हवाला देते हुए सभी संदिग्ध चयनित अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट की फॉरेंसिक जांच कराने की भी मांग की। विरोध मार्च में आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता संजय मेहता, रांची जिला उपाध्यक्ष अमित साहू, युवा आजसू के प्रदेश संयोजक प्रताप सिंह, चेतन प्रकाश, अजीत सिंह, छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव, छात्र संघ के रांची महानगर अध्यक्ष अमन साहू सहित बड़ी संख्या में अभ्यर्थी और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

DMFT फंड के 3,700 करोड़ के बावजूद खनन क्षेत्र का विकास नहीं, जांच हो : बाबूलाल मरांडी

नई सोच एक्सप्रेस

चाईबासा। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) फंड के उपयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में चाईबासा को लगभग 3,700 करोड़ रुपये मिलने के बावजूद खनन प्रभावित क्षेत्रों की तस्वीर नहीं बदली है। उन्होंने आरोप लगाया कि फंड का सही उपयोग नहीं होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। दो दिवसीय पश्चिमी सिंहभूम दौरे के दूसरे दिन सारंडा के बराबुरु में जनसभा को संबोधित करते हुए मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए DMFT फंड की व्यवस्था की गई थी, लेकिन राज्य सरकार इसके सदुपयोग में विफल रही है। उन्होंने कहा कि दो दिनों के दौरे में उन्हें क्षेत्र में विकास के कोई ठोस संकेत नहीं मिले। मरांडी ने कहा कि 25 वर्ष पहले जिन समस्याओं, विशेषकर पेयजल संकट और आयरनयुक्त पानी की शिकायतें थीं, वे आज भी बनी हुई हैं। उन्होंने DMFT फंड के खर्च की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि राशि का उपयोग केवल खनन प्रभावित लोगों के हित और क्षेत्र के विकास पर ही सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को जिला प्रशासन और राज्य सरकार के समक्ष उठाएंगे तथा विधानसभा में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से रखेंगे। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गगराई सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे।

पिपरवार के कारो गांव से राहुल दुबे गिरोह के 3 शूटर दबोचे गए कोयलांचल में बड़ी वारदात की साजिश नाकाम

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। टंडवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभात रंजन बरवार ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कोयलांचल क्षेत्रों में लेवी को लेकर दहशत फैलाने और ताबड़तोड़ फायरिंग करने की एक बड़ी साजिश को चतरा पुलिस ने नाकाम कर दिया है। टंडवा और पिपरवार पुलिस ने पिपरवार प्रखंड के कारो गांव में घेराबंदी कर कुख्यात राहुल दुबे गिरोह के तीन सक्रिय अपराधियों को रंगे हाथ दबोच लिया। गिरफ्तार शूटरों की पहचान संजय मूर्ति गोमिया बोकारो, आलोक कुमार सिंह बोकारो स्टील सिटी और अजय करमाली केरेडारी हजारीबाग के रूप में हुई है। जो अन्य जिलों से आकर यहां किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए जुटे थे। गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टंडवा के नेतृत्व में बनी विशेष टीम ने जब इन्हें दबोचा, तो इनके पास से एक देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा, छह जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल (JH08H-3055) बरामद की गई। पूछताछ में अपराधियों ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वे राहुल दुबे के सीधे निर्देश पर चतरा के आम्रपाली व पिपरवार, रामगढ़ के बरकाकाना, हजारीबाग के केरेडारी और रांची के खलारी क्षेत्र में स्थित कोयला साइडिंग्स और माइंस को निशाना बनाने वाले थे। इन सभी इलाकों में डराने के उद्देश्य से फायरिंग और आगजनी की पूरी रूपरेखा तैयार थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिपरवार थाना कांड संख्या 30/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर तीनों को जेल भेज दिया है, जबकि गिरोह के बाकी मददगारों को पकड़ने के लिए छापेमारी तेज कर दी गई है। इस छापामारी दल में शामिल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टंडवा प्रभात रंजन बरवार, टंडवा थाना प्रभारी पप्पू शर्मा पीपर थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा, पुलिस अवर निरीक्षक अभिमन्यु कुमार एवं चतरा पुलिस की तकनीकी शाखा के कर्मी एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा शोक व्यक्त किया। मंगलवार को मुख्यमंत्री अपनी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन के साथ झारखंड विधानसभा पहुंचे और दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि मन्नान मल्लिक लंबे समय तक जनसेवा और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे तथा विशेष रूप से धनबाद की जनता की आवाज को मजबूती से उठाया। उनके निधन से राज्य ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि और सामाजिक सरोकारों से जुड़े नेता को खो दिया है। यह अपूरणीय क्षति है। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री और कल्पना सोरेन ने मन्नान मल्लिक के परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। उल्लेखनीय है कि मन्नान मल्लिक पिछले कुछ समय से बीमार थे। मंगलवार सुबह रांची के एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया।

22 जुलाई को होगी बीएलओ-बीएलए-2 की अंतिम बैठक, 5 अगस्त को प्रकाशित होगी प्रारूप मतदाता सूची

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मंगलवार को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 की दूसरी बैठक आयोजित की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि 22 जुलाई को होने वाली तीसरी एवं अंतिम बैठक में एएसडीडी (डुप्लीकेट, मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और विदेशी) सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची के साथ एएसडीडी सूची का भी प्रकाशन किया जाएगा। लोहरदगा में आयोजित बैठक एवं चुनाव पाठशाला में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि वर्तमान मतदाता सूची के किसी भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम प्रारूप मतदाता सूची से नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने बीएलओ एवं बीएलए-2 को एएसडीडी सूची तैयार करते समय पूरी सावधानी बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। गैर-भारतीय नागरिक इस प्रक्रिया में भाग न लें। यदि किसी गैर-भारतीय को इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त होता है, तो वह बिना भरे और हस्ताक्षर किए उचित कारण लिखकर बीएलओ को लौटा दें। झूठी घोषणा कर फॉर्म पर हस्ताक्षर करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत दंडनीय अपराध है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि एएसडीडी सूची में डुप्लीकेट, मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित/अप्राप्य तथा विदेशी श्रेणी के मतदाताओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने लोहरदगा के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर बीएलओ, बीएलए-2 और चुनाव पाठशाला के सदस्यों से एसआईआर अभियान की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी, बीएलओ, बीएलए-2, सुपरवाइजर और स्थानीय लोग उपस्थित

पूर्व मंत्री मन्नान मलिक का निधन, कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि; आज धनबाद में राजकीय सम्मान के साथ होगा सुपुर्द-ए-खाक

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मलिक का मंगलवार सुबह रांची के पल्स अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कई महीनों से अस्वस्थ थे और उपचाराधीन थे। उनके निधन से प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई। दोपहर दो बजे उनका पार्थिव शरीर झारखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय लाया गया, जहां ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा समेत कई वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस की ओर से उनके पार्थिव शरीर पर पार्टी का झंडा ओढ़ाकर अंतिम सम्मान दिया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मन्नान मलिक का निधन कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि मलिक ने अपना पूरा सार्वजनिक जीवन जनसेवा, सामाजिक सद्भाव और कांग्रेस की विचारधारा को समर्पित किया तथा वे हमेशा कमजोर और वंचित वर्गों की आवाज बने रहे। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने उन्हें समर्पित और कर्मठ जननेता बताते हुए कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि मन्नान मलिक का जीवन सादगी, सेवा और जनहित के प्रति समर्पण का उदाहरण था। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

आज धनबाद में अंतिम संस्कारः कांग्रेस नेताओं के अनुसार मन्नान मलिक के पार्थिव शरीर को बुधवार दोपहर एक बजे धनबाद में राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नूतन छात्र अभिनंदन समारोह का किया गया आयोजन

इटखोरी।भद्रकाली इंटर महाविद्यालय, इटखोरी में सोमवार को शैक्षणिक सत्र 2026–28 के कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के छात्र-छात्राओं के लिए नए सत्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद नव नामांकित छात्र-छात्राओं पर सीनियर छात्र छात्राओं ने पुष्पवर्षा की एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य रियाजुद्दीन अहमद ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा अनुशासन के साथ नियमित अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन राजनीति शास्त्र के व्याख्याता सुशील कुमार ने किया। इस अवसर पर व्याख्याता रंजीत कुमार शर्मा, लंबोदर कुमार शर्मा, चंदन कुमार सिंह, विभा सिन्हा, पूर्णिमा कुमारी, प्रधान लिपिक श्याम किशोर प्रसाद, सहायक लिपिक मनोज कुमार पांडेय, संजय ठाकुर, सुमंत कुमार सिंह, आदेश पाल, श्याम कुमार, अशोक सिंह, संजय सिन्हा एवं ललिता देवी सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हजारीबाग में पेयजल गुणवत्ता जांच पूरी, सभी 15,529 नमूने मिले सुरक्षित

हजारीबाग। जिला उपायुक्त हेमन्त सती के निर्देशानुसार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जिले के सभी 16 प्रखंडों में पेयजल स्रोतों की व्यापक गुणवत्ता जांच का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अभियान के तहत 494 जल सहियाओं के सहयोग से कुल 15,529 पेयजल नमूनों की जांच की गई, जिसकी विस्तृत रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंप दी गई है। जांच में जल की गुणवत्ता के विभिन्न मानकों (जैसे pH, टर्बिडिटी, आयरन, फ्लोराइड, नाइट्रेट आदि) को परखा गया। रिपोर्ट के अनुसार, जिले का औसत pH 6.95, टर्बिडिटी 2.1 NTU और आयरन 0.23 mg/l दर्ज किया गया है। राहत की बात यह है कि सभी 15,529 नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए हैं और जिले में कहीं भी दूषित जल का मामला सामने नहीं आया है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन हर नागरिक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और स्रोतों की नियमित निगरानी जारी रहेगी।

वाराणसी में आयोजित 'पंच सम्मेलन' में शामिल होंगे लमटा पंचायत के मुखिया अमित चौबे

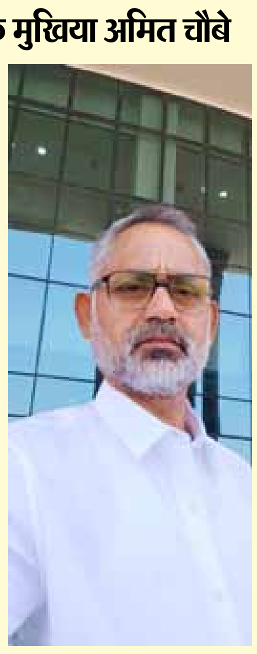

लावालौंग।प्रखंड क्षेत्र के लमटा पंचायत के मुखिया अमित चौबे का चयन उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 16 जुलाई को आयोजित होने वाले 'पंच सम्मेलन' में प्रतिभागी के रूप में किया गया है। इस संबंध में ग्रामीण विकास विभाग की ओर से विभागीय पत्र जारी किया गया है। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन अधिनियम, 2005 के तहत आयोजित जागरूकता एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के योग्य एवं सक्रिय मुखियाओं का चयन किया गया है। जारी सूची में लमटा पंचायत के मुखिया अमित चौबे का भी नाम शामिल है। सम्मेलन का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों को विकसित भारत के लक्ष्य, रोजगार सृजन, ग्रामीण आजीविका संवर्धन तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति जागरूक और उन्मुख करना है।सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से चयनित जनप्रतिनिधि भाग लेंगे, जहां वे अपने अनुभव साझा करेंगे तथा ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।मुखिया अमित चौबे के चयन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे लावालौंग प्रखंड के लिए गौरव की बात बताया है।

हजारीबाग जिला प्रशासन की कार्रवाई अवैध शराब की भारी खेप बरामद, तीन गिरफ्तार

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के बरही थाना अंतर्गत रसोइयाधमना के पास पुलिस ने अवैध शराब की एक बड़ी खेप पकड़ी है। इस कार्रवाई में एक ट्रक और एक बिना नंबर की छोटी गाड़ी के साथ भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की गई है। पुलिस को बिहार पुलिस की सीआईडी टीम से गुप्त सूचना मिली थी कि रसोइयाधमना के पास अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक ट्रक (HP72D-7889) और एक संदिग्ध छोटी गाड़ी को रोका। पुलिस ने छापेमारी में मैक्डॉवेल्स ब्रांड की कुल 1190 पेटियां अवैध शराब बरामद की हैं, जिसमें विभिन्न माप 750 मिली, 350 मिली और 180 मिली की बोतलें शामिल हैं। शराब के साथ ट्रक और बिना नंबर वाली छोटी गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है। मौके से पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। राकेश कुमार 27 वर्ष, पिता- दयाशंकर मिश्र ,खिरोधर साव उर्फ गुलाब साव 32 वर्ष, पिता- विशेश्वर साव ,सनी कुमार 28 वर्ष, पिता- स्व. बिनोद साव, पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन, सुभाष हाउस बना अंतर-हाउस बास्केटबॉल विजेता

नई सोच एक्सप्रेस

चौपारण(हज़ारीबाग)।चौपारण नवभारत जागृति केंद्र द्वारा संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में आयोजित अंतर-हाउस बालक वर्ग बास्केटबॉल चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला उत्साह और रोमांच के बीच संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने खेल प्रतिभा,अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया।फाइनल में सुभाष हाउस ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जेपी हाउस को 27–14 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।इससे पूर्व खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में सुभाष हाउस ने टैगोर हाउस को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि जेपी हाउस ने गांधी हाउस को मात देकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। फाइनल मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन सुभाष हाउस के खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल और आक्रामक खेल के दम पर जीत दर्ज की।विजेता टीम में आदर्श कुमार सिंह, मौन्टी कुमार, विशाल कुमार, विशु कुमार, आयुष कुमार, वीर कुमार, सुमित कुमार एवं बंटी कुमार का प्रदर्शन सराहनीय रहा। पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले आदर्श कुमार सिंह को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या रीना पांडे ने टॉस कर किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल को अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का माध्यम बताया तथा सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का सफल संचालन रेफरी राकेश रंजन ने किया, जबकि स्कोरर की जिम्मेदारी उमेश भगत ने निभाई। दोनों ने निष्पक्ष तरीके से मैच का संचालन किया। समापन समारोह में प्राचार्या रीना पांडे ने विजेता एवं उपविजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के छात्र बास्केटबॉल में उल्लेखनीय प्रतिभा रखते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि उचित प्रशिक्षण और लगातार अवसर मिलने पर ये खिलाड़ी भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

बदहाल सड़क से ग्रामीण और स्कूली बच्चे परेशान

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।डाढा पंचायत अंतर्गत बैरियो गांव की मुख्य सड़क की बदहाली एक बार फिर क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। करीब छह माह पहले 18 फरवरी 2026 को इस समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बावजूद अब तक न तो कोई ठोस कार्रवाई हुई और न ही सड़क निर्माण की दिशा में कोई पहल दिखी। अब लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क की स्थिति और भी खराब हो गई है, जिससे ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव की मुख्य सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर कीचड़ और जलजमाव हो जाता है। इस वजह से पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। बच्चों को स्कूल जाने, किसानों को खेतों तक पहुंचने, मरीजों को अस्पताल ले जाने और रोजमर्रा के कामों के लिए लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार लोग फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि फरवरी में जब समाचार प्रकाशित हुआ था तो उन्हें उम्मीद थी कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान करेंगे। लेकिन छह माह बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस है। बरसात शुरू होते ही सड़क की बदहाली ने उनकी मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने सांसद कालीचरण सिंह, स्थानीय विधायक जनार्दन पासवान, उपायुक्त रवि आनंद तथा राज्य सरकार से मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं है, बल्कि यह गांव के विकास की रीढ़ है। जब तक सड़क नहीं बनेगी, क्षेत्र के विकास की कल्पना अधूरी रहेगी।ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि अब सिर्फ आश्वासन से काम नहीं चलेगा। वे चाहते हैं कि संबंधित विभाग तुरंत तकनीकी सर्वे कराकर सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू करे, ताकि बरसात सहित पूरे वर्ष लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन मिल सके। गांव वासियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण को लेकर ठोस पहल नहीं हुई, तो वे लोकतांत्रिक तरीके से जनआंदोलन करने को विवश होंगे। अब बैरियो गांव की इस वर्षों पुरानी समस्या के समाधान के लिए जिले की जनता की निगाहें सांसद, विधायक, जिला प्रशासन और राज्य सरकार पर टिकी हैं।

अपराध-भ्रष्टाचार से मोह छोड़िए, तभी बिहार में भाजपा बचेगी

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यदि बिहार में भारतीय जनता पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी छोड़नी होगी। उनका कहना है कि जनता अब केवल घोषणाओं और नारों से संतुष्ट नहीं होगी, बल्कि शासन और संगठन दोनों में पारदर्शिता तथा जवाबदेही देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में सुशासन और जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलने का दावा करती है, तो उसकी झलक जमीन पर दिखाई देनी चाहिए। कानून का राज तभी स्थापित होगा जब अपराधियों के साथ-साथ भ्रष्टाचार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध भी निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई हो। डॉ. पटेल ने सुझाव दिया कि सांसदों, विधायकों और मंत्रियों को मिलने वाले विकास निधि की वर्तमान व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जाए तथा जनहित की योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भारत सरकार की सभी प्रमुख योजनाओं के लाभार्थियों की सूची प्रत्येक पंचायत और गांव में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए, ताकि आम नागरिक भी जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बैंकों को स्वीकृत ऋणों के लाभार्थियों की सूची (गोपनीय व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए) सार्वजनिक सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित करने जैसी व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है, जिससे पात्र लोगों में जागरूकता बढ़े और योजनाओं के क्रियान्वयन पर जन निगरानी भी हो सके। डॉ. पटेल ने यह भी कहा कि यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मामले में फंसाने या कानून का दुरुपयोग करने वाले पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध आरोप सिद्ध होते हैं, तो उनके खिलाफ भी कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उनका कहना था कि कानून का सम्मान तभी बढ़ेगा जब जवाबदेही सभी पर समान रूप से लागू होगी। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब केवल नारों से नहीं, बल्कि परिणामों से सरकार का मूल्यांकन करेगी। यदि सुशासन, पारदर्शिता, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और कानून के समान अनुपालन को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो राजनीतिक रूप से इसका असर भविष्य के चुनावों में दिखाई दे सकता है। इसलिए सरकार और संगठन दोनों को आत्ममंथन कर जनविश्वास मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। नीतिन नवीन जो सगंठन के बारे मे ए बी सी डी का जानकारी नहीं है उस सुंदरता पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिया गया है, इसी प्रकार प्रदेश अध्यक्ष , प्रखण्ड अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष बना दिया जो स्वयं नहीं जानता है । करोड़ों से निर्माणाधीन पूल ध्वस्त हो जाता है बावजूद तीनो अध्यक्ष भ्रष्टाचार, अपराध के विरुद्ध धरना, प्रदर्शन आदि नहीं किया होगा। तीनों अध्यक्ष नारा लगवाना, माला पहनना, फोटो खिंचवाना आदि।

जयनगर के सर्वांगीण विकास के लिए नगर परिषद का दर्जा आवश्यक

नई सोच एक्सप्रेस

» जयनगर के विकास के लिए नगर परिषद का दर्जा जरूरी : राम प्रसाद राउत

मधुबनी/बिहार।बिहार ग्राम रक्षा दल बिहार प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद राउत ने बिहार सरकार से जयनगर नगर पंचायत को शीघ्र नगर परिषद का दर्जा प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी मधुबनी द्वारा 13 जनवरी 2026 को नगर विकास एवं आवास विभाग को भेजे गए पत्र में जयनगर नगर पंचायत को नगर परिषद में उत्क्रमित करने की अनुशंसा की जा चुकी है। वही राज्य सरकार भी नगर निकायो के पुनर्गठन एवं उन्नयन की प्रक्रिया पर विचार कर रही है। ऐसे में जयनगर को नगर परिषद का दर्जा देने में अब विलंब नही होना चाहिए। राम प्रसाद राउत ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर स्थित जयनगर उत्तर बिहार का एक प्रमुख व्यापारिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक केंद्र है। लगातार बढ़ती आबादी, शहरी विस्तार और व्यापारिक गतिविधियों के कारण यहां नागरिक सुविधाओं की मांग भी तेजी से बढ़ी है। नगर परिषद का दर्जा मिलने से सड़क, नाला, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य आधारभूत सुविधाओ के विकास को नई गति मिलेगी।उन्होने मुख्यमंत्री, नगर विकास एवं आवास मंत्री, विभागीय अपर मुख्य सचिव एवं संबंधित अधिकारियो से जनहित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा कि सभी आवश्यक मापदंडो एवं जिलाधिकारी की अनुशंसा के बावजूद यदि निर्णय लंबित रहता है तो क्षेत्र की जनता में निराशा बढ़ेगी।राउत ने कहा कि जयनगर के समग्र विकास और बेहतर शहरी सुविधाओं के लिए नगर परिषद का दर्जा समय की आवश्यकता है। सरकार को जनता की वर्षो पुरानी मांग को प्राथमिकता देते हुए अविलंब इस दिशा में निर्णय लेना चाहिए। उन्होने कहा, जयनगर का अधिकार, नगर परिषद हमारा अधिकार।

रक्तांचल सीजन-3 के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे अभिनेता क्रांति प्रकाश और निकितिन धीर

नई सोच एक्सप्रेस

» 16 जुलाई से अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होगी वेब सीरीज, इस बार बदले, सत्ता और वर्चस्व की जंग होगी और भी खतरनाक

पटना।पूर्वांचल की राजनीति, अपराध और माफिया की दुनिया पर आधारित चर्चित क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'रक्तांचल सीजन-3' के प्रमोशन के सिलसिले में अभिनेता क्रांति प्रकाश झा, निकितिन धीर और निर्देशक रितम श्रीवास्तव पटना पहुंचे। होटल चाणक्या में आयोजित प्रेस वार्ता में कलाकारों ने सीरीज के नए सीजन, अपने किरदारों और बिहार से मिले प्यार को लेकर खुलकर बातचीत की। मीडिया से बातचीत करते हुए कलाकारों ने कहा कि रक्तांचल सिर्फ एक गैंगवार की कहानी नहीं, बल्कि सत्ता, राजनीति, विश्वासघात और बदले की उस मानसिकता की कहानी है, जो समय के साथ और भी खतरनाक होती चली जाती है। तीसरे सीजन में दर्शकों को पहले से कहीं अधिक रोमांच, बड़े ट्विस्ट और दमदार एक्शन देखने को मिलेगा। अभिनेता क्रांति प्रकाश झा ने कहा कि बिहार हमेशा मेरे लिए बेहद खास रहा है। यहां के दर्शकों ने 'रक्तांचल' के दोनों सीजन को भरपूर प्यार दिया। तीसरे सीजन में विजय सिंह का किरदार पहले से ज्यादा परिपक्व, आक्रामक और बदले की आग से भरा हुआ नजर आएगा। हमें पूरा विश्वास है कि यह सीजन दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।" उन्होंने कहा कि पटना आकर प्रमोशन करना उनके लिए घर लौटने जैसा अनुभव है और बिहार के दर्शकों का उत्साह हमेशा उन्हें नई ऊर्जा देता है। अभिनेता निकितिन धीर ने कहा कि वसीम खान का किरदार इस बार पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक और रणनीतिक नजर आएगा। सत्ता की लड़ाई अब सिर्फ ताकत की नहीं, बल्कि दिमाग और राजनीति की भी है। दर्शकों को दोनों किरदारों के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार और पूर्वांचल के दर्शकों का वेब कंटेंट के प्रति बढ़ता जुड़ाव उत्साहित करने वाला है और इसी वजह से टीम यहां आकर सीधे दर्शकों से जुड़ना चाहती थी। सीरीज के निर्देशक रितम श्रीवास्तव ने बताया कि "रक्तांचल का तीसरा सीजन सिर्फ कहानी को आगे नहीं बढ़ाता, बल्कि इसके किरदारों और राजनीतिक समीकरणों को भी नई ऊंचाई देता है। हमने कहानी को पहले से अधिक वास्तविक, प्रभावशाली और सिनेमाई बनाने का प्रयास किया है। दर्शकों को हर एपिसोड में नया रोमांच मिलेगा। उन्होंने बताया कि सीरीज की कहानी लेखक सिद्धार्थ मिश्रा ने लिखी है और इसमें बदलते राजनीतिक हालात, नए गठबंधन, विश्वासघात और वर्चस्व की जंग को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। रक्तांचल सीजन-3 का प्रीमियर 16 जुलाई से अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर होगा, जहां दर्शक इसे बिना किसी सब्सक्रिप्शन के मुफ्त में देख सकेंगे। इस सीजन में क्रांति प्रकाश झा, निकितिन धीर, करण पटेल, माही गिल, राजेश कुमार और विक्रम कोचर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

नई शिक्षा नीति में स्वयंसेवक सामजिक समस्याओं का कर रहे है निदान - प्रो रत्ना अमृत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।ए एन कॉलेज के स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की छात्र छात्राओं के वॉलेंट्रीयरशिप के सफल समापन के उपलक्ष्य में स्वयंसेविता प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन पुस्तकालय सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं, शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह स्वयंसेविता पाठ्यक्रम जून माह में प्रेम यूथ फाउंडेशन के माध्यम से निःशुल्क संचालित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं ने प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत कपड़े के थैले तैयार किए तथा स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं विभिन्न सामाजिक विषयों पर जन-जागरूकता अभियानों में सक्रिय सहभागिता निभाई। छात्राओं ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय देते हुए इन सभी गतिविधियों को समर्पण एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो रत्ना अमृत ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अंतर्गत इस प्रकार के अनुभवात्मक एवं सामुदायिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेविता विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता तथा सेवा-भाव का विकास करती है, जो उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।उन्होंने छात्र छात्राओं को माय भारत पोर्टल में सबों को पंजीकरण करने की भी सलाह दी ताकि वे सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले सकें I कार्यक्रम का संचालन प्रो सुशील कुमार सिंह ने किया । उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित भारत का सपना साकार हो सकता है। उन्होंने छात्र छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत समर्पण और अनुशासन के साथ स्वयंसेवी कार्यों को पूरा किया। विशेष रूप से कुछ छात्र छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट कार्य, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता से प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। प्रो शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि वॉलेंट्रीयरशिप से छात्र छात्राओं को समुदाय से जुड़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है । प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी श्री प्रेम कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ए एन कॉलेज की छात्रछात्राओं ने इस स्वयंसेविता कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा उन्हें सौंपे गए प्रत्येक कार्य को पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और सेवा-भाव के साथ संपन्न किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यही छात्र छात्राएँ भविष्य में समाज परिवर्तन की प्रभावी वाहक बनेंगी। मौके पर प्रो विनीता प्रसाद ,डॉ अभिषेक दत्ता, डॉ संजय कुमार सिंह, डॉ कुमकुम रानी , डॉ मनोज, डॉ संजय , डॉ शालिनी मौजूद रहे ।

महावीर कैंसर संस्थान में सैंगर सीक्वेंसिंग लैब का उद्घाटन, कैंसर जांच और उपचार को मिलेगी नई दिशा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।महावीर कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, पटना में अत्याधुनिक सैंगर सीक्वेंसिंग लैब का उद्घाटन किया गया. एचबीसीएचआरसी, मुजफ्फरपुर के निदेशक डॉ. कुमार प्रभास ने दीप प्रज्वलित कर लैब का शुभारंभ किया. इस अवसर पर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के चीफ रीजनल मैनेजर राजीव गुप्ता ने मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया. श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायन कुणाल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे. लैब के उद्घाटन के बाद "प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी के दौर में सैंगर सीक्वेंसिंग की क्लिनिकल उपयोगिता" विषय पर सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और शोध संस्थानों से आए चिकित्सकों, कैंसर विशेषज्ञों, पैथोलॉजिस्ट तथा शोधकर्ताओं ने भाग लिया. विशेषज्ञों ने बताया कि सैंगर सीक्वेंसिंग तकनीक कैंसर से जुड़े जीन संबंधी परिवर्तनों की सटीक पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. इस तकनीक के माध्यम से मरीजों को उनकी बीमारी के अनुरूप प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी आधारित व्यक्तिगत उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा, जिससे उपचार की गुणवत्ता और सफलता की संभावना बढ़ेगी. संस्थान के चिकित्सकों ने बताया कि इस अत्याधुनिक लैब की स्थापना से बिहार सहित पूर्वी भारत के कैंसर मरीजों को आधुनिक जीन परीक्षण की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी. इससे जांच में लगने वाला समय कम होगा और मरीजों को अधिक सटीक, प्रभावी तथा समय पर उपचार का लाभ मिल सकेगा. साथ ही कैंसर अनुसंधान को भी नई गति मिलेगी. कार्यक्रम में डॉ. कुमार प्रभास, डॉ. मनीषा, डॉ. एल. बी. सिंह, डॉ. बी. सन्याल, राजीव गुप्ता, सायन कुणाल सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक, वैज्ञानिक, शोधकर्ता एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे.

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

तुम्बाड 2 में आलिया भट्ट की एंट्री, 3 दिसंबर 2027 को होगी रिलीज

मुंबई। अभिनेता-निर्माता सोहम शाह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तुम्बाड 2' में अभिनेत्री आलिया भट्ट की आधिकारिक एंट्री हो गई है। इससे पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फिल्म से जुड़ने की घोषणा हो चुकी है। आलिया ने कहा कि पहली बार 'तुम्बाड' देखने के बाद से वह इसकी रहस्यमयी दुनिया से प्रभावित रही हैं और अब इसका हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास है। वहीं सोहम शाह ने कहा कि आलिया इस पीढ़ी की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं और दर्शकों को उनका बिल्कुल नया अंदाज देखने को मिलेगा। फिल्म का निर्माण सोहम शाह फिल्म्स और पेन स्टूडियोज के बैनर तले किया जा रहा है। डॉ. जयंतीलाल गडा इसके निर्माता हैं, जबकि निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। बहुप्रतीक्षित फिल्म 3 दिसंबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सीएम विंडो पर दी शिकायतों का निवारण

कुरुक्षेत्र। थानेसर सीएम विंडो कमेटी के एमीनेट पर्सन पूर्व मंडल अध्यक्ष हरीश अरोड़ा, गगन कोहली सीएम विंडो पर दी शिकायतो का निवारण किया। एमीनेट पर्सन हरीश अरोड़ा ने कहा कि सीएम विंडो पर दी शिकायतों का निवारण मंगलवार व शुक्रवार को सर्किट हाउस में निष्पक्षता के साथ किया जाता है। पूर्व मंडल अध्यक्ष हरीश अरोड़ा व गगन कोहली ने कहा कि अधिकारीगण सीएम विंडो की शिकायतों को गंभीरता से लें और समय पर सीएम विंडो पर आई शिकायतों का समाधान कराए बिजली विभाग द्वारा पलवल गांव में बिजली की तारों को लेकर समस्या का समाधान करने के लिए कहा गया है।

नौगढ़ के महादलित टोला में पांच बच्चे हुए बेसहारा

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले के मखदुमपुर प्रखंड अंतर्गत नौगढ़ गांव के महादलित टोला में पांच मासूम बच्चों के बेसहारा होने का मामला सामने आया है। जन मुक्ति आंदोलन की टीम ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी स्थिति का जायजा लिया और जिला प्रशासन एवं बिहार सरकार से आर्थिक सहायता, इलाज तथा बच्चों के पालन-पोषण की व्यवस्था करने की मांग की। मंगलवार को जन मुक्ति आंदोलन के महासचिव हरी लाल प्रसाद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल नौगढ़ गांव के महादलित टोला पहुंचा। टीम में रविंद्र कुमार और लेंद्र मांझी सहित अन्य सदस्य भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने स्वर्गीय शक्ल देव मांझी के परिवार से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। जानकारी के अनुसार, शक्ल देव मांझी की लगभग दो वर्ष पूर्व पानी में डूबने से मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि इस हादसे के बावजूद आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिला। परिवार का पालन पोषण उनकी पत्नी जराधनी देवी कर रही थीं, लेकिन 8 जुलाई 2026 को इलाज के अभाव में उनकी भी मृत्यु हो गई। माता-पिता की मौत के बाद परिवार के पांचों बच्चे—कुसुम कुमारी मांझी, शोभा कुमारी मांझी, छठी कुमारी मांझी, संजोगा कुमारी मांझी और उपेंद्र मांझी—पूरी तरह बेसहारा हो गए हैं। जन मुक्ति आंदोलन का दावा है कि बच्चों की तबीयत भी खराब है और वे टीबी जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। प्रतिनिधिमंडल ने तत्काल राहत के रूप में परिवार को आटा, आलू सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। साथ ही जिला प्रशासन और बिहार सरकार से मांग की कि शक्ल देव मांझी की मौत को आपदा मानते हुए उनके आश्रितों को चार लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए, बच्चों की स्वास्थ्य जांच कराकर समुचित इलाज सुनिश्चित किया जाए तथा उनके पालन-पोषण, शिक्षा और रहने की स्थायी व्यवस्था सरकार द्वारा की जाए।

चैनपुर दुर्गा माता मंदिर प्रांगण स्थित पोखरा में हो रहा घाट का निर्माण

» पंचायत के विकास को लेकर सदैव तत्पर रहते हैं,मुखिया नंदू बिंद

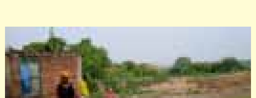

भभुआ-चैनपुर प्रखंड अंतर्गत मुख्यालय स्थित दुर्गा माता मंदिर के पोखरा पर घाट का निर्माण मुखिया नंदू बिंद के नेतृत्व में कराया जा रहा है। जिससे चैनपुर प्रखंड अंतर्गत जगरिया पंचायत के ग्रामीण जनता को छठ पूजा एवं स्नान करने वाले तीर्थ यात्रियों को भी स्नान करने में काफी सहूलियत मिलेगी।तो वही पोखरा का सुंदरीकरण भी इस कार्य को हो जाने के बाद देखने को काफी बेहतरीन ढंग से मिल रहा है। इस संबंध में जगरिया पंचायत के मुखिया नंदू बिंद ने बताया कि पंचायती राज विभाग द्वारा जो भी योजनाएं विकास के लिए मिलती है उनको धरातल पर उतारना मेरा कर्तव्य है।मेरे कार्यकाल में पंचायत में गली, नाली,पेयजल व्यवस्था,छठ घाट निर्माण सहित कई अन्य सराहनीय कार्य किए गए हैं जिसका सीधा लाभ आज जनता को मिल रहा है।वहीं दूसरी और उन्होंने कहा की पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की योजनाओं को पंचायत की प्रत्येक पात्र जनता तक पहुंचाने में मैं दिन-रात मेहनत करता हूं। मनरेगा आवास योजना में भी मेरे द्वारा पंचायत के कई गरीब असहाय लोगों को योजना में जोड़ने का कार्य किया गया है। जिसका लाभ पंचायत के प्रत्येक पात्र लाभुक जनता को मिलेगा।

लावारिस स्कूटी पुलिस के हवाले, जांच में जुटी पुलिस

हरनौत। हरनौत बाजार के बीच स्टेशन रोड स्थित संजीवनी मार्केट कॉम्प्लेक्स के समीप कई घंटों से लावारिस हालत में खड़ी एक लाल रंग की स्कूटी को स्थानीय लोगों ने पुलिस के हवाले कर दिया। स्कूटी सोमवार सुबह से ही सड़क किनारे खड़ी थी। देर शाम तक उसके पास कोई नहीं पहुंचा, जिससे आसपास के लोगों के मन में संदेह उत्पन्न हो गया। मंगलवार सुबह मोहल्ले के लोगों ने डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूटी की जांच-पड़ताल की। इसके बाद वाहन को कब्जे में लेकर थाना ले जाया गया, ताकि उसके मालिक का पता लगाया जा सके और आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से हरनौत बाजार में स्कूटी और मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसे में लावारिस वाहन मिलने से लोगों की चिंता स्वाभाविक थी। आशंका जताई जा रही है कि स्कूटी चोरी की भी हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी। गौरतलब है कि हाल ही में हरनौत के हनुमान नगर मोहल्ले में एक साइकिल चोरी का प्रयास सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। उस दौरान कथित चोर के पास से एक बैंक पासबुक भी गिर गया था, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस लावारिस स्कूटी के मामले की भी गंभीरता से जांच कर रही है।

हंदवारा के नए बस स्टैंड पर वानी मेडिकेट का भव्य उद्घाटन समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

हंदवारा। हंदवारा के नए बस स्टैंड पर स्थित वानी मेडिकेट ने विशिष्ट अतिथियों, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों और स्थानीय समुदाय की उपस्थिति में अपने नए फार्मेसी का भव्य उद्घाटन किया।समारोह में निम्नलिखित विशेष अतिथि उपस्थित थे:

श्री बशीर अहमद वानी - प्रधानाचार्य, सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, मागम

श्री अब्दुल अहद वानी - पूर्व एएसआई, जेकेएपी

श्री इकबाल बशीर वानी - सरकारी शिक्षक

श्री अर्शीद अयूब वानी - व्यवसायी

वानी मेडिकेट प्रबंधन सभी विशिष्ट अतिथियों, व्यापार संघ के सदस्यों, फार्मेसी संघ के सदस्यों, आस-पास के दुकानदारों, मित्रों, शुभचिंतकों और समारोह में उपस्थित सभी लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने अपनी उपस्थिति और आशीर्वाद से इस अवसर को यादगार बनाया। वानी मेडिकेट हंडवारा के लोगों को असली दवाइयाँ, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य उत्पाद और पेशेवर दवा सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। फार्मेसी में पशु चिकित्सा दवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी उपलब्ध है, जो योग्य पशु चिकित्सक के परामर्श से प्राप्त की जा सकती हैं, जिससे पालतू पशुओं और घरेलू पशुओं का सुरक्षित और उचित उपचार सुनिश्चित होता है।

वानी मेडिकेट
न्यू बस स्टैंड, हंडवारा
9622502564 / 9103563323

तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट की एंट्री, नवाजुद्दीन और सोहम शाह के साथ आएंगी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई। बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तुम्बाड 2' में अभिनेत्री आलिया भट्ट की आधिकारिक एंट्री हो गई है। इससे पहले अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फिल्म से जुड़ने की घोषणा की जा चुकी है। आलिया फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। आलिया भट्ट ने कहा कि पहली बार 'तुम्बाड' देखने के बाद से ही वह इसकी रहस्यमयी दुनिया से प्रभावित रही हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास है और वह सोहम शाह व नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेता एवं निर्माता सोहम शाह ने कहा कि आलिया इस पीढ़ी की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं और दर्शकों को फिल्म में उनका बिल्कुल नया अंदाज देखने को मिलेगा। वहीं निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा ने कहा कि आलिया के जुड़ने से फिल्म को नई ऊंचाई मिलेगी और दर्शकों को उनका अलग रूप देखने को मिलेगा। फिल्म का निर्माण सोहम शाह फिल्म्स और पेन स्टूडियोज के बैनर तले किया जा रहा है। आदेश प्रसाद के निर्देशन में बन रही 'तुम्बाड 2' 3 दिसंबर 2027 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हरदीप सिंह गिल के नेतृत्व में वाल्मीकि समाज का प्रतिनिधित्वं मंडल तरुण चुग से मिला

नई सोच एक्सप्रेस

» वाल्मीकि समाज मजबूती के साथ भाजपा के साथ खड़ा है गुरुजी चंदेल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सफाई आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधित्व मंडल भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं राष्ट्रीय महामंत्री एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी तरुण चुग से मिला और उन्होंने गत दिनों कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक झा द्वारा भगवान वाल्मीकि को एक राष्ट्रीय चैनल पर अपमानित करते हुए उनको चोर लुटेरा कहा गया इसको लेकर समाज के वरिष्ठ लोगों ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाकर कांग्रेस प्रवक्ता के खिलाफ मुकदमे कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की सफाई मजदूर आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने कहा कि वाल्मीकि समाज का बच्चा-बच्चा भारतीय जनता पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहा है आज वाल्मीकि समाज की आस्था पर कांग्रेस पार्टी द्वारा उसके प्रवक्ता द्वारा चोट की गई है जिसको लेकर समाज में बड़ी नाराजगी देखने को मिल रही है जिसका मिलकर हम सब ने निवारण करना है और कांग्रेस प्रवक्ता को जेल भिजवाने का कार्य हम सब ने आपके साथ मिलकर आपके नेतृत्व में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक झा को उसके इस कृत्य और घटियापन के लिए सजा दिलाने का कार्य करना है इस मौके पर अखिल भारतीय महर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के प्राचारि महंत गुरुजी राजू चंदेल ने कहा कि आज हमारा वाल्मीकि समाज सर्वाधिक भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करता है और उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हुआ है आज हमारे वाल्मीकि समाज और भगवान वाल्मीकि पर कांग्रेस के प्रवक्ता द्वारा विवादित टिंम्पनी एवं उनका चोर डाकू कहा गया है इसको समाज कतई भी बर्दाश्त नहीं करेगा आज बड़ा तब का भारतीय जनता पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है और सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी वाल्मीकि समाज व भगवान वाल्मीकि जी को सम्मान दे रही है आपसे यही निवेदन है कि आगे बढ़कर उसे कथित भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक झा के खिलाफ कानूनी सहायता प्रदान करें और उसकी गिरफ्तारी कराएं इस बात को लेकर देशभर के वाल्मीकि समाज और साधु संतों में जबरदस्त नाराजगी और गुस्सा है इस मौके पर राष्ट्रीय वाल्मीकि शक्ति महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय वाल्मीकि समुद्रर वाल्मीकि रविंद्र कुमार वाल्मीकि सहित गण मान्य व्यक्ति उपस्थित थे

16 जुलाई से शुरू होगा सिंधी समाज का 40 दिवसीय चालीहा उत्सव

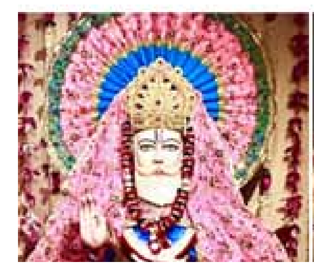

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली/गुरुग्राम। सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल को समर्पित 40 दिवसीय चालीहा उत्सव का शुभारंभ 16 जुलाई से गुरुग्राम के सेक्टर-37 स्थित श्री झूलेलाल साईं मंदिर (बनी वाला मंदिर) में होगा। 24 अगस्त तक चलने वाले इस आयोजन में दिल्ली-एनसीआर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। श्री झूलेलाल सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित उत्सव के दौरान भगवान झूलेलाल की विशेष पूजा, अखंड ज्योत, भजन-कीर्तन, सत्संग, महाआरती और प्रसाद वितरण का आयोजन होगा। 19 व 26 जुलाई तथा 2, 9, 16 और 23 अगस्त को विशेष धार्मिक कार्यक्रम, बहराणा साहिब की पूजा, भजन संध्या और विशाल भंडारे आयोजित किए जाएंगे। समिति के अध्यक्ष विनोद पहलाजानी ने कहा कि चालीहा उत्सव प्रेम, सेवा, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला महापर्व है। महासचिव किशोर मंगलानी ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान झूलेलाल का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर का लोकेशन क्यूआर कोड भी जारी किया गया है।

बेगम अख्तर की सदाबहार ग़ज़लें पद्मश्री डॉ. सोमा घोष 'शाम-ए-अख्तरी' में पेश करेंगी

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई। भारतीय शास्त्रीय संगीत और ग़ज़ल पसंद करने वालों के लिए 18 जुलाई को रवींद्र नाट्य मंदिर मुंबई में एक यादगार म्यूज़िकल प्रोग्राम "शाम-ए-अख्तरी" का आयोजन किया जा रहा है। यह खास इवेंट ग़ज़ल की बेमिसाल मलिका बेगम अख्तर की सदाबहार म्यूज़िकल विरासत को ट्रिब्यूट देने के लिए ऑर्गनाइज़ किया जा रहा है। इस सालाना म्यूज़िक इवेंट को मशहूर सिंगर पद्मश्री डॉ. सोमा घोष लीड करेंगी। वह बेगम अख्तर की मशहूर ग़ज़लें अपनी सुरीली और दिल को छू लेने वाली आवाज़ में पेश करेंगी. उनकी प्रेज़ेंटेशन दर्शकों को उस सुनहरे दौर की याद दिलाएगी जब बेगम अख्तर की ग़ज़लें संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज करती थीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस एवं महाराष्ट्र सरकार के संस्कृति मामलों के माननीय मंत्री आशीष शेलार की उपस्थिति होगी. इस इवेंट की एक और खास बात मशहूर फिल्म डायरेक्टर प्रो. शुभांकर घोष की बनाई एक खास शॉर्ट फिल्म की स्क्रीनिंग होगी, जो बेगम अख्तर की ज़िंदगी, व्यक्तित्व, संघर्ष और संगीत की साधना पर रोशनी डालती है। इस फिल्म के ज़रिए दर्शकों को बेगम अख्तर की कलात्मक ज़िंदगी, उनके लगातार संघर्ष भरे सफ़र और भारतीय ग़ज़ल गायकी में उनके अनमोल योगदान को करीब से देखने का मौका मिलेगा। मुम्बई के प्रेस क्लब मे हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ सोमा घोष, प्रो. शुभांकर घोष और संगीतकार विवेक प्रकाश ने मीडिया को संबोधित किया. डॉ सोमा घोष ने कहा कि "शाम-ए-अख्तरी" सिर्फ़ एक म्यूज़िक प्रोग्राम नहीं है, बल्कि भारतीय ग़ज़ल की क्लासिकल परंपरा को ट्रिब्यूट देने की एक सच्ची कोशिश है। इस इवेंट का उद्देश्य नई पीढ़ी को बेगम अख्तर की महान संगीत विरासत से अवगत कराना है और उन्हें ग़ज़ल की क्लासिकल, साहित्यिक शान और संगीत की गहराई से भी परिचित कराना है। यह प्रोग्राम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर ऑर्गनाइज़ किया जा रहा है.

भारत टेक्स-2026 में झारखंड के छह जीआई टैग उत्पादों का प्रदर्शन, वैश्विक बाजार से जुड़ेंगे बुनकर

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली/रांची। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स-2026 में उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने झारखंड पैवेलियन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य की समृद्ध हस्तकरघा और वस्त्र विरासत को वैश्विक पहचान दिलाकर बुनकरों और कारीगरों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना सरकार का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि भारत टेक्स-2026 झारखंड के पारंपरिक वस्त्र उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने तथा राज्य के वस्त्र उद्योग को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है। झारखंड पैवेलियन में राज्य के छह जीआई टैग प्राप्त हस्तकरघा उत्पादों—तसर सिल्क, कुचाई सिल्क, भगैया साड़ी एवं फैब्रिक, टुमका चादर, भोया साड़ी एवं फैब्रिक तथा पंछी साड़ी एवं फैब्रिक—का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में झारखंड की समृद्ध वस्त्र परंपरा, पारंपरिक शिल्पकला और बुनकरों की प्रतिभा को देश-विदेश के खरीदारों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। भारत टेक्स-2026 वस्त्र एवं परिधान उद्योग की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए व्यापार, निवेश, नवाचार और रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख वैश्विक मंच है। इसमें देश-विदेश के निर्माता, निर्यातक, निवेशक, वैश्विक खरीदार, नीति-निर्माता, स्टार्टअप और हस्तकरघा क्षेत्र से जुड़े कारीगर भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर उद्योग विभाग के निदेशक विशाल सागर, अपर सचिव प्रीति सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

हरनौत बाजार के फुटबॉल स्टेडियम के चारों तरफ नहीं बना पीसीसी सड़क एवं नाला, मुहल्ले वासी में आक्रोश

नई सोच एक्सप्रेस

» हरनौत बाजार में 1.36 करोड़ की लागत से बनने वाले नाला व सड़क निर्माण का कार्य अपूर्ण

» बनने से पटेल नगर, गांधी टोला, नियामतपुर सहित अन्य मुहल्ले वासी को मिलेगी सुविधा

हरनौत। स्थानीय नगर पंचायत के पटेल नगर, गांधी टोला और नियामतपुर मोहल्ले के लोगों को जलजमाव और कीचड़ से जूझने के लिए मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत 1 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से नाला निर्माण और पीसीसी ढलाई का कार्य फुटबॉल स्टेडियम के चारों तरफ करना था।इसके लिए जून तक समय निर्धारित था। कार्यकारी एजेंसी बुडको द्वारा कराए जा रहे कार्य पूर्ण नहीं किया गया।निर्माण में कई जगह पेंच फंसता नजर आ रहा है। फिलहाल इन इलाकों में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण लोगों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है । मानसून दस्तक दे चुका है।अगर मुसलाधार बरसात हुई तो लोगों को घरों में पानी घुस जाएगा और लोगों को निजी मोटर लगाकर पानी बाहर फेंकना पड़ सकता है। इसमें नाले के बीच-बीच में 50 से अधिक कंक्रीट ड्रेनेज चैंबर बनाया जाना है।जिससे सैकड़ों घरों का गंदा पानी सीधे पाइप के माध्यम से निकलेगा और बीमारियों से निजात मिलेगी।मगर बुडको द्वारा महिनों से कार्य को अधुरे छोड़े हुए हैं। इससे स्थानीय निवासियों में आक्रोश है। लोगों ने रूके हुए कार्य को पुनः शुरू कराने की मांग की। वहीं बुडको के कनीय अभियंता(जेई) अरविंद कुमार ने बताया कि 1.36 करोड़ की लागत से हो रहे इस निर्माण में थाना मेन रोड से हाई स्कूल स्टेडियम तक और फुटबॉल स्टेडियम के चारों तरफ से वार्ड 17 में मेघना चौधरी के घर तक ह्यूम पाइप नाला और पीसीसी ढलाई शामिल है। जून 2026 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य था।मगर एक जगह रैयती जमीन आ रहा है।इसके लिए विभाग को लेटर भेजा गया है।साथ ही बिजली विभाग का भी एक ट्रांसफार्मर साइट पर आ रहा है इसे दूसरे जगह शिफ्ट करने के लिए विभाग को चिट्ठी लिखा गया है।अगर यह दोनों कार्य होगा तब जाके रूके हुए कार्य शुरू किया जाएगा।

प्रधान शिक्षक डॉक्टर प्रद्युम्न कुमार की माता स्मृतिशेष दानावती देवी के श्राद्ध कर्म में शामिल हुए शिक्षक सिद्धार्थ कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड के शिक्षक सिद्धार्थ कुमार परबत्ता प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत थेभाय गांव पहुंचे। यहां वे प्रधान शिक्षक डॉक्टर प्रद्युम्न कुमार के माता स्वर्गीय दानावती देवी के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुए। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने स्वर्गीय दानावती देवी को पुष्पांजलि देकर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।शिक्षक सिद्धार्थ कुमार प्रधान शिक्षक डॉक्टर प्रद्युम्न कुमार से मिलकर उनके प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि स्वर्गीय दानावती देवी एक धर्मपरायण महिला थी। वे परिवार को जोड़कर रखती थीं और बच्चों को अच्छे संस्कार देती थीं। वे हमेशा सच की साथ देती थीं और सादा जीवन उच्च विचार में विश्वास रखती थीं।उनकी कमी लोगों को याद आएगी। वहीं इस मौके पर प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान, शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, रामविनोद साह, रमन कुमार, शेखर दास, पंकज कुमार पासवान, मनोज कुमार साह, प्रखंड के सैकड़ों शिक्षक शामिल हुए।

कितनी होती है समुद्री जहाज की स्पीड

जहाज के बारे में हम सभी जानते हैं। समुद्री जहाज सबसे बड़े परिवहन साधनों में से एक माना जाता है, जो एक देश से दूसरे देश समान आयात और निर्यात करते हैं। कई प्रकार के जहाज होते हैं। जिनमें क्रूज, युद्ध पोत या फिर वोट शामिल हैं। हर किसी का कार्य अलग-अलग होता है। यह उनकी स्पीड पर भी निर्भर करती है। यह देखने में काफी विशालकाय होती है। जिसके सामने जाने पर यह बिल्कुल पहाड़ जैसी लगती है। इसे देखकर लोगों के मन में तमाम तरह के प्रश्न भी उठते हैं। जिनमें एक यह भी प्रश्न है कि समुद्री जहाज की स्पीड कितनी होती है। यात्री जहाज हो या फिर माल वाहक जहाज हो या फिर वोट हो पानी में चलने वाले समुद्री जहाज की स्पीड जानकर कोई भी हैरान रह जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आमतौर पर समुद्री जहाज की स्पीड 20 से लेकर 25 नॉट यानी 37 से 46.3 कम प्रति घंटे की होती है, जो कि इंजन की क्षमता पर निर्भर करती है। वहीं, यदि मॉडर्न जहाजों की बात की जाए तो इसकी स्पीड लगभग 30 नॉट यानी 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक होती है।

क्या होता है नॉट?

अब मन में यह प्रश्न उठ रहा होगा कि नॉट क्या होता है। तो सबसे पहले हम आपको यह बता दें कि यह समुद्री गति मापने की एक इकाई है, जो कि 1.852 किलोमीटर प्रति घंटे के बराबर होती है। पानी की लहरों के कारण इसकी स्पीड कम हो जाती है। वहीं, जहाज की स्पीड को बढ़ाने से ईंधन की खपत भी बढ़ जाती है, इसलिए कई जहाज लीमिटेड स्पीड पर चलते हैं। इसके अलावा, समुद्र में आने वाले तूफान, तेज हवाएं और लहरों की दिशा से भी इसकी गति प्रभावित होती है।

इन पर होती है निर्भर

इनकी रफ्तार जहाज के आकार पर भी निर्भर करती है। लंबे और पतले जहाज तेज गति से चलती है, जबकि चौड़े और भारी जहाज धीमे गति से चलते हैं। साथ ही इंजन पर भी जहाजों की गति निर्भर करती है।

टेक्नोलॉजी ही नहीं इन चीज़ो के लिए भी फेमस है जापान

क्या आप जानते हैं जापान की कुछ ऐसी चीजें जिनको दुनिया भर में प्रसिद्धि मिली है? जापान के इन चीज़ो की कीमत सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। जापान न सिर्फ टेक्नोलॉजी के मामले में बल्कि और भी कई मामलों में दुनिया भर का आकर्षण का केंद्र है। आज हम आपको जापान की कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जिनकी कीमत दुनिया के अन्य हिस्सों से कहीं ज्यादा है। बता दें कि जापान टेक्नोलॉजी के मामले में सबसे आगे माना जाता है। हालांकि, जापान न सिर्फ टेक्नोलॉजी बल्कि कुछ ऐसी चीजों के लिए भी जाना जाता है जिनकी कीमत दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। आज हम जापान की कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जिनकी कीमत सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। जापान में कुछ ऐसी चीजें पाई जाती हैं जिनकी कीमत दुनिया भर में सबसे ज्यादा होती है। इसीलिए जापान दुनिया भर में आकर्षण का केंद्र बना रहता है।

युबारी किंग मेलन

जापान में एक ऐसा फल पाया जाता है जिसकी कीमत सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। बता दें कि जापान में 'युबारी किंग मेलन' पाया जाता है। इसकी कीमत 27,000 डॉलर यानी लगभग 22 लाख रुपए होती है। दरअसल, यह एक जोड़ी की कीमत है। खास तौर पर यह खरबूजा युबारी क्षेत्र में उगाया जाता है। इसकी इतनी कीमत की वजह इसका आकार और लाजवाब मिठास है। अक्सर इन खरबूजों की नीलामी होती है।

ब्लूफिन टूना मछली

बता दें कि जापान की ब्लूफिन टूना मछली भी बेहद महंगी है। यह दुनिया की सबसे महंगी चीजों की लिस्ट में आती है। जापान की सबसे महंगी चीजों की लिस्ट में यह पहले नंबर पर है। साल 2019 में 278 किलोग्राम वजनी एक टूना मछली को 31 लाख डॉलर यानी करीब 23.5 करोड़ रुपए में बेचा गया था। इस मछली का इस्तेमाल जापान की सबसे महंगी डिश 'सुशी' और 'सशिमी' बनाने में किया जाता है। इसीलिए इसकी कीमत इतनी ज्यादा है।

इस लिस्ट में वसाबी का नाम

वहीं, इस लिस्ट में वसाबी का नाम भी आता है। यह जापान का सबसे खास व्यंजन है। बड़ी मात्रा में इसकी खेती की जाती है, हालांकि इसकी खेती के लिए खास तरह का क्लाइमेट और मिट्टी की जरूरत होती है। हर जगह इसे उगाया नहीं जा सकता। इसकी उपलब्धता बेहद कम है। इसके कारण इसकी कीमत हजारों रुपए में होती है। बता दें कि इसकी औसत कीमत 21,000 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास होती है।

1968 हॉंडा CB 750 मोटरसाइकिल

टेक्नोलॉजी के मामले में जापान हमेशा ही आगे रहा है। ऐसे में एक ऐसा प्रोडक्ट भी है जिसकी कीमत चौंका देती है। दरअसल, जापान में 1968 होंडा CB 750 मोटरसाइकिल की कीमत सुनकर आप दंग रह जाएंगे। इस मॉडल की नीलामी को जापान की सबसे महंगी बाइक में गिना जाता है। साल 1968 में होंडा द्वारा सिर्फ चार ही ऐसी बाइक बनाई गई थीं। हर एक बाइक को 1.45 करोड़ रुपए में नीलाम किया गया था। यह बाइक अब जापान की सबसे महंगी चीजों में शामिल है।

जापान की व्हिस्की

बता दें कि जापान की व्हिस्की भी बेहद प्रसिद्ध है। जापान के 'यामाज़ाकी' और 'हिबिकी' जैसे प्रमुख व्हिस्की ब्रांड सबसे पुराने और लिमिटेड एडिशन के लिए जाने जाते हैं। इन एडिशन्स की नीलामी बेहद महंगी होती है। बता दें कि जापान में इन व्हिस्की की कीमत लगभग 50 लाख रुपए प्रति बोतल तक पहुंच जाती है। इस व्हिस्की की कीमत की वजह दुनिया भर में बढ़ती मांग और इसकी बेहतरीन क्वालिटी है।

कुदरत का करिश्मा, जहां जुड़ती हैं नदियां लेकिन नहीं होतीं एक!

पृथ्वी में एक से बढ़कर एक चीज पाई जाती हैं, जिसकी सुंदरता काफी अलग होती है। धरती पर जीव-जंतु, पशु-पक्षी, मनुष्य के अलावा सागर और नदी भी है। भारत की बात करें, तो यहां नदियों को देवी का दर्जा दिया गया है। लोग इन्हें मां कहकर पुकारते हैं। भारत में बहने वाली सभी नदियों को पवित्र माना जाता है। सनातन धर्म में नदियों में डुबकी लगाना पुण्य का कार्य मानते हैं। वहीं, नदी के किनारे तट पर सुबह और शाम आरती भी की जाती है। जिसे देखने के लिए दूर-दराज से लोग पहुंचते हैं। इससे लोगों की आस्था जुडी हुई है। सनातन धर्म में नदियों को लेकर बहुत सारे महत्व बताए गए हैं। हर नदी की अपनी अलग-अलग कथा है। इन सभी नदियों का एक उद्गम स्थल भी होता है और बहुत सारे जगह ऐसे भी है, जहां नदियों का संगम भी होता है।

पृथ्वी का इकलौता संगम

आज हम आपको उस संगम के बारे में बताएंगे, जहां दो नदियों का पानी कभी भी मिलता नहीं है। इसके पीछे वैज्ञानिक वजह भी शामिल है। यह प्राकृतिक कि वह खूबसूरत घटना है, जो आपको आश्चर्यचकित कर देगी। यह पृथ्वी का इकलौता संगम माना गया है।

अरागवी नदी

दरअसल, इस नदी का नाम अरागवी नदी है, जो कि जॉर्जिया में स्थित है। यह एक ऐसा अनोखा संगम है, जहां एक नदी की धारा सफेद है, तो दूसरी नदी की धारा मटमैली है। यहां दो नदियां आपस में मिलती जरूर है, लेकिन उनका पानी मिक्स नहीं होता। कुदरत का यह नजारा देखने के लिए यहां हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

वैज्ञानिक तर्क

वैज्ञानिकों के अनुसार, दोनों नदियों के पानी का घनत्व और तापमान अलग-अलग है। जिस कारण अपनी एक दूसरे से नहीं मिलता और यह बिल्कुल अलग दिखाई देता है। Tetri अरागवी जिसका पानी सफेद होता है, वह गुडौरी से नीचे पासनौरी शहर तक बहती है। यहां यह Shavi अरागवी से मिलती है। जिसका पानी मटमैला होता है। Shavi अरागवी उत्तर पूर्व में गोदामकरी की मुख्य नदी है।

मध्य प्रदेश का भूतिया अटेर फोर्ट

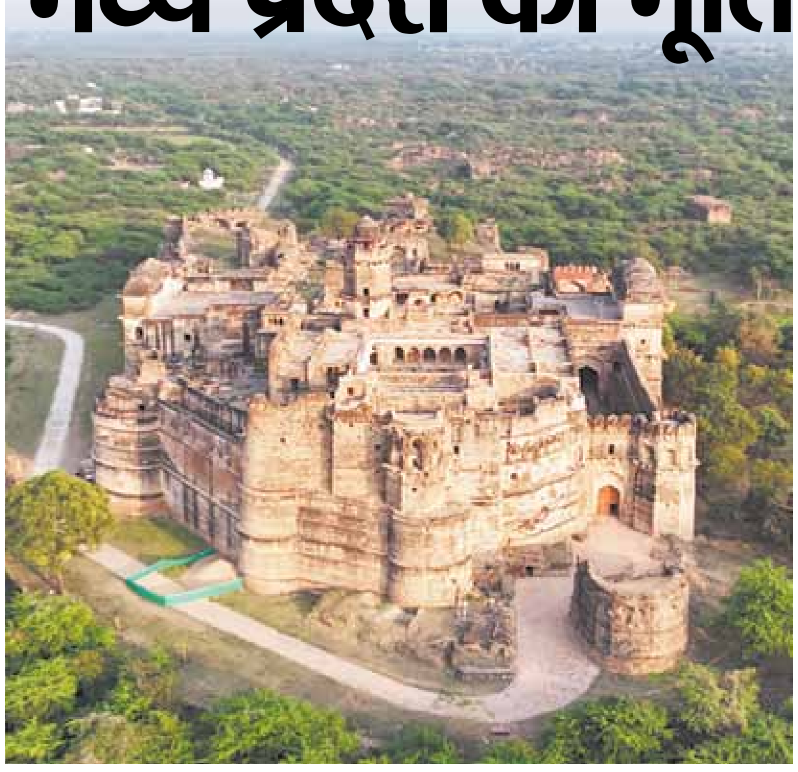

मध्य प्रदेश के भिंड में बना अटेर फोर्ट अपनी मिस्ट्री के लिए फेमस है। इसका एक दरवाजा, जिसे लोग डरावना मानते हैं, सदियों से रहस्यमयी बना हुआ है। भिंड जिले में चंबल नदी के किनारे एक हिलटॉप पर बना यह स्ट्रक्चर 1664 से 1668 के बीच भदौरिया रूलर्स बादन सिंह, महा सिंह, और बखत सिंह ने तैयार किया था। पहले इसे बधवार नाम दिया गया, जो भदौरिया रूलर्स से प्रेरित था। यह जगह स्ट्रैटेजिकली इम्पॉर्टेंट थी, क्योंकि हिलटॉप लोकेशन ने इसे डिफेंस के लिए परफेक्ट बनाया। इस जगह का जिक्र महाभारत में भी है, जहां इसे देवगिरि पहाड़ी कहा गया। फोर्ट की दीवारों पर पुराने वॉर स्ट्रैटेजी के निशान आज भी देखे जा सकते हैं। यह साइट ग्वालियर से 100 किलोमीटर नॉर्थ-ईस्ट में है और घाटी के टूरिस्ट्स के लिए अट्रैक्शन है। इसका मेन एंट्रेंस, जिसे लोग एक खास नाम से बुलाते हैं, कई जंगों का गवाह रहा है।

रहस्यमयी दरवाजा और उसकी डार्क हिस्ट्री

इस स्ट्रक्चर का सबसे बड़ा रहस्य इसका मेन एंट्रेंस है, जिसे लोग एक डरावने नाम से जानते हैं। इतिहासकार बताते हैं कि जंगों के दौरान इस एंट्रेंस पर बहुत खून बहा,

सदियों से रहस्यमयी बना हुआ है लाल रंग का एक रहस्यमयी दरवाजा

जिसके बाद इसका नाम ऐसा पड़ा। स्थानीय लोगो के मुताबिक, इस जगह पर अजीब आवाजें सुनाई देती हैं, जो इसे और भी डरावना बनाती हैं। यह एंट्रेंस दुश्मनों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया था। बीहड़ों में होने की वजह से यह साइट डाकुओं का ठिकाना भी बन चुकी है। अंदर पुराने हथियार, तोपें, और वॉर आर्टिफैक्ट्स मौजूद हैं, जो उस टाइम की मिलिट्री स्ट्रेंथ दिखाते हैं। टूरिस्ट्स यहाँ की हिस्ट्री से अट्रैक्ट होते हैं और नदी का पैनोरमिक व्यू भी देखने लायक है।

इस साइट तक पहुंचने के लिए ग्वालियर सबसे अच्छा ऑप्शन है, जो 100 किलोमीटर दूर है। ग्वालियर एयरपोर्ट दिल्ली, मुंबई, और कोलकाता से कनेक्टेड है, जिससे फ्लाइट से पहुंचना आसान है। ट्रेन से भिंड रेलवे स्टेशन नजदीक है, जो ग्वालियर-आगरा रूट पर पड़ता है। साउथ या सेंट्रल इंडिया से दिल्ली जाने वाली ज्यादातर ट्रेनें यहाँ रुकती हैं, बस स्टॉपेज चेक करना होगा। रोड से भी यह जगह आसानी से पहुंची जा सकती है। आसपास चंबल घारियाल सैंक्चुरी है, जहां बर्डवॉचिंग और वाइल्डलाइफ एक्सपीरियंस मिलता है। नेशनल सैंक्चुरी में घड़ियाल और रेड-क्राउन्ड टर्टल जैसे एंडेंजर्ड स्पीशीज देखे जा सकते हैं। बटेश्वर टेम्पल्स, जो यमुना नदी के किनारे हैं, अपनी कार्विंग्स के लिए फेमस हैं।

अभिनेता यश और कियारा की टॉक्सिक का पहला गाना जारी

अभिनेता यश और कियारा आडवाणी की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का पहला गाना तबाही खामोशी से शुरू होता है, और शायद यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। विशाल मिश्रा की आवाज़ और धुन इस इमोशनल खामोशी को और गहरा बना देती है, जहां हर नज़र, हर ठहराव अपने आप में एक अनकही कहानी बन जाता है। इस गाने में यश और कियारा की केमिस्ट्री दर्शकों के दिलों को छू रही है, जहाँ उनके बीच का अजीब सा खिंचाव और अनकहा प्यार पर्दे पर जीवंत हो उठता है। पूरे म्यूज़िक वीडियो में यश और कियारा के बीच एक गहरा और रहस्यमय खिंचाव महसूस होता है। उनकी हर नज़र में तड़प है, और हर खामोशी किसी लंबी बातचीत से भी ज़्यादा भारी लगती है। यहां बड़े-बड़े इज़हार नहीं हैं, बल्कि दिल को चुपचाप दबाकर रखने की एक मार्मिक कोशिश है, और यही इसे और ज़्यादा असरदार बना देता है।

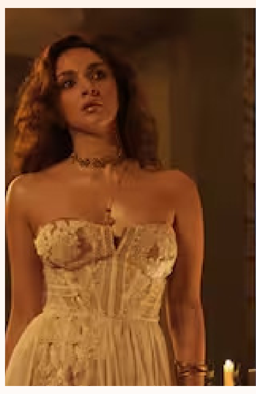

यह गाना उन भावनाओं को दर्शाता है जिन्हें व्यक्त करना मुश्किल होता है, लेकिन जो आंखों और इशारों में साफ झलकती हैं। तबाही कोई सामान्य रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह एक गहरी, उलझी हुई और अंतर्निहित प्रेम कहानी का परिचय देता है, जहाँ किरदार अपने जज़्बातों से जूझते नजर आते हैं। वीडियो का एक बेहद खास पल तब आता है, जब तारा सुतारिया का किरदार रेबेका, राया (यश) से पूछता है, "क्या तुम खुद के अलावा किसी और से प्यार नहीं कर सकते?" और राया बिना रुके जवाब देता है, "बिलकुल नहीं।" ऊपर से ये जवाब बहुत पक्का लगता है, जैसे उसे यकीन हो कि उसके दिल में किसी के लिए जगह ही नहीं है। लेकिन अगले ही पल ये यकीन खुद ब खुद टूटने लगता है।

कैमरा जैसे ही राया को कियारा की तरफ देखते हुए दिखाता है, शब्द बेकार हो जाते हैं। उसकी आंखें वह सब कुछ बयां कर देती हैं, जो वो खुद से भी छुपा रहा है। वो तड़प, वो झिझक, वो छुपी हुई नर्मी – ये सब मिलकर एक ऐसे इंसान की कहानी बताते हैं, जो अपने ही जज़्बातों से भाग रहा है, लेकिन उनसे बच नहीं पा रहा। यही अंदरूनी टकराव तबाही को इतना यादगार बनाता है। यह प्यार की वो कहानी नहीं है, जो खुलेआम कबूल की जाती है; ये वो प्यार है जिसे नकारा जाता है, दबाया जाता है, लेकिन फिर भी जो हर हाल में रास्ता निकाल ही लेता है। और शायद यही तबाही को बाकी सब से अलग बनाता है। यहां प्यार कोई नरम एहसास नहीं, बल्कि एक ऐसी ताकत है जो हर फैसले, हर ठहराव और हर नज़र के पीछे चुपचाप अपना असर छोड़ जाती है।

सना की पहली फिल्म प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का ड्राफ्ट तैयार

बतौर फिल्म निर्माता अ पनी पहली फीचर फिल्म प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का पहला ड्राफ्ट पूरा होने पर बॉलीवुड अभिनेत्री सना सईद ने खुशी जताई है। सना सईद बियॉन्ड मैजिक स्टूडियोज के तहत इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं, और दिलचस्प बात यह है कि वह इस फिल्म में एक्टिंग भी करेंगी, जिससे यह उनके लिए एक दोहरी चुनौती और अवसर बन जाता है।

एक अभिनेत्री से निर्माता बनने का उनका यह सफर उनकी रचनात्मकता और उद्यमिता को दर्शाता है। सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए सना ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि हाथ में स्क्रिप्ट पकड़ने से उन्हें फिल्म बनाने का अपना सपना आखिरकार बहुत असली लगा। वीडियो में उन्होंने कहा, मेरे हाथ में एक फीचर फिल्म के प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का पहला ड्राफ्ट है, जिसे हम मेरी प्रोडक्शन कंपनी, बियॉन्ड मैजिक स्टूडियो के तहत बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म बनाने की दिशा में मेरा पहला कदम है और यह बस शुरुआत है। उनके चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। उन्होंने आगे कहा, फिल्म बनाना बहुत मेहनत का काम है और इसमें बहुत कुछ शामिल है जिसे मैं अभी सीख और समझ रही हूं लेकिन हाथ में यह पहला ड्राफ्ट होना बहुत एक्साइटिंग है। यह स्वीकारोक्ति दर्शाती है कि वह इस नए सफर को सीखने और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। सना ने हमेशा अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी गहरी रुचि रखी है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग पसंद है, लेकिन मुझे फिल्म बनाना भी हमेशा से पसंद रहा है। मैं हमेशा से इसका अंदर से हिस्सा बनना चाहती थी। और इसे हाथ में पकड़ना बहुत असली लगता है। यह बहुत असली लगता है। उनकी यह भावना उनके लंबे समय से पोषित सपने के सच होने की खुशी को बयां करती है। सना ने अपने कैप्शन में लिखा, जिस चीज पर मैं कुछ समय से चुपचाप काम कर रही थी, वह आज सच हो गई। मुझे एक फीचर फिल्म के लिए अपने प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का पहला ड्राफ्ट मिला। एक स्क्रिप्ट। एक असली स्क्रिप्ट। एक ऐसी फिल्म के लिए जिसमें मैं एक्टिंग करूंगी, जिसे हम सब मिलकर शुरू से बना रहे हैं। असली स्क्रिप्ट पर उनका जोर इस प्रक्रिया की ठोस वास्तविकता को दर्शाता है। उन्होंने आगे लिखा, जिस चीज का मैंने सपना देखा था, उसे हाथ में पकड़ने पर कैसा महसूस होता है, इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इसलिए मैंने बस अपने फोन पर बात की। कल पार्ट 2 आएगा, जिसमें असली कहानी होगी कि यहां तक पहुंचने के लिए मुझे कितनी बार शुरुआत से सब कुछ शुरू करना पड़ा।

आलोक नाथ ने कभी रोमांटिक भूमिकाएं भी निभाई थीं फिल्मों में

बॉलीवुड की फिल्मों में आदर्श पिता, संस्कारी परिवार प्रमुख और स्नेहिल बाबूजी की बात होती है, तो अभिनेता आलोक नाथ का नाम सबसे पहले याद आता है। मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..! और विवाह जैसी सुपरहिट फिल्मों में निभाई गई उनकी पिता की भूमिकाओं ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। बड़े पर्दे और टेलीविजन पर उन्होंने ऐसे अनेक किरदार निभाए, जिन्होंने उन्हें भारतीय परिवारों का चहेता कलाकार बना दिया। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि अपने अभिनय करियर के शुरुआती दौर में आलोक नाथ ने रोमांटिक भूमिकाएं भी निभाई थीं और उनकी स्क्रीन इमेज आज की तुलना में बिल्कुल अलग थी। आलोक नाथ का जन्म 10 जुलाई 1956 को दिल्ली में हुआ था। उनके पिता चिकित्सक थे, जबकि उनकी मां गृहिणी थीं। परिवार की इच्छा थी कि वह भी डॉक्टर बनें, लेकिन उनकी रुचि अभिनय की ओर बढ़ती चली गई। पढ़ाई के दौरान ही उनका झुकाव रंगमंच की तरफ हुआ और वह रुचिका थिएटर ग्रुप से जुड़ गए।

अभिनय के प्रति बढ़ते लगाव ने उन्हें आगे चलकर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा तक पहुंचाया, जहां उन्होंने तीन वर्षों तक अभिनय की बारीकियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बताया जाता है कि वर्ष 1980 में फिल्म गांधी के लिए नए कलाकारों की तलाश के दौरान कास्टिंग डायरेक्टर डॉली ठाकुर ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा का रुख किया। कई कलाकारों के ऑडिशन लेने के बाद उन्होंने आलोक नाथ का चयन किया। इस फिल्म के लिए उन्हें करीब 20 हजार रुपये का पारिश्रमिक मिला और यहीं से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई। हालांकि पहली फिल्म के बाद सफलता का रास्ता आसान नहीं था। गांधी के बाद वह मुंबई पहुंचे, लेकिन दूसरी फिल्म मिलने में उन्हें करीब पांच वर्ष तक संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने थिएटर से अपना जुड़ाव बनाए रखा। इसी संघर्ष के बीच उन्हें फिल्म मशाल में एक छोटा-सा किरदार निभाने का अवसर मिला। इसके बाद धीरे-धीरे फिल्म उद्योग में उनके लिए नए रास्ते खुलने लगे। साल 1987 में प्रदर्शित फिल्म कामाग्नि में आलोक नाथ ने अपनी पारंपरिक छवि से बिल्कुल अलग रोमांटिक भूमिका निभाई। इस फिल्म में वह अभिनेत्री टीना मुनीम, जिन्हें अब टीना अंबानी के नाम से जाना जाता है, के साथ दिखाई दिए। फिल्म के कुछ रोमांटिक और बोल्ड दृश्यों की उस समय काफी चर्चा हुई थी। बाद के वर्षों में उन्होंने अपनी अभिनय शैली और व्यक्तित्व के अनुरूप पारिवारिक फिल्मों का रुख किया और दर्शकों के बीच एक भरोसेमंद पिता की पहचान बना ली। वर्ष 1988 में आई फिल्म कयामत से कयामत तक के बाद उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। इसके बाद उन्होंने लगातार ऐसी भूमिकाएं निभाईं, जिनमें परिवार के मुखिया, पिता या बड़े भाई का सशक्त किरदार होता था। अपने लंबे अभिनय करियर में आलोक नाथ करीब 140 फिल्मों और 15 से अधिक टेलीविजन धारावाहिकों में काम कर चुके हैं। उनकी अधिकांश भूमिकाओं ने उन्हें बाबजी की स्थायी पहचान दिलाई।

राजेश शर्मा का मेडिकल स्टेटमेंट डिलीट

कीड़े के काटने वाली घटना पर फिल्म बॉडी ने की जांच की डिमांड

अभिनेता राजेश शर्मा, जो प्रभास की फिल्म फौजी की शूटिंग के दौरान हैदराबाद में एक जहरीले कीड़े या मकड़ी के काटने के बाद अस्पताल में भर्ती हैं, उनकी हालत अभी भी खतरे से बाहर नहीं बताई जा रही है। इस घटना से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए अभिनेत्री सुदीपा चटर्जी द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया मेडिकल स्टेटमेंट 24 घंटे के भीतर ही हटा दिया गया, जिसके बाद ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने इस मामले में उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। फैंस उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, फिल्म की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में चल रही थी। यह इलाका घने पेड़-पौधे वाला है। इसी दौरान, किसी जहरीले कीड़े या फिर मकड़ी ने राजेश शर्मा के पैर में काट लिया। राजेश को यह समझ तो आ गया था, लेकिन उन्होंने अपनी शूटिंग पूरी की। बाद में वह कोलकाता गए और वहां उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सुदीपा चटर्जी ने इस पूरी घटना की जानकारी सोशल

मीडिया पर शेयर की थी, लेकिन बाद में उस पोस्ट को हटा दिया गया। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने इस मामले की हाई-लेवल जांच की मांग की है। एसोसिएशन ने अपने बयान में एक्टर के अस्पताल में भर्ती करवाए जाने पर गंभीर चिंता जताई है। बयान में कहा गया, एक्टर राजेश शर्मा की तबीयत शूटिंग शेड्यूल के दौरान बहुत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें कोलकाता के एक प्राइवेट अस्पताल में एडमिट करवाया गया। ऐसी गंभीर मेडिकल इमरजेंसी किस हालत में हुई, अभी यह साफ नहीं हो सका है। इस मामले की तुरंत ट्रांसपेरेंट जांच की जानी चाहिए। बयान में आगे यह भी बताया गया है कि एक्टर अभी भी मेडिकल निगरानी में हैं और खतरे से बाहर नहीं हैं। एसोसिएशन ने कहा, ताजा मेडिकल अपडेट को देखते हुए घटना की गंभीरता और चिंताजनक हो गई है।

भाई, आपकी आवाज इतनी रोमांटिक कैसे लगती है?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर संगीतकार ए.आर. रहमान ने पोस्ट शेयर कर सोनू निगम के साथ फिर से काम करने पर खुशी जताई। साथ ही उनकी मधुर आवाज की जमकर तारीफ भी की। रहमान ने लिखा, फिल्म बंटवारा 1947 के गीत ओह तबस्सुम की रिकॉर्डिंग के लिए हमारे स्टूडियो में सोनू निगम का फिर से स्वागत करके बेहद खुशी हो रही है। गीत जावेद अख्तर ने लिखा है। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस कर रहा है। रहमान ने अपने पोस्ट में सोनू निगम से मजाकिया लहजे में पूछा, भाई आपकी आवाज इतनी रोमांटिक कैसे लगती है? यह सवाल खुद एक ऐसे संगीतकार की ओर से आया है, जिनकी पहचान खुद संगीत में नवीनता और भावनाओं को पिरोने की रही है, जो सोनू निगम की गायकी की विशिष्टता को दर्शाता है। फिल्म बंटवारा 1947 के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह स्पष्ट हो गया है कि यह एक बड़ी और महत्वपूर्ण परियोजना है। इस फिल्म में सनी देओल, प्रीति जिंटा, अली फजल और शबाना आजमी जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे, जिससे इसकी उम्मीदें और बढ़ जाती हैं। पहले इस फिल्म का नाम लाहौर 1947 था, जिसे बाद में बदलकर बंटवारा 1947 किया गया। यह फिल्म सनी देओल और राजकुमार संतोषी के बीच एक और सहयोग को भी चिह्नित करती है, जिन्होंने पहले घायल और दामिनी जैसी बॉक्स ऑफिस पर सफल और समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्मों में साथ काम किया है। इन फिल्मों ने भारतीय सिनेमा में अपनी एक खास जगह बनाई है और उनके नए सहयोग से भी कुछ ऐसा ही शानदार करने की उम्मीद की जा रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी असगर वजाहत के मशहूर नाटक जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नई पर आधारित है।

जावेद जाफरी का दावा : ग्रुपिज्म और पीआर की कमी से नहीं बन पाया ए-लिस्ट स्टार, सलमान खान के साथ भी ऐसा हुआ

अपने करियर की शुरुआत 1980 में करने वाले अभिनेता जावेद जाफरी, जो एक अच्छे एक्टर, कॉमेडियन और शानदार डांसर के रूप में जाने जाते थे, ने हाल ही में खुलासा किया है कि क्यों वह कभी ए-लिस्ट स्टार की श्रेणी में नहीं आ पाए। जावेद ने दावा किया है कि वह इसलिए सफल नहीं हो पाए क्योंकि वह इंडस्ट्री में ग्रुपिज्म का हिस्सा नहीं बन सके और उनकी पीआर टैक्टिस भी अच्छी नहीं थी। स्क्रीन से बात करते हुए, जावेद जाफरी से पूछा गया कि 1990 के दशक में वह कभी ए-लिस्ट स्टार क्यों नहीं बन पाए। इस पर अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि यह निर्भर करता है कि आपको कैसे पैक किया जाता है। इसमें पीआर भी शामिल होता है क्योंकि इंडस्ट्री का अपना एक अलग वेब है। कई बार ऐसा

समय आता है कि आपके बारे में नेगेटिव चीजें बाहर की जाती हैं, तो या तो आपको रियलिटी चेक मिलता है या फिर आपके बारे में पॉजिटिव चीजें बाहर आती हैं।

जावेद ने आगे कहा, मैं ये सब करने में फेल हो गया। मैं किसी ग्रुप का हिस्सा नहीं था। इसके अलावा, अगर आपकी एक हिट होती है और कोई आपसे बहस नहीं करता, तो सफलता के अलावा कोई कुछ नहीं बोल सकता। उन्होंने इस संदर्भ में सलमान खान का उदाहरण दिया। जावेद ने कहा, जैसा सलमान खान के साथ हुआ था। वह बीवी हो तो ऐसी के साथ आए और लोगों ने उनके बारे में अच्छा नहीं लिखा। इसके बाद मैंने प्यार किया आई और फिर सब उनके पीछे भागने लगे। ये वही सलमान खान थे। ऐसा नहीं कि उन्होंने कुछ अलग किया था, बस सफलता की बात है और फिर आप उससे ही ग्रो करते हो। मुझे अपने करियर में वैसी हिट मिली नहीं।

जब जावेद से उनकी डेब्यू फिल्म मेरी जंग के बारे में पूछा गया, जो एक बड़ी हिट थी और जिसका गाना बोल बेबी बोल भी काफी हिट हुआ था, तो इस पर अभिनेता ने कहा, मुझे बतौर विलेन लॉन्च किया गया था। सुभाष घई साहब काफी सफल डायरेक्टर थे। एनएन सिप्पी साहब एक प्रोड्यूसर थे। तो लोगों को लगा कि अगर उन्होंने मुझे बतौर विलेन लिया है तो आगे भी मैं ऐसा ही करूंगा। वो जजमेंट पास हो गया था। उससे लड़ने के लिए

किसी को मुझे फन म्यूजिकल फिल्म में लेना था जैसे साउथ में प्रभु देवा के साथ किया, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मैंने भी वहीं खुद के लिए कभी पिच नहीं किया, लेकिन मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता हूं। बता दें कि जावेद जाफरी अब धमाल 4 में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 10 जुलाई को रिलीज हो गई है। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख और अरशद वारसी भी हैं।

पीवी सिंधु जापान ओपन के दूसरे दौर में, चोट के कारण सात्विक-चिराग मैच से हटे

एजेंसी, टोक्यो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को कंधे की चोट के कारण अपना पहला मुकाबला बीच में छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसान जीत दर्ज की। सिंधु ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने सटीक स्मैश, ड्रॉप शॉट और बेहतरीन नेट गेम के दम पर सीधे गेमों में जीत हासिल की। दूसरी ओर विश्व नंबर-4 भारतीय पुरुष युगल जोड़ी सात्विक-चिराग को डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स

वेस्टरगार्ड के खिलाफ पहला गेम 19-21 से गंवाने के बाद मुकाबले से हटना पड़ा। सात्विक के कंधे की पुरानी चोट फिर उभर आई, जिसके चलते दोनों खिलाड़ियों ने मैच जारी नहीं रखा। मुख्य युगल कोच तान किम हर ने बताया कि सात्विक-चिराग अगले सप्ताह होने वाले चाइना ओपन में भी हिस्सा नहीं लेंगे। दोनों खिलाड़ी अब पूरी तरह फिट होने के लिए पुनर्वास (रिहैब) पर ध्यान देंगे, ताकि अगस्त में भारत में होने वाली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में पूरी तरह तैयार होकर उतर सकें।

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो ने स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। हालांकि, रोहन कपूर और ऋत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में बाहर हो गई। उन्हें चीन के शीर्ष वरीय फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग ने 21-11, 21-10 से हराया। अब पुरुष युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और एम.आर. अर्जुन का सामना चीनी ताइपे की ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन की जोड़ी से होगा।

यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिप के लिए भारत की पुरुष और महिला टीमें घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को ओमान के मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाली पहली यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट एशिया की उभरती हुई हॉकी प्रतिभाओं के लिए आयोजित किया जा रहा है और पहली बार होने वाले एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालिफायर भी होगा। पुरुष वर्ग में मेजबान ओमान के अलावा भारत, पाकिस्तान, ईरान, इराक, सऊदी अरब और बांग्लादेश हिस्सा लेंगे। महिला वर्ग में भारत, पाकिस्तान, ओमान, चीन,

उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और ईरान की टीमें मुकाबला करेंगी। भारतीय सब-जूनियर महिला टीम में गोलकीपर खिली कुमारी और महक परिहार को शामिल किया गया है। रक्षा पंक्ति में नीलम टोपनो और किरण एक्का रहेंगी, जबकि मिडफील्ड में दिया, पुष्पा मांझी और श्रुति कुमारी को जगह मिली है। आक्रमण की जिम्मेदारी नौशीन नाज, संदीपा कुमारी और कप्तान स्वीटी कुजूर संभालेंगी। महिला टीम की कोच रानी ने कहा कि टीम में कौशल, गति और संतुलन का अच्छा मिश्रण है। खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण शिविर में कड़ी मेहनत की है और हॉकी5एस की तेज रफ्तार शैली के अनुरूप खुद को तैयार किया है। उन्हें विश्वास है कि टीम एशिया की मजबूत टीमों के खिलाफ निडर हॉकी खेलेगी। सब-जूनियर पुरुष टीम में गोलकीपर सावन कुमार और आयुष रजक शामिल हैं। डिफेंस में करण गौतम और आशीष तानी पुरती, जबकि मिडफील्ड में राहुल यादव और रोमित पाल को चुना गया है। फॉरवर्ड लाइन में कप्तान केतन कुशवाहा, प्रह्लाद राजभर, अर्शदीप सिंह और शाहरुख अली जगह बनाने में सफल रहे हैं। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन कर टीम में जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि हॉकी5एस तेज गति, रचनात्मकता और दबाव में सही फैसले लेने वाला प्रारूप है, जिसके लिए टीम पूरी तरह तैयार है। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का बेहतरीन अवसर होगी।

आईसीसी ने अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए पुनर्गठित किया टास्कफोर्स

एजेंसी, एडिनबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपनी वार्षिक बैठक में अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए चल रहे डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही आईसीसी ने विशेष टास्कफोर्स का पुनर्गठन करते हुए उसे वर्ष 2030 तक अफगान शरणार्थी महिला टीम को आईसीसी क्वालिफिकेशन प्रणाली में शामिल करने का रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। आईसीसी बोर्ड ने अपनी स्वतंत्र निदेशक डॉ. रोज रिवाज और आईसीसी चीफ एग्जीक्यूटिव्स

कमेटी की सदस्य सारा कीन को भी इस विशेष टास्कफोर्स में शामिल किया है। वे बीसीसीआई, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की निगरानी करेंगी। डॉ. रोज रिवाज ने आईसीसी के हवाले से कहा कि यह पहल अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए सुनियोजित कोचिंग, प्रतिस्पर्धी मैचों और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों का मजबूत ढांचा तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि आईसीसी क्रिकेट के माध्यम से अवसर उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को आगे बढ़ा रहा है। अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटर नाहिदा सपन ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें सिर्फ क्रिकेट खेलने का मौका ही नहीं दिया, बल्कि एक टीम के रूप में साथ आने का अवसर भी प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि आईसीसी के दीर्घकालिक समर्थन से उन्हें अन्य देशों की खिलाड़ियों के समान अवसर मिलने की उम्मीद और मजबूत हुई है।

न्यूज़ीलैंड ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सीरीज की बराबर

एजेंसी, गयाना । स्पिनर जेडेन लेनॉक्स के करियर के पहले पांच विकेट और न्यूज़ीलैंड के स्पिन आक्रमण के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। प्रोविडेंस स्टेडियम में स्थानीय समयानुसार सोमवार को खेले गए मुकाबले में लेनॉक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रैसवेल ने दो-दो विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। जॉन कैंपबेल (43) और अकीम ऑगस्टे (18) ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। लेकिन इसके बाद न्यूज़ीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ऑगस्टे के आउट होने के बाद कैंपबेल भी सैंटनर का शिकार बने। इसके बाद लेनॉक्स ने कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड को लगातार झटके देकर वेस्टइंडीज को मुश्किल में डाल दिया। कीसी कार्टी, गुडाकेश मोती, मैथ्यू फोर्ड, आमिर जंगू, विटेल लॉज और अन्य बल्लेबाज भी स्पिनरों के सामने टिक नहीं सके। न्यूज़ीलैंड के स्पिनरों ने कुल 9 विकेट अपने नाम किए और पूरी वेस्टइंडीज टीम 36 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड को भी शुरुआती झटके लगे।

अंडर-23 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में हरियाणा का दबदबा, तीनों वर्गों में जीता टीम खिताब

एजेंसी, रोहतक

मेजबान हरियाणा ने अंडर-23 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष फ्रीस्टाइल, ग्रीको-रोमन और महिला वर्ग तीनों में टीम चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा ने सभी वर्गों में अपना दबदबा कायम रखा। पुरुष फ्रीस्टाइल में हरियाणा ने 200 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) 138 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ग्रीको-रोमन वर्ग में भी हरियाणा ने 195 अंक जुटाकर खिताब अपने नाम किया,

जबकि एसएससीबी 165 अंकों के साथ उपविजेता रहा। महिला वर्ग में हरियाणा ने 183 अंक अर्जित कर टीम चैंपियनशिप जीती, जबकि महाराष्ट्र 160 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में युवा पहलवानों का स्तर बेहद शानदार रहा।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में बड़ी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के के भाव में आज शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण

ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

थोक महंगाई दर जून महीने में बढ़कर 9.87 फीसदी पर आई

एजेंसी, नई दिल्ली

खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर में इजाफा दर्ज हुआ है। खाद्य एवं गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी से जून में थोक महंगाई दर बढ़कर 9.87 फीसदी पर पहुंच गई है। मई में यह 9.68 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई के आंकड़े जारी करते हुए बताया कि थोक महंगाई दर के जून के आंकड़ों पर खनिज तेल (जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद भी शामिल हैं) का असर खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों पर दिखा है। आंकड़ों के अनुसार ईंधन एवं बिजली श्रेणी में थोक महंगाई जून में 27.41 फीसदी रही, जबकि मई में यह 30.33 फीसदी थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई जून में बढ़कर 5.49 फीसदी हो गई, जो मई में 3.60 फीसदी थी। इसके अलावा गैर-खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई 11.07 फीसदी रही, जबकि खनिज श्रेणी में ये 9.45 फीसदी दर्ज की गई।

भारत-स्पेन ने आपूर्ति श्रृंखलाओं और औद्योगिक साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए सहयोग पर की चर्चा

- **गोयल ने विनिर्माण और नवाचार साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए स्पेन के उद्योग मंत्री से की बातचीत**

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पेन के उद्योग और पर्यटन मंत्री जॉर्डी हेरेउ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने व्यापार, निवेश, विनिर्माण, नवाचार, पर्यटन और भविष्य के लिए तैयार अन्य क्षेत्रों में भारत और स्पेन सहयोग को मजबूत करने के नए अवसरों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 13 जुलाई को स्पेन के आधिकारिक दौरे पर गए हैं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने भारत और स्पेन आर्थिक साझेदारी को गहरा करने और व्यापार, निवेश, नवाचार एवं उद्योग में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कई उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लिया।

गोयल की यह यात्रा द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए है। उनकी यह यात्रा इसलिए भी विशेष

महत्व रखती है, क्योंकि दोनों देश राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं। भारत और स्पेन द्विभाषी संस्कृति, पर्यटन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष 2026 का भी आयोजन कर रहे हैं। इससे पहले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने स्पेन सरकार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों के साथ-साथ व्यापारिक प्रमुखों तथा निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों के साथ बातचीत की और भारत-स्पेन व्यापार मंच को संबोधित किया। इस दौरान आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने, अधिक औद्योगिक साझेदारी को सुविधाजनक बनाने और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत के बढ़ते अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए उन्होंने भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ चर्चा किया। गोयल ने स्पेन सरकार के प्रथम उपराष्ट्रपति और अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं व्यवसाय मंत्री कार्लोस कुएर्पो कैबालेरो के साथ द्विपक्षीय बैठक की। साथ ही दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को सुदृढ़ करने, व्यावसायिक सहयोग को बढ़ाने, नवाचार-आधारित विकास को बढ़ावा देने और आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने के तरीकों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने स्पेन के उद्योग और पर्यटन मंत्री महामहिम जोर्डी हेरेउ बोहर से भी भेंट की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने पांच दिवसीय आधिकारिक यूरोप दौरे (स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड) की शुरुआत स्पेन की उच्च स्तरीय बैठकों के साथ की।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का आईपीओ, 16 जुलाई तक कर सकते हैं अप्लाई

एजेंसी, नई दिल्ली

फैब्रिक की डाइंग और प्रोसेसिंग के काम में लगी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का 126.25 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर

2:40 बजे तक ये आईपीओ 23 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 से लेकर 105 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 142 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 142 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,910 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,830 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,846 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,20,24,000 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ एक प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 70 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

लवक्र्स टेक्नोलॉजीज का आईपीओ लॉन्च, पहले घंटे में ही हुआ फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली । एयरोस्पेस, डिफेंस, रेलवे और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए हाई-एक्यूरेसी वाले मशीनी पार्ट्स और सब असेंबली बनाने वाली प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज का 160.34 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले घंटे में ही ये पब्लिक इश्यू फुली सब्सक्राइब हो गया। इसके बाद भी लगातार बोलियां लगती रहीं, जिसके कारण दोपहर 1:30 बजे तक ये आईपीओ 5.74 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 315 रुपये से लेकर 331 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 800 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,64,800 रुपये का निवेश करना होगा।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कुछ देर तक लिवाली का जोर बनाए रखा, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ सुधार भी हुआ। हालांकि पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों की

कमजोरी बढ़ती चली गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से सिप्ला, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और नेस्ले के शेयर 1.58 प्रतिशत से लेकर 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, एचसीएल टेक्नोलॉजी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर 3.49 प्रतिशत से लेकर 2.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,703 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 866 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,837 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।